नई दिल्ली
गुरुवार 26 फरवरी 2026
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष,
दशमी वर्ष : 29, अंक : 314
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 33
न्यून. 20

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 आज जिम्बाब्वे से आर-पार की जंग, भारत के टॉप ऑर्डर को दिखाना होगा दम

इस साल की पहली छमाही में थलसेना दुनिया के कुल करीब 6 देशों के साथ करेगी युद्धाभ्यास

मध्य-पूर्व में तनाव के बीच...भारत-सऊदी अरब की सेनाएं 'सदा तनसीक' युद्धाभ्यास से परखेंगी अपनी युद्धक तैयारियां

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

अलग-अलग कारणों की वजह से मध्य-पूर्व क्षेत्र में तनावपूर्ण बने हुए सुरक्षा हालात के बीच इस साल का अप्रैल महीना रणनीतिक दृष्टिकोण से भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। क्योंकि इसी दौरान भारत की सेना का क्षेत्र के ही एक देश सऊदी-अरब की सेना के साथ 'सदा तनसीक' नामक द्विपक्षीय युद्धाभ्यास होगा। इस वर्ष यह अभ्यास सऊदी-अरब में होगा। जहां दोनों सेनाएं अपने-अपने जंगी हथियारों के साथ न केवल अपने रणनीतिक युद्ध कौशल को मजबूत बनाएंगी। बल्कि एक-दूसरे के अच्छे अनुभवों से सीख लेने के लिए उनका आपस में आदान-प्रदान भी करेंगी। संभवतः ये युद्धाभ्यास का ▶▶ शेष पेज 5 पर

अलग खबर

अमेरिका, जापान, सऊदी-अरब, मिस्र, सेशेल्स और उज्बेकिस्तान जैसे देश होंगे इन युद्धाभ्यासों में शामिल

भारत के लिए यूं अहम है ये युद्धाभ्यास

पाकिस्तान और सऊदी के बीच पिछले साल 2025 में करीब 75 साल बाद 'रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता' हुआ है। जिसके बाद यह पहला ऐसा मौका होगा। जब भारत और सऊदी-अरब की सेनाएं संयुक्त रूप से एक-दूसरे के साथ सदा-तनसीक युद्धाभ्यास करती हुई नजर आएंगी। वहीं, पाकिस्तान और सऊदी-अरब के बीच हुए रक्षा समझौते के सार को समझें। तो इसके जरिए दोनों देशों ने एक-दूसरे को सुरक्षा की गारंटी दी हुई है। साथ ही ये भी स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान या सऊदी अरब दोनों में से किसी पर भी दुनिया के किसी देश द्वारा हमला करने की स्थिति में दोनों देश उसे साझा रूप से अपने ऊपर किया गया हमला मानेंगे और उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। समझौते से सऊदी-अरब को क्षेत्र में अपने ऊपर हमले की स्थिति में पाकिस्तान या उसके परमाणु हथियारों की मदद मिल सकती है। वहीं, पाकिस्तान के खिलाफ हमले के दौरान सऊदी-अरब उसके साथ खड़ा होगा। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने पिछले जनवरी महीने में संसद में इस समझौते पर पूछे गए एक लिखित प्रश्न के जवाब में भारत का पक्ष रखते हुए कहा था कि भारत ने इस संबंध में मीडिया में प्रकाशित खबरें देखी हैं। सरकार देश की सुरक्षा से जुड़े सभी घटनाक्रमों पर लगातार नजर रखती है। साथ ही इसकी रक्षा के लिए तमाम जरूरी उपाय करती है। साथ ही भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी क्षेत्रीय साझेदारों के साथ निरंतर संपर्क में है।

इन देशों संग युद्धाभ्यास करेगी सेना

सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना का अभी अमेरिका की सेना के साथ वज्र प्रहार और जापान की सेना के साथ धर्मा गार्डियन युद्धाभ्यास चल रहा है। इसके अलावा मार्च के दूसरे सप्ताह में सेशेल्स की सेना के साथ लामित्ये युद्धाभ्यास होगा। फिर अप्रैल के पहले सप्ताह में मिस्र और भारत की थलसेनाओं के बीच युद्धाभ्यास होगा। इसी महीने सऊदी-अरब की सेना के साथ भारत की सेना सदा तनसीक युद्धाभ्यास में भाग लेगी। इसके बाद मई महीने में भारत और उज्बेकिस्तान की थलसेनाओं के बीच भी एक युद्धाभ्यास होगा। यहां बता दें कि किसी आपात परिस्थिति या अन्य कारणों की वजह से इन सभी देशों के साथ होने वाले युद्धाभ्यासों के कार्यक्रम में बदलाव संभव है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

3,716 करोड़ का मुंबई का बंगला 'अबोड' अटैच

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह के चेयरमैन अनिल

अंबानी के मुंबई वाले घर 'अबोड' को एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत जब्त कर लिया है, जिसकी कीमत 3716 करोड़ रुपए है। यह शानदार घर, जो 66 मीटर ऊंचा और 17 मंजिला है, मुंबई के पाली हिल इलाके में है। साल 2000 के आसपास इस महंगी और आलीशान प्रॉपर्टी को रिलायंस ने खरीद लिया था। इस बिल्डिंग में रूफटॉप पर हैलिपेड बना हुआ है जिस पर कई हेलिकॉप्टर एक साथ लैंड कर सकते हैं।

सेक्रेटरी सचिवालय की छठी मंजिल से कूदे, मौत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सचिवालय में बुधवार को आईएएस अधिकारी हितेश कुमार

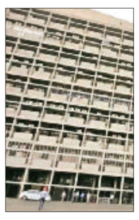

मीणा के स्पेशल सीनियर सेक्रेटरी गणेश दास अरोड़ा ने सचिवालय की छठी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। गंभीर चोटों के चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, गणेश दास अरोड़ा रोज की तरह अपने कार्यालय में कार्यरत थे। दोपहर करीब 12:30 बजे वह अचानक बिना किसी को सूचना दिए छत की ओर चले गए और नीचे छलांग लगा दी।

इजरायल की संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला ऐतिहासिक भाषण

हमास का आतंकी हमला निंदनीय है, इजरायल संग हमेशा मजबूती से खड़ा रहेगा भारत: प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दो दिवसीय यात्रा के तहत बुधवार रात इजरायल की संसद केनेस्सेट में अपना पहला ऐतिहासिक भाषण दिया। जिसमें उन्होंने 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इजरायल पर किए गए आतंकवादी हमले की कड़ी शब्दों में निंदा करते हुए पूरी मजबूती के साथ यह ऐलान किया कि भारत वर्तमान में ही नहीं बल्कि भविष्य में भी पूर्ण विश्वास और दृढ़ता के साथ इजरायल के साथ खड़ा है।

उन्होंने इस बर्बरतापूर्ण आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले निर्दोष इजरायली नागरिकों और उनके परिजनों के प्रति भारत की 140 करोड़ आमजनता की तरफ से गहन संवेदनाएं प्रकट की हैं। इसके अलावा ये भी साफ कर दिया कि बेकसूर लोगों की हत्या और आतंकवाद को किसी भी तरह से या कारण के साथ जायज नहीं ठहराया जा सकता है। यहां बता दें कि अपनी दो दिवसीय ▶▶ शेष पेज 5 पर

इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ संसद में मौजूद सभी सांसदों ने अपने स्थान पर खड़े होकर प्रधानमंत्री का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ किया जोरदार अंदाज में स्वागत।

बोले मोदी, गाजा शांति योजना के प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करता है भारत

पीएम मोदी के भाषण के दौरान इजरायली संसद में गूंजे मोदी-मोदी के नारे

समाज में अस्थिरता पैदा करता आतंकवाद

उन्होंने कहा कि भारत, आतंकवाद के मामले में इजरायल के दर्द को भलीभांति समझता है। क्योंकि हमने भी लंबे वक्त से इसका दंश झेला है। आतंकवाद का मुख्य उद्देश्य समाजों में अस्थिरता पैदा कर विकास को रोकना और भरोसे पर कुठाराघात करना है। आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए सतत और समन्वित वैश्विक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। क्योंकि आतंकवाद कहीं पर भी हो। वो हमेशा सिर्फ और सिर्फ शांति के लिए की खतरा पैदा करता है। इसलिए भारत दीर्घकालिक शांति और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जारी सभी प्रयासों को अपना समर्थन प्रदान करता है। 26/11 मुंबई आतंकी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कई लोग इसमें मारे गए थे। जिसमें कुछ इजरायली भी शामिल थे। ऐसे में तेल अवीव की तर्ज पर बिना किसी दोहरे मानकों के साथ भारत भी आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति का पालन करता है। जो कि इस मुद्दे पर हमारी एक निरंतर और बिना समझौते वाली नीति है।

इजरायल में प्रधानमंत्री का रेड कार्पेट वेलकम, हवाई अड्डे पर पीएम नेतन्याहू ने पत्नी सारा संग की अगवानी...

दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक, आपसी सहयोग-क्षेत्र में जारी मुद्दों पर हुई चर्चा

- शानदार स्वागत से गदगद हुए पीएम मोदी, जताया इजरायली प्रधानमंत्री के प्रति आभार

नई दिल्ली(ब्यूरो)। ईरान-अमेरिका युद्ध की बढ़ती आशंकाओं के मध्य अपने दो दिवसीय राजकीय दौरे के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को इजरायल पहुंचे। जहां बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रेड कार्पेट वेलकम के साथ उनका जोरदार अंदाज में स्वागत किया गया। इजरायली सैन्य बलों की मौजूदगी में पीएम की अगवानी इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी धर्मपत्नी सारा नेतन्याहू के साथ की। हवाई अड्डे पर दोनों शीर्ष नेताओं ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया, फिर बेहद आत्मीयता के साथ एक-दूसरे को मुस्कुराते हुए गले लगाकर अभिवादन किया। इसके बाद भारत के परंपरागत लोकतांत्रिक मूल्यों को विशेष सम्मान देते हुए प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में हवाई अड्डे पर राष्ट्रगान हुआ। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि पीएम मोदी का इजरायल का ये दौरा एक ऐसे समय में भी हो रहा है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

फैसले की आड़: भारत ने अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को अनुचित तरीके से सब्सिडी दी

अमेरिका ने भारत के साथ खेला 'डर्टी गेम', सोलर इंपोर्ट पर लगाया 126% टैक्स, बौखलाए हुए हैं ट्रंप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय बौखला गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत समेत कई देशों के सोलर इंपोर्ट पर टैक्स लगा दिया है। अमेरिका ने भारत से होने वाले सौर आयात पर 126% का प्रारंभिक शुल्क लगाया है। यह फैसला इसके बाद लिया गया है कि भारत ने अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को अनुचित तरीके से सब्सिडी दी थी। ट्रंप प्रशासन का यह भी कहना है कि यह कदम अमेरिकी घरेलू निर्माताओं की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। इससे क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स की लागत बढ़ने की आशंका है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने भारत के साथ ही इंडोनेशिया पर 86% से 143% और लाओस पर 81% का प्रारंभिक शुल्क लगाया है। ये दरें विदेशी सब्सिडी के निर्धारण पर आधारित हैं। अमेरिका का दावा है कि इन देशों में सोलर मैन्युफैक्चरिंग को अनुचित तरीके से सरकारी सब्सिडी दी गई है, जिससे वे अपने उत्पादों को अमेरिकी बाजार में घरेलू निर्माताओं की तुलना में काफी कम कीमत पर बेच रहे हैं। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि सोलर आयात पर शुल्क बढ़ाने का उद्देश्य घरेलू निर्माताओं को लाभ पहुंचाना है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

15 फीसदी से अलग होंगे ये शुल्क

ये शुल्क ट्रंप के उन व्यापक वैश्विक टैरिफ से अलग होंगे, जिन्हें पिछले सप्ताह अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके जवाब में, ट्रंप ने नए 10% टैरिफ जारी किए हैं, जिसे उन्होंने बढ़ाकर 15% करने की धमकी दी है। साथ ही ये शुल्क विशिष्ट जांच अलायंस फॉर अमेरिकन सोलर मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेड की याचिका पर आधारित है। राष्ट्रपति ने इसी महीने की शुरुआत में भारत के साथ एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता भी किया था, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक तनाव को कम करना था।

6 जुलाई का आएगा अंतिम फैसला

कई डेवलपर्स का मानना है कि सस्ते आयात पर रोक लगने से सोलर प्रोजेक्ट्स की लागत बढ़ेगी, जिससे अमेरिका के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को झटका लग सकता है। 6 जुलाई ▶▶ शेष पेज 5 पर

छह राज्यों में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, 1.86 करोड़ के 'डिजिटल अरेस्ट' ठगी मामले में तीन गिरफ्तार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सीबीआई ने 1.86 करोड़ रुपये की कथित "डिजिटल अरेस्ट" साइबर ठगी से जुड़े मामले में छह राज्यों में एक साथ छापेमारी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला केरल के कोट्टायम जिले के एक वरिष्ठ नागरिक से ठगी से संबंधित है। डिजिटल फॉरेंसिक और वित्तीय लेन-देन की गहन जांच में देश के कई राज्यों में फैला एक जटिल ▶▶ शेष पेज 5 पर

छह राज्यों में समन्वित कार्रवाई

सीबीआई ने 25 फरवरी को एक साथ गोवा, बेंगलुरु (कर्नाटक), पालक्काड (केरल), नागपुर (महाराष्ट्र), हैदराबाद (तेलंगाना) और दिल्ली में छापेमारी की। कार्रवाई का फोकस साइबर-फ्रॉड के दो प्रमुख घटकों पर रहा, म्यूल बैंक खाते का नेटवर्क, फ़र्जी तरीके से हासिल किए गए सिम कार्ड। तलाशी के दौरान डिजिटल डिवाइस, डेबिट कार्ड, बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की विस्तृत फॉरेंसिक जांच की जा रही है।

कौन है गिरफ्तार आरोपी?

- ब्लेसिन जैकब अब्राहम गोवा के एक होटल से गिरफ्तार।
- कथित तौर पर म्यूल खातों के संचालन और इस ठगी से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी लेन-देन को सुगम बनाने में मुख्य भूमिका।
- उसके कब्जे से कई डिजिटल डिवाइस बरामद हुए।
- मोहम्मद मुश्ताक नागपुर से गिरफ्तार। शेल कंपनी के माध्यम से म्यूल खातों का प्रबंधन कर अपराध की आय प्राप्त करने का आरोप।
- बड़ी संख्या में डेबिट कार्ड और डिजिटल उपकरण बरामद।
- मोहम्मद जुनैद को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया।
- कथित तौर पर फर्जी तरीके से सिम कार्ड हासिल कराने में शामिल होने का आरोप है।
- "5G सिम अपग्रेड" का झांसा देकर लोगों के केवाईसी दस्तावेज का दुरुपयोग कर सिम सक्रिय किए, जिन्हें बाद में साइबर ठगी में इस्तेमाल किया गया। जांच में संकेत हैं कि ठगी के कॉल/ऑपरेशन विदेश से संचालित हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में दी जानकारी, लाखों यात्रियों को तेज़ और निर्बाध यात्रा का विकल्प मिलेगा

गुरुग्राम–फरीदाबाद–नोएडा–ग्रेटर नोएडा नमो भारत आरआरटीएस सह मेट्रो कॉरिडोर के फाइनल अलाइनमेंट को दी स्वीकृति: नायब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में बुधवार को बताया कि सरकार ने 24 फरवरी को आयोजित बैठक में गुरुग्राम–फरीदाबाद–नोएडा–ग्रेटर नोएडा नमो भारत आरआरटीएस सह मेट्रो कॉरिडोर के लिए फाइनल अलाइनमेंट को स्वीकृति दे दी है। इसकी डीपीआर को अंतिम रूप देने के लिए भारत सरकार की एजेंसी एनसीआरटीसी को निर्देश दिए गए हैं। प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लगभग 64 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा, जिसमें से करीब 52 किलोमीटर हरियाणा में है। यह केवल एक नई रेल लाइन नहीं, बल्कि एनसीआर क्षेत्र के भीतर गुरुग्राम, फरीदाबाद और नोएडा जैसे बड़े आर्थिक केंद्रों को एकीकृत करने वाला एक परिवर्तनकारी कदम है। इससे लाखों यात्रियों को तेज़ और निर्बाध यात्रा का विकल्प मिलेगा। साथ ही सड़क जाम से होने वाली परेशानी का हल होगा और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने सदन को अवगत करवाया कि गुरुग्राम क्षेत्र में इफको चौक से ग्वाल पहाड़ी तक लगभग 14.5 किलोमीटर का इंटीग्रेटेड आरआरटीएस और मेट्रो सेक्शन तय किया गया है। इसमें सेक्टर-29, मिलेनियम सिटी सेंटर, सेक्टर-52, वजीराबाद, सेक्टर-57 तथा ▶▶ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

पूर्वोत्तर की महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के आरोप में दंपति गिरफ्तार

नई दिल्ली। मालवीय नगर इलाके में पूर्वोत्तर की तीन महिलाओं के साथ कथित नस्लीय दुर्व्यवहार और अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल के मामले में दंपति को गिरफ्तार किया गया है। दंपति के नाम रूबी जैन और उनके पति हर्ष प्रिय सिंह बताये गये हैं। पुलिस के अनुसार 20 फरवरी को किराए के मकान में मरम्मत कार्य को लेकर हुए विवाद के दौरान रूबी जैन ने अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं के खिलाफ अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियां की। पुलिस ने प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धारा को भी शामिल किया है। शुरू में मामला भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया था, जिनमें आपराधिक धमकी, महिला की गरिमा का अपमान और विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य फैलाने से संबंधित आरोप शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि एससी-एसटी अधिनियम जोड़े जाने के बाद अब जांच एसीपी स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है। इस बीच मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर घटना की निंदा करते हुए कहा, पूर्वोत्तर की हमारी बहनों के साथ हुई घटना की मैं कड़े शब्दों में निंदा करती हूं और मैं उनके साथ मजबूती से खड़ी हूं। उन्होंने एक्स पर कहा, दिल्ली हर किसी की है। यहां हर नागरिक की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा सर्वोपरि है।

तीन साल की बच्ची को अगवा करने वाला पकड़ा

नई दिल्ली। अशोक विहार थाने की वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र चौकी पुलिस ने तीन साल की बच्ची के अपहरण का मामला सुलझा लिया है। अमित (47) नाम का आरोपी पकड़ा गया है। बच्चा भी सकुशल बरामद कर लिया गया है। पुलसि के अनुसार 22 फरवरी को डब्ल्यूपीआईए क्षेत्र के निकट से एक तीन वर्षीय बच्ची के अपहरण संबंधी पीसीआर कॉल पुलिस को मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत एक टीम का गठन किया गया। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के अलावा मासूम की फोटो सभी थानों को भेजी गई। एक फुटेज में मासूम के साथ संदिग्ध आरोपी दिखाई दिया। वह डब्ल्यूपीआईए क्षेत्र की एक फैक्ट्री में काम करता था। उसके मोबाइल नंबर का पता लगाया गया। आखिर पीसीआर कॉल के एक घंटे बाद ही आरोपी को पकड़ लिया गया।

सड़क हादसे में 10 वर्षीय बच्ची की मौत

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार इलाके में मंगलवार आधी रात के बाद एक वाहन की चपेट में आने से 10 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस को हादसे की सूचना रात करीब 12.50 बजे मिली, जिसके बाद एक टीम मौके पर पहुंची। सड़क पर तीन घायलों को पड़ा पाया। तीनों को तुरंत जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने घायल बच्ची को मृत घोषित कर दिया। अन्य दो घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद उनके बयान दर्ज किए जाएंगे।

कीर्ति नगर फर्नीचर बाजार में आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। कीर्ति नगर इलाके में बुधवार तड़के एक फर्नीचर शॉप में आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा को आग लगने की सूचना सुबह चार बजकर 50 मिनट पर मिली, जिसके बाद नौ गाड़ियां मौके पर भेजी गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग से बाजार की आस-पास की दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है।

पूठ खुर्द इलाके में गोदाम में आग लगी

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के पूठ खुर्द इलाके में बुधवार को एक गोदाम में आग लग गई। आग लगने की सूचना डीएफएस को दोपहर करीब एक बजे मिली। इसके बाद आग पर काबू पाने के लिए 10 दमकल गाड़ियां भेजी गई। देर शाम तक आग पर काबू पा लिया गया था।

समयपुर बादली में सामने आई वारदात

महिला और तीन बच्चियों की गला रेतकर हत्या

वारदात के बाद से फरार चल रहा महिला का पति मुख्य संदिग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में बुधवार को एक महिला और उसकी तीन बच्चियों की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। इस वारदात को अंजाम देने में महिला के पति का हाथ होने का संदेह है। वह फरार बताया गया है। पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश में जुटी है।

समयपुर बादली पुलिस थाने को बुधवर सुबह तीन बच्चियों जिनकी उम्र तीन, चार और पांच वर्ष थी और उनकी 27 वर्षीय मां की हत्या की सूचना मिली। पुलिस की एक टीम तुरंत सर्वोदय विद्यालय के पास मकान संख्या 84/ई, गली नंबर 3, चंदन पार्क, सिरसपुर घटनास्थल पर पहुंची। भूतल स्थित एक कमरे में चार शव मिले। तुरंत क्राइम टीम और एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। चारों का गला धारदार हथियार से काटा गया था। मृत महिला की पहचान मुंचुन केवट की पत्नी अनीता के रूप में हुई है। दंपति अपनी तीन बेटियों के साथ लगभग आठ महीने से इस पते पर रहता था। परिवार मूलरूप से बिहार के पटना का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार केवट आजादपुर मंडी में सब्जी विक्रेता के तौर पर काम करता था। पड़ोसियों ने शवों को देख पुलिस को सूचना दी। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस का कहना है कि केवट सुबह से लापता है और इस मामले में मुख्य संदिग्ध है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज समयपुर बादली थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी की तलाश में कई टीमें लगाई गई हैं।

कश्मीरी गेट इलाके की घटना, केस दर्ज

कार पर फायरिंग की जिम्मेदारी गैंगस्टर नवीन बॉक्सर ने ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

कश्मीरी गेट स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनस (आईएसबीटी) के पास मंगलवार देर रात एक वकील की कार पर हुई गोलीबारी के संबंध में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सूत्रों से पता चला कि गैंगस्टर नवीन बॉक्सर के नाम से किये गये एक सोशल मीडिया पोस्ट में हमले की जिम्मेदारी ली गई है। पुलिस ने बताया कि अधिवक्ता दीपक खत्री की शिकायत पर कश्मीरी गेट थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास), 3(5) (आपराधिक षड्यंत्र) और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। खत्री को पहले भी हिंसा की धमकियां मिल चुकी है।

मिली सूचना के अनुसार मरघट वाले हनुमान मंदिर के पास मंगलवार रात करीब 10 बजकर 10 मिनट पर एक कार पर गोलीबारी हुई। उस समय कार में पांच लोग सवार थे। एक व्यक्ति को कंधे में गोली लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत स्थिर और खतरे से बाहर बताई गई है। डीसीपी राजा बांठिया के अनुसार कार सवार लोगों ने हमलावरों की संख्या के बारे में अलग-अलग बयान दिए हैं। घटना के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट आया जिसमें गैंगस्टर नवीन बॉक्सर ने फायरिंग की कथित तौर पर जिम्मेदारी ली। उसी के नाम और तस्वीर वाले प्रोफाइल से साझा की गई पोस्ट में कहा गया कि यह हमला उसने और उसके साथियों ने किया था तथा खत्री को धमकी भी दी गई थी। पोस्ट में लिखा था कि लॉरेंस के लिए मुखबिर और बिचौलिए का काम करता है। तुम जबरन वसूली के सौदे तय करते हो और बैठकों के दौरान जानकारी लाते हो, ऐसा करना बंद करो। अन्यथा, तुम्हारे कृत्यों का दंड मिलेगा और तुम्हारे पूरे परिवार को इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे। पुलिस ने कहा कि हम पोस्ट और उसके स्त्रोत की जांच कर रहे हैं। एक फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और हमलावरों की पहचान करने के लिए आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज पुलिस खंगाल रही हैं।

चलते ट्रक से 200 किलो इलायची चोरी में तीन धरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लाहौरी गेट इलाके में एक चलते ट्रक से बाइक सवारों द्वारा 200 किलो इलायची चोरी करने के मामले में पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम बिहार के मुंगेर निवासी आनंद (30), प्रदीप (36) और भागलपुर निवासी सिथुन (24) बताये गये हैं।

पुलिस को ट्रक चालक दुखी कुमार ने 17 फरवरी को शिकायत दी थी। लाहौरी गेट थाने में 'ई-प्राथमिकी' दर्ज की गई। कुमार ने बताया कि 13 फरवरी की रात को उन्होंने ट्रक पर पुरानी दिल्ली के खारी बावली से अन्य किराना सामान के साथ इलायची के बैग (प्रत्येक 50 किलो वजन) लादे थे। सामान फरीदाबाद पहुंचना था। गंतव्य पर पहुंचने के बाद उन्होंने देखा कि ट्रक से 200 किलो वजनी इलायची के चार बैग चोरी हो गए थे। मामले की जांच के दौरान क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया। दो मोटरसाइकिलों पर सवार छह व्यक्तियों की पहचान की गई। मोटरसाइकिल सवार ये सभी लोग ट्रक का पीछा कर रहे थे। फुटेज में सभी छह व्यक्तियों में से एक व्यक्ति को चलते हुए ट्रक पर पीछे से चढ़ते हुए तथा वाहन पर लादे गए इलायची के बैग नीचे फेंकते हुए देखा गया। यह भी देखा गया कि नीचे फेंके गए बैग को उसके साथियों ने उठा लिया। एक मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर दीपक नामक व्यक्ति के नाम पर मिला, जो दिल्ली के पुल मिठाई का रहने वाला था। दीपक अभी फरार है। हालांकि तीन पकड़े जा चुके हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि दीपक इस गिरोह का सरगना है और इसमें संदीप व सचिन नाम के दो अन्य व्यक्ति भी शामिल थे। उन्होंने खारी बावली से सराय काले खां तक ट्रक का पीछा किया और रास्ते में इलायची के बैग चुराये। पुलिस ने कहा कि पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 50 किलो इलायची का एक बैग और अपराध में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। घटना के अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने और चोरी के बाकी सामान को बरामद करने के प्रयास जारी हैं।

सरकार के तानाशाही रवैये से कांग्रेस नहीं डरती, भाजपा कुछ भी करें हम अहिंसात्मक विरोध करेंगे: यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के तानाशाही रवैये से कांग्रेस डरने वाली नहीं है। भाजपा कुछ भी कर लें लेकिन कांग्रेस लोकतंत्र को बचाने के लिए अहिंसात्मक तरीके से अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। यादव ने कहा कि भाजपा की दमनकारी नीतियों व आम आदमी की आवाज दबाने के ल ए चाहे कुछ भी कर लें, कांग्रेसी न डरेंगे न झुकेंगे। यादव बुधवार को प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर यादव के अलावा प्रदेश प्रभारी काज़ी निज़ामुद्दीन, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डाक्टर नरेन्द्र नाथ, डाक्टर योगानन्द शास्त्री, पूर्व विधायक राजेश लिलौठिया सहित प्रदेश कांग्रेस के सभी संगठनों के आला पदाधिकारी आदि मौजूद थे। वहीं दूसरी तरफ बैठक के बाद यादव व अन्य नेता युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और युवा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में यादव ने कहा कि युवा कांग्रेस के हीरो पर मुझे गर्व है, जो देश की अस्मिता, अखंडता और एकता को बचाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। देश को बेचने वालों के खिलाफ मजबूती के साथ आवाज उठाने का काम किया है। यादव ने कहा कि अमरीका के साथ ट्रेड डील जिसमें किसानों को भारी नुकसान होने वाला है। भाजपा कांग्रेस की आवाज को दबाना चाहती है लेकिन कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी के बताएं अंहिसा के रास्ते पर चलने वाली पार्टी है जिसने देश की आजादी के लड़ाई लड़ी और अब जरुरत है देश को बचाने की। अगर सरकार एक को जेल में डालेगी, हम 100 कांग्रेस कार्यकर्ता खड़ा करेंगें और 100 को गिरफ्तार करेगी तो 1000 कांग्रेस के सिपाही देशहित में खड़े होंगे। यादव ने मौजूद कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को कहा कि हमें डरने की जरुरत नही है, जब तक सरकार युवा कांग्रेस के अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं को नही छोड़ेगी, हम हर दिन अपनी लड़ाई को नया रुप देकर जन आंदोलन चलाने का काम करेंगे।

खड़गे, राहुल का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए दिल्ली कांग्रेस शुरू करेगी मासिक न्यूज लेटर

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के विचारों, जनसंवाद और विभिन्न मुद्दों पर उठाए गए सवालों को अब जन जन तक पहुंचाने के लिए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अपनी मासिक न्यूज लेटर निकालने जा रही है। इस दिशा में कदम आगे बढ़ते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अनिरुद्ध शर्मा को दिल्ली कांग्रेस के मासिक न्यूज लेटर का सम्पादक नियुक्त कर दिया है। इस बारे में यादव ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष खरगे व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के देशवासियों के लिए संदेश, संघर्ष एवं कांग्रेस पार्टी के विचारों और कार्यक्रमों की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से मासिक न्यूज लेटर शुरू करने का निर्णय लिया है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए दिल्ली कांग्रेस मासिक न्यू लेटर के लिए अनिरुद्ध शर्मा को सम्पादक के पद पर नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि अनिरुद्ध शर्मा अपनी जिम्मेदारी पूर्व की तरह ही मेहनत व ईमानदारी से निभाएगें। बता दें कि अनिरुद्ध शर्मा इससे पहले दिल्ली कांग्रेस के सोशल मीडिया एवं आई टी सेल के चेयरमैन भी रह चुके हैं। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन सहित अन्य उपस्थित थे।

एलजी ने डीपीएसआरयू छात्रों को किया संबोधित सस्ती व कामयाब दवाइयां बनाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने विज्ञान भवन में आयोजित दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (डीपीएसआरयू) के युवा और होनहार ग्रेजुएट हो रहे स्टूडेंट्स के कॉन्वोकेशन में संबोधित किया। लोक निवास सचिवालय द्वारा दी गई जानकारी अनुसार इस अवसर पर एलजी सक्सेना ने सभी युवा छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आह्वान किया कि जनहित के लिए सस्ती व कामयाब दवाइयां बनाने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे फंडामेंटल और अप्लाइड रिसर्च के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित करें। जिससे की नई कम कीमत वाली कामयाब दवाएं बनाई जा सकें। एलजी ने कहा कि हमारी कोशिश होनी चाहिए कि सभी लोगों को सस्ता, पारंपरिक इलाज मिल सके और महामारी को रोकने के तरीके खोजे जा सकें। क्योंकि महामारी को रोकने में कामयाबी का मतलब है कि भारत को एडवांस्ड बायोलॉजिकल और थेराप्यूटिक प्रोडक्ट्स में आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाना। उन्होंने कहा कि डीपीएसआरयू कोई और डिग्री देने वाला इंस्टीट्यूशन नहीं है। यह उन कुछ खास यूनिवर्सिटी में से एक है, जो खास तौर पर फार्मास्यूटिकल्स, हेल्थ मैनेजमेंट और एलाइड हेल्थ साइंसेज पर फोकस करती है। एलजी का कहना है कि इसका एक खास ट्रैक रिकॉर्ड है कि इसने ऐसे काबिल प्रोफेशनल्स तैयार किए हैं, जो अपनी नौकरी के अलावा, देश के लिए समाधान और सेवा के बारे में सोचने में सक्षम हैं। एलजी सक्सेना ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मैं ग्रेजुएट हो रहे सभी स्टूडेंट्स के सफल और अच्छे भविष्य की कामना करता हूं।

परीक्षा के दौरान अमृतधारी सिख की कृपाण उतारने पर दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने जताया-एतराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने दिल्ली कैंट में एक परीक्षा केंद्र में अमृतधारी सिख की कृपाण उतारने पर कड़ी आपत्ति जताई है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली कमेटी के अध्यक्ष सरकार हरमीत सिंह कालका व महासचिव काहलों ने एजुकेशन सेल के चेयरमैन कुलतारन सिंह कोछड़ की अगुवाई में कमेटी की एक टीम संबंधित स्कूल पहुंची। इस बारे में कमेटी अध्यक्ष कालका ने बताया कि इस घटनास की जैसे ही खबर मिली हमारी टीम मौके पर पहुंची और संबंधित मौजूद अधिकारियों को फटकार लगाई व कृपाण वापस दिलाई गई। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं का बार-बार होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब देश में बार-बार सिखों की बात हो रही है और स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह सिख धर्म और सिख गुरुओं के बारे में चर्चा कर रहे हैं, तब भी निचले स्तर के कुछ अधिकारी सिख सिद्धांतों से अनजान बनकर सिखों के पांच ककार उतरवाने जैसी मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब देश का शीर्ष नेतृत्व स्वयं आपको शिक्षा दे रहा है, तो आपको यह समझ होना चाहिए कि सिख धर्म में, विशेषकर अमृतधारी सिख के जीवन में पांच ककारों का कितना महत्व है। उन्होंने कहा कि जैसे शरीर के लिए सांस जरूरी है, उसी प्रकार अमृतधारी सिख के लिए ये पांच ककार आवश्यक हैं, जिन्हें दशमेश पिता गुरु गोबिंद सिंह जी ने धारण करने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि हम दुनिया भर में पांच ककारों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन भारत में ही कुछ अज्ञानी सरकारी कर्मचारी ऐसी हरकतें कर देते हैं, जिससे नया विवाद खड़ा हो जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं और अधिकारियों को भी यह ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षाओं के दौरान किसी भी तरह से धार्मिक विश्वास और मान्यताओं को ठेस न पहुंचे। उन्होंने अफसरशाही से अपील की कि वे अपने अधीनस्थ स्टाफ को इस बारे में जागरूक करें, ताकि भारत के संविधान के तहत मिले अधिकारों का लोग पूरी तरह से उपयोग कर सकें।

पूसा कृषि विज्ञान मेला 2026 का हुआ भव्य शुभारंभ

किसानों का राष्ट्रीय महाकुंभ है पूसा कृषि विज्ञान मेला : चौहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पूसा कृषि विज्ञान मेला 2026 किसानों के लिए राष्ट्रीय महाकुंभ है और यह आयोजन केवल प्रदर्शनी भर नहीं, बल्कि देशभर के किसानों, वैज्ञानिकों, उद्यमियों और नीति-निर्माताओं का ऐसा बड़ा संगम है जहां प्रयोगशाला की शोध सीधे खेतों तक पहुँचती है और पूरे भारत के लिए विकसित, आधुनिक और आत्मनिर्भर कृषि का रोडमैप तैयार होता है। भारत सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली स्थित भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में 25-27 फरवरी 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय पूसा कृषि विज्ञान मेला 2026 के भव्य उद्घाटन के मौके पर संबोधन दिया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने घोषणा की कि आगामी वर्ष यह मेला और भी व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा, ताकि अधिकाधिक किसान लाभान्वित हो सकें। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि गत वर्ष भारत सरकार ने किसानों को लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपए की उर्वरक सब्सिडी प्रदान की, जो सरकार की किसान-कल्याण प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उद्घाटन समारोह की प्रमुख विशेषता सात प्रगतिशील किसानों को भा.कृ.अनु. संस्थान- अध्येता कृषक पुरस्कारों से सम्मानित करना रहा। केंद्रीय मंत्री ने किसानों को मंच पर अग्रिम पंक्ति में अपने साथ बैठाकर संवाद किया, जिससे उनसे सीधा संवाद और परस्पर सहभागिता बढ़ी। इस अवसर पर डॉ. एम.एल. जाट (महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं सचिव, डेयर), डॉ. देवेश चतुर्वेदी (सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग), डॉ. डी.के. यादव (उप महानिदेशक, फसल विज्ञान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद), डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव (निदेशक, भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान), तथा डॉ. आर.एन. पडारिया (संयुक्त निदेशक, विस्तार, भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान) सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को "अन्नदाता" के साथ-साथ "जीवनदाता" बताते हुए कहा कि किसानों की सेवा उनके लिए भगवान की सेवा के समान है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे केवल देश की खाद्य सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पोषण सुरक्षा और वैश्विक बाजारों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कृषि उत्पाद उपलब्ध कराने का भी संकल्प लें, ताकि भारत दुनिया के लिए सच्चे अर्थों में "विश्व बंधु" की भूमिका निभा सके।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेला परिसर में पौधारोपण कर मेले का शुभारंभ किया तथा सब्जी फसलों, संरक्षित खेती तकनीकों, शहरी एवं परि-नगरीय कंटेनर गार्डनिंग मॉडल, जलवायु-सहिष्णु किस्मों (गेहूं, सरसों, चना, मसूर आदि) की जीवंत प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

'विकसित कृषि - आत्मनिर्भर भारत' थीम पर है आयोजन

इससे पूर्व संस्था के निदेशक डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव ने स्वागत भाषण में मेले के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि "विकसित कृषि - आत्मनिर्भर भारत" थीम पर आधारित यह आयोजन किसान - वैज्ञानिक संवाद, तकनीक हस्तांतरण और नवाचार को बढ़ावा देने का सशक्त मंच है। मेले में एक लाख से अधिक किसान, उद्यमी, एफ.पी.ओ., वैज्ञानिक एवं अन्य हितधारक भाग ले रहे हैं। डॉ. एम.एल. जाट ने कहा कि भा.कृ.अनु. परिषद, किसानों की सेवा में मांग आधारित अनुसंधान को प्राथमिकता देते हुए "एक देश, एक कृषि, एक टीम" की भावना से कार्य कर रहा है। उन्होंने दलहन मिशन, तिलहन मिशन, मशीनीकरण, प्राकृतिक खेती योजना एवं अन्य किसान-कल्याणकारी पहलों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

पशुओं के प्रति किसी भी प्रकार की क्रूरता बर्दाश्त नहीं : महापौर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पशुओं के प्रति किसी भी प्रकार की क्रूरता या अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है, तो उसके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली के महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने आम आदमी पार्टी द्वारा चिराग दिल्ली क्षेत्र में कथित अवैध डेयरी प्रकरण को लेकर जारी बयान को भ्रामक, तथ्यों से परे और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताते हुए यह प्रतिक्रिया जारी की। महापौर ने कहा कि पशु कल्याण और अवैध डेयरियों के विरुद्ध कार्रवाई निगम की सतत प्रक्रिया का हिस्सा है। जैसे ही संबंधित क्षेत्र में स्थिति की जानकारी प्राप्त हुई, निगम के वेटरनरी विभाग की टीम ने पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। मौके से प्राप्त गायों एवं बछड़ों को नियमानुसार गौशाला भिजवाया गया तथा पूरे प्रकरण की जांच प्रारंभ कर दी गई है।

महापौर ने कहा कि एमसीडी पर किसी प्रकार की मिलीभगत या संरक्षण के आरोप पूरी तरह निराधार, असत्य और राजनीतिक द्वेष से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी घटना की सूचना मिलते ही निगम की कार्यप्रणाली निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चलती है। मौके पर पहुंचने में यदि कोई विलंब हुआ हो तो उसके कारणों की समीक्षा की जा रही है, किंतु इसे साजिश या संरक्षण बताना दुर्भावनापूर्ण है। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि क्षेत्र में अवैध डेयरियों की व्यापक जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि "पशु संरक्षण और जन स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है। दिल्ली नगर निगम अवैध डेयरियों के विरुद्ध नियमित अभियान चला रहा है और भविष्य में भी सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी। राजनीतिक लाभ के लिए भ्रामक बयान देना उचित नहीं है। यदि आम आदमी पार्टी के पास ठोस साक्ष्य हैं तो वे प्रशासन को सौंपें, ताकि दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सके।"

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में फिल्म फेस्टिवल का किया कर्टेन रेजर

अगले महीने दिल्ली में पहली बार आयोजित होगा 'इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏩ नई दिल्ली

अगले महीने देश की राजधानी में पहली बार इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल आयोजित होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में इस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली (आईएफएफडी) 2026 का कर्टेन रेजर किया। मुख्यमंत्री ने इसे दिल्ली को वैश्विक सांस्कृतिक और सिनेमाई केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक अवसर बताया। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव केवल फिल्मों का आयोजन नहीं, बल्कि दिल्ली की रचनात्मक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक सोच का उत्सव है। यह एक ऐसा पब्लिक फेस्टिवल होगा जिसमें हर दिल्लीवासी की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी और विश्व सिनेमा को आम नागरिकों तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही, इसके माध्यम से स्थानीय फिल्मकारों और तकनीशियनों को अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा और राष्ट्रीय व वैश्विक प्रतिभाओं के साथ संवाद के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि 25 से 31 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाला यह सिटी-वाइड फिल्म फेस्टिवल भारत मंडपम सहित नई दिल्ली के विभिन्न प्रतिष्ठित स्थलों पर आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन दिल्ली को फिल्म पर्यटन, प्रतिभा विकास, एवीजीसी, रचनात्मक उद्योग और रोजगार सृजन के नए अवसर प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की फिल्म नीति के अनुरूप सिंगल-विंडो सुविधा, प्रोडक्शन सपोर्ट और उद्योग सहयोग के माध्यम से दिल्ली को शूटिंग के लिए एक आकर्षक डेस्टिनेशन बनाया जा रहा है।

युवा प्रतिभाओं को अंतर्राष्ट्रीय मंच मिलेगाः कपिल

इस अवसर पर दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि यह आयोजन युवा प्रतिभाओं को अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, नई तकनीक, नवाचार और सिनेमा के बदलते स्वरूप पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देगा। साथ ही दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त करेगा तथा पर्यटन, रोजगार और रचनात्मक उद्योगों को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली, देश और दुनिया में क्रिएटिव कैपिटल के रूप में उभर रही है। इसी क्रम में दिल्ली का अब तक का पहला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव आयोजित होने जा रहा है।

ये चीजें होगी मुख्य आकर्षण का केंद्र

फेस्टिवल के मुख्य आकर्षणों में भव्य गाला प्रीमियर और सितारों से सजी विशेष स्क्रीनिंग शामिल होंगी, जो दर्शकों को सिनेमा की चमक-दमक और रचनात्मक उत्कृष्टता का अनूठा अनुभव देंगी। डिजिटल और उभरते सिनेमा को समर्पित विशेष प्रस्तुतियां नई तकनीक और नवाचार की दिशा में हो रहे प्रयोगों को मंच प्रदान करेंगी। हाई ऑक्टेन सिनेएक्सचेंज फिल्म मार्केट और सिनेवर्स एक्सपो के माध्यम से फिल्म उद्योग से जुड़े पेशेवरों को नेटवर्किंग, वितरण और निवेश के नए अवसर मिलेंगे। साथ ही, प्रतिष्ठित फिल्मकारों और विशेषज्ञों की मास्टरक्लास तथा इंडस्ट्री पैनल चर्चाएं प्रतिभागियों को गहन ज्ञान और व्यावहारिक समझ प्रदान करेंगी। सांस्कृतिक संध्याएं और लाइव परफॉर्मेंस इस आयोजन को बहुआयामी उत्सव का स्वरूप देंगी, जहां कला और मनोरंजन का संगम दिखाई देगा।

आईएफएफडी के माध्यम से दिल्ली को भारत की सिनेमाई राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आईएफएफडी 2026 दिल्ली के सांस्कृतिक परिदृश्य को नई दिशा देगा और राजधानी को वैश्विक सांस्कृतिक मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दिल्ली हमेशा संस्कृति को दिशा देने वाला शहर रहा है और इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली के माध्यम से ऐसा सार्वजनिक महोत्सव तैयार किया जा रहा है, जो इस शहर के लोगों का अपना उत्सव होगा।

125 से अधिक फिल्मों का होगा प्रदर्शन

दिल्ली सरकार द्वारा संचालित, शहरव्यापी इस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 125 से अधिक भारतीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही गाला प्रीमियर, मास्टरक्लास, इंडस्ट्री संवाद, कार्यशालाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस फेस्टिवल का उद्देश्य भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा को प्रदर्शित करना और फिल्म संस्कृति को आम नागरिकों तक पहुंचाना है। यह महोत्सव नई दिल्ली के विभिन्न स्थलों पर आयोजित होगा। इस फिल्म फेस्टिवल का आयोजन दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम द्वारा किया जा रहा है। दिल्ली फिल्म नीति के अनुरूप यह महोत्सव फिल्म पर्यटन, प्रतिभा विकास, उद्योग सहयोग तथा ऑरेंज इकॉनमी को नई गति देगा।

फिल्म फेस्टिवल की विशेषताएं

फेस्टिवल की विशेषताओं के तहत फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष जोर रहेगा, जिससे शहर की सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। युवा प्रतिभाओं को अपनी रचनात्मक क्षमता प्रदर्शित करने और उद्योग से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। फिल्म निर्माताओं के लिए सिंगल-विंडो सुविधा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाएगी, जिससे शूटिंग और प्रोडक्शन संबंधी औपचारिकताएं सुगम होंगी। सार्वजनिक स्थलों पर वर्ल्ड सिनेमा की पहुंच सुनिश्चित कर व्यापक दर्शक वर्ग को गुणवत्तापूर्ण अंतरराष्ट्रीय फिल्मों से रूबरू कराया जाएगा। इस प्रकार यह आयोजन रचनात्मक अर्थव्यवस्था को गति देते हुए कला, संस्कृति और उद्योग के बीच सशक्त सेतु का कार्य करेगा।

एमसीडी ने म्युनिसिपालिका-2026 सम्मेलन में स्वच्छता संबंधी पहलों का किया प्रदर्शन

■ केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री ने एमसीडी की सराहना की

हरिभूमि न्यूज ⏩ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) म्युनिसिपालिका 2026 सम्मेलन में भाग ले रहा है, जो भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित हो रहा है। इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री, मनोहर लाल ने किया। एमसीडी प्रशासन ने बुधवार को यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि कार्यक्रम के दौरान, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री ने एमसीडी स्टॉल का दौरा किया और स्वच्छ, स्मार्ट एवं सतत दिल्ली के निर्माण हेतु एमसीडी की दूरदर्शी पहलों की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, लैंडफिल कूड़े के निस्तारण, स्वच्छता अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा बेहतर नागरिक सेवाओं हेतु तकनीक आधारित प्रशासनिक पहलों की प्रशंसा की। दिल्ली नगर निगम पवेलियन में निगम द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों एवं श्रेष्ठ प्रथाओं को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार, नागरिक सेवाओं का डिजिटलीकरण, शहरी अवसंरचना का उन्नयन तथा पारदर्शिता और दक्षता पर आधारित नागरिक-केंद्रित पहलें शामिल हैं।

एमसीडी से प्राप्त जानकारी के अनुसार सम्मेलन के दौरान एमसीडी के प्रतिनिधियों ने "शहरी योजना एवं सुधार" विषय पर एक तकनीकी सत्र भी प्रस्तुत किया, जिसमें एकीकृत शहरी नियोजन, सर्कुलर इकोनॉमी तथा ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस के तहत सुधारों पर एमसीडी की रणनीतिक दृष्टि प्रस्तुत की गई। म्युनिसिपालिका 2026 में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से एमसीडी ज्ञान-साझाकरण एवं सहयोगात्मक प्रयासों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है, ताकि दिल्ली को सतत शहरी विकास का एक आदर्श मॉडल बनाया जा सके।

बुराड़ी में गंदा व बदबूदार पानी आपूर्ति बना जी का जंजाल, लोग हो रहे है बीमार, डीजेबी मस्त

हरिभूमि न्यूज ⏩ नई दिल्ली

बुराड़ी विधानसभा अंतर्गत अनेक क्षेत्रों में गत कई दिनों से गंदा व बदबूदार पानी आपूर्ति किया जा रहा है जो उपभोक्ताओं के लिए जी का जंजाल बन रहा है। प्रधान इनकलेव के लगभग सभी ब्लॉकों में लंबे समय से जलापूर्ति के नाम पर गंदा, बदबूदार व प्रदूषित पानी आपूर्ति किया जा रहा है। लोगों का आरोप है कि पानी इतना गंदा है कि पीना तो दूर की बात है कपड़े बर्तन आदि धोने में भी काम लेने लायक नहीं है। कई स्थानीय लोगों का आरोप है कि जल बोर्ड द्वारा प्रधान इनकलेव में आपूर्ति किया जा रहा गंदा पानी प्रयोग करने से बीमार हो गए है। विनोद चौहान नामक निवासी का कहना है कि उनके यहां तो गत दो साल से पानी ही नहीं आता। स्थानीय निवासी शंकर दत्त पुजारी का कहना है कि वह गंदे पानी की शिकायत बार बार कर चुके है लेकिन जल बोर्ड के अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। स्थानीय आरडब्लूए के पूर्व प्रधान महेंद्र सिंह रजवार का भी कहना है कि मेरे घर में भी गंदा, बदबूदार पानी आता है। वहीं इस बारे में आरडब्ल्यूए जन कल्याण समिति के वर्तमान प्रधान राज किशोर बडोला ने कहा कि प्रधान एंक्लेव में गंदे पानी की समस्या को लेकर डीजेबी के स्थानीय विजेंद्र शर्मा से बात हुई है। बडोला का कहना है कि यमुना में अमोनिया की मात्रा अधिक बढ़ने के कारण यह समस्या पिछले दिनों से आ रही है, एक दो दिनों में समस्या का समाधान होने की आशा है। उन्होंने लोगों से कहा है कि अगर समस्या हल नहीं हुई तो दिल्ली जल बोर्ड के आला अधिकारियों से मिलकर समस्या समाधान हेतु बात करेंगे। वहीं बुराड़ी विधानसभा के आप विधायक संजीव झा के प्रतिनिधि रत्नाकर पांडेय का कहना है कि कालोनी में गंदे पानी की आपूर्ति का हमें पूरी जानकारी है और तीन दिनों से जल बोर्ड के अधिकारियों से इस विषय पर संपर्क बना हुआ है। उन्होंने कहा कि ए ब्लाक में गंदे पानी की समस्या के हल के लिए नजदीक ही बाबा कालोनी में जल बोर्ड अधिकारी लाइन को सुधारने का कार्य कर रहे है।

हमारी सरकार ने 365 दिनों में रखी है विकास की नींव : सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏩ नई दिल्ली

हमारी सरकार ने 365 दिनों में विकास की वह नींव रखी है जिस पर एक भव्य इमारत अगले चार सालों में बनने जा रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को अपने प्रवास के तीसरे दिन पूर्वी दिल्ली लोकसभा में जनता से विकास कार्यों पर की चर्चा के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मान सम्मान और अभिमान में हमने दिल्ली को संवारने का काम किया है और आज दिल्ली के किसी भी साधारण व्यक्ति से बात करेंगे तो आपका सिर गर्व से ऊंचा होगा। इस दौरान दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और क्षेत्रीय सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा मौजूद रहे। उन्होंने पूर्वी दिल्ली लोकसभा में जनता के बीच जाकर अपने एक वर्ष की उपलब्धियों और प्रस्तावित आगामी कार्यक्रमों के साथ पूर्वी दिल्ली लोकसभा में किए गए कार्यों पर विशेष रूप से पर चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने एक साल में जितने भी काम किए गए हैं, अब संगठन का दायित्व बनता है सरकार के कार्यों को घर-घर तक पहुंचाना। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने हमें सरकार और निगम दोनों जगह अपना आशीर्वाद दिया है कि इसलिए अब हमारे विधायक एवं निगम पार्षदों का दायित्व बनता है कि जनता की समस्याओं को लगातार सुने और उसके समाधान के लिए कार्य करें।

■ प्रवास के दौरान सीएम ने पूर्वी दिल्ली लोकसभा में विकास कार्यों पर की चर्चा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज दिल्ली में तीन इंजन की नहीं चार इंजन की सरकार है और वह चौथा इंजन है संगठन। संगठन ने जनता के हितो की लड़ाई करते हुए कितनी डंडे खाए हैं, उसका परिणाम है कि आज अपनी सरकार है। इसकी सभी खासियत है कि पहले की सरकार में मुख्यमंत्री कही नहीं जा पाते थे लेकिन आज मुख्यमंत्री जनता के बीच में है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में मैंने यह कोशिश की कि मैं ऐसा कोई कार्य नहीं करूं जिससे मेरा साथी कार्यकर्ता शर्मिंदा हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक एक वायदा जो हमने जनता से किया था उसको हमने पूरा करने का प्रयास किया है। भाजपा सरकार ने जितने कार्य पिछले एक साल में किए हैं उतने कार्य तो पिछली सरकार ने 11 वर्षों में नहीं किए हैं।

पूर्वी दिल्ली में हुए अनेकों कार्य : मल्होत्रा

केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली में आयुष्मान कार्ड बनाकर रेखा गुप्ता सरकार ने दिल्ली के खासकर बुजुर्गों को एक प्राणवायु देने का काम किया है। पूर्वी दिल्ली लोकसभा भी उससे अछूता नहीं है। पूर्वी दिल्ली में 29 नए जन औषधि केन्द्र खोले गए तो 11 अटल कैंटीन पूर्वी दिल्ली लोकसभा में खोले जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आश्रम-बदरपुर कॉरिडोर, कालिंदी कुंज सिग्नल-फ्री एलिवेटेड कॉरिडोर, डीएनडी-फरीदाबाद-सोहना कनेक्टिविटी कॉरिडोर, पंजाबी बाग-टिकरी बॉर्डर कॉरिडोर और महरौली-गुरुग्राम कॉरिडोर बनाकर केन्द्र सरकार ने दिल्ली में सड़कों का जाल बिछाने का काम कर रही है।

निगम सफाई कर्मियों ने आज किया कामबंद हड़ताल का ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के केशवपुरम जोन में ड्यूटी के दौरान तीन सफाई कर्मियों की अलग-अलग दुर्घटनाओं में मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। दिल्ली नगर निगम समस्त यूनियन कोर कमेटी ने क्षेत्रीय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार, 26 फरवरी 2026 से जोन के सभी वार्डों में कामबंद हड़ताल की घोषणा कर दी है। साथ ही उपायुक्त कार्यालय के बाहर न्याय मिलने तक अनिश्चितकालीन धरना देने का नोटिस भी सौंपा गया है। यूनियन के अध्यक्ष नरेश पिहाल और मुख्य संयोजक रामकुमार बिडलान द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि तीनों कर्मचारियों की आकस्मिक मृत्यु के लिए क्षेत्रीय निगम प्रशासन की घोर लापरवाही और अव्यवस्था जिम्मेदार है। यूनियन ने मांग की है कि मृतक कर्मचारियों के परिवारों को एक-एक स्थायी नौकरी दी जाए तथा एक करोड़ रुपये का मुआवजा प्रदान किया जाए।

'दिल्ली खादी कौशल विकास योजना' से 16 हजार से अधिक कारीगरों को बनाया जाएगा सशक्त : सिरसा

नई दिल्ली। 'दिल्ली खादी कौशल विकास योजना'से 16 हजार से अधिक कारीगरों को सशक्त बनाया जाएगा। इस बात की जानकारी दिल्ली के उद्योग मंत्री और दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को दी है। गौरतलब है कि दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड (डीकेवीआईबी) की 55वीं बोर्ड बैठक बुधवार को मुख्यालय में सिरसा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान बोर्ड ने 'दिल्ली खादी कौशल विकास योजना' के कार्यान्वयन हेतु औपचारिक रूप से प्रस्ताव पारित किया। इस योजना को पूर्व में रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली कैबिनेट द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है। बोर्ड को संबोधित करते हुए सिरसा ने कहा कि दिल्ली खादी कौशल विकास योजना एक व्यापक सशक्तिकरण पहल है। स्किल डेवलपमेंट, फाइनेंशियल सपोर्ट, टूल किट्स तथा ई-कैटलॉग के माध्यम से डिजिटल मार्केट एक्सेस को एकीकृत कर हम अपने कारीगरों को आत्मनिर्भर उद्यमी बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना वित्तीय वर्ष 2025–26 एवं 2026–27 के दौरान क्रमशः लागू की जाएगी। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विभिन्न ट्रेड्स को शामिल किया गया है, जिनमें रिकग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग, मर्चेंडाइज़र, डॉक्यूमेंटेशन एग्जीक्यूटिव, आईटी हेल्प डेस्क अटेंडेंट, सेल्फ-एम्प्लॉयड टेलर, पैटर्न मास्टर तथा फैशन क्लोदिंग प्रोडक्शन सम्मिलित हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य रोजगार क्षमता को बढ़ाना तथा खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र में स्वरोजगार को प्रोत्साहित करना है।

दयाल सिंह कॉलेज में पोटा क्लासरूम की छत गिरी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दयाल सिंह महाविद्यालय में एक बड़ा हादसा टला। महाविद्यालय के एक पोटा क्लासरूम की छत अचानक गिर गई। गनीमत यह रही कि उस समय कक्षा खाली थी, जिसके कारण कोई हताहत नहीं हुई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने बुधवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि एबीवीपी नीत दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) के अध्यक्ष आर्यन मान के साथ एबीवीपी का प्रतिनिधिमंडल मौके पर पहुँचा और कॉलेज प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

एआई युग में सहकारिता बनेगी आत्मनिर्भरता का आधार : इंद्राज

हरिभूमि न्यूज ⏩ नई दिल्ली

एआई युग में सहकारिता रोजगार और आत्मनिर्भरता का आधार बनेगी। सहकारिता हमारी परंपरा और सामाजिक व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा रही है। यह केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि व्यवहारिक व्यवस्था है। यह बात बुधवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित 'सहकार शक्ति डायलॉग' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहकारिता एवं समाज कल्याण विभाग मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कही। दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित इस विशेष संवाद का उद्देश्य महिला उद्यमियों, सहकारी संस्थाओं से जुड़ी प्रतिनिधियों तथा व्यवसाय की सोच रखने वाली महिलाओं को एक ऐसा मंच देना था, जहां वे सीधे सरकार से जुड़कर योजनाओं, फंडिंग और स्वरोजगार के अवसरों की स्पष्ट जानकारी प्राप्त कर सकें।Inकार्यक्रम में मंत्री इंद्राज ने कहा कि हिंदुस्तान की संस्कृति में नारी को सदैव उच्च स्थान दिया गया है और मातृशक्ति शब्द केवल सम्मान नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि महिला का योगदान केवल परिवार या समाज निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय निर्माण में भी उतना ही महत्वपूर्ण और निर्णायक रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा

■ दिल्ली सचिवालय में 'सहकार शक्ति डायलॉग' का आयोजन, सरकार और महिला उद्यमियों के बीच हुआ सीधा संवाद

कि यदि देश, समाज और आने वाले भविष्य को सशक्त बनाना है तो कॉपरेटिव सिस्टम को अपनाना ही पड़ेगा। उन्होंने एआई और नई तकनीकों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव दिखाई दे रहा है, जिससे कार्यप्रणाली बदल रही है और रोजगार के स्वरूप में भी परिवर्तन आ रहा है। ऐसे समय में सहकारिता ही वह माध्यम है जो सामूहिक शक्ति के आधार पर रोजगार और आत्मनिर्भरता को सुरक्षित कर सकती है। उन्होंने कहा कि जब लोग उतार-चढ़ाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे का हाथ थामते हैं, तो छोटी पहल भी बड़ी आर्थिक शक्ति में बदल सकती है। उन्होंने अमूल जैसे मॉडलों का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ महिलाओं से शुरू हुई पहल आज बड़े ब्रांड का रूप ले चुकी है, जो सहकारिता की ताकत का प्रमाण है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सहकारिता के लिए अलग मंत्रालय का गठन दूरदर्शी निर्णय है, और केंद्रीय स्तर पर अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण में सहकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के दौरान यह भी रेखांकित किया गया कि कई दिनों से मंत्रालय और व्यापारिक संगठनों के बीच संवाद चल रहा था कि महिलाओं के लिए मंत्रालय की कौन-कौन सी योजनाएं उपलब्ध हैं और वे उनका लाभ किस प्रकार उठा सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने मालवीय नगर में दुर्व्यवहार से पीड़ित नार्थ ईस्ट की महिलाओं से की मुलाकात, दिया पूर्ण सहयोग का आश्वासन

दिल्ली में नफरत और नस्लीय दुर्व्यवहार के लिए कोई स्थान नहीं : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏩ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मालवीय नगर में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं के साथ हुए नस्लीय दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की और कहा कि दिल्ली में नफरत, भेदभाव, डराने-धमकाने या नस्लीय दुर्व्यवहार के लिए कोई स्थान नहीं है। ऐसा व्यवहार पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इन पीड़ित महिलाओं से दिल्ली सचिवालय में

मुलाकात की और उन्हें पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि बुधवार को मेरी मुलाकात उत्तर-पूर्व के उन युवा बहनों से हुई, जो दिल्ली में हुई हालिया दुखद घटना से प्रभावित हुई हैं। वे बेहद साहसी और प्रतिभावान हैं और उनमें आगे बढ़ने का जज्बा है। मैंने उन्हें इस कठिन समय में अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि दिल्ली विविधता, सम्मान और आपसी गरिमा का शहर है। इस घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली में नफरत, भेदभाव, डराने-धमकाने या नस्लीय दुर्व्यवहार के लिए कोई स्थान नहीं है। ऐसा व्यवहार पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मेरा सभी से आग्रह है कि इस संवेदनशील मामले का राजनीतिकरण न करें। हमारे युवा छात्रों की गरिमा, सुरक्षा और भविष्य सबसे ऊपर होना चाहिए। मैं सभी संबंधित पक्षों से यह भी अनुरोध करता हूं कि वे इन युवा छात्रों और उनके परिवारों की निजता का सम्मान करें। हमें उन्हें वह स्थान, समर्थन और भरोसा देना चाहिए जिसकी उन्हें इस समय आवश्यकता है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने अपने एक वीडियो संदेश में कहा कि दिल्ली के मालवीय नगर में नॉर्थ ईस्ट की हमारी बहनों के साथ में कुछ लोगों द्वारा जो दुर्व्यवहार हुआ यह घटना मेरे संज्ञान में आई। मैं यह बात कहना चाहती हूं कि देश की राजधानी दिल्ली पर हम सब अलग अलग राज्यों से आए हुए लोगों का जितना अधिकारी है उतना ही मेरे नार्थ ईस्ट के भाई बहनों का अधिकार है। आज देश के सीमावर्ती राज्यों से वह लोग दिल्ली में आते हैं और अपना जीवन यापन करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और दिल्ली को गति देते हैं। कोई भी दुर्व्यवहार उनके साथ बर्दाश्त नहीं होगा। जिन्होंने ऐसा किया उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। मैं न केवल उन बहनों के साथ मिलूंगी बल्कि नार्थ ईस्ट की बाकी साथियों के साथ मिलकर उनकी समस्याओं भी सुनूंगी और समाधान भी दूंगी। किसी भी तरह की पॉलिसी की जरूरत हुई तो उसे भी बनाऊंगी। कोई समस्या हो या समाधान हो आप मुझे डायरेक्ट मैसेज कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रविवार को मालवीय नगर में तीन अरुणाचल प्रदेश की महिलाओं के किराए के अपार्टमेंट में एयर कंडीशनर की मरम्मत के दौरान ड्रिलिंग से धूल-मिट्टी नीचे गिरने पर पड़ोसी दंपति रूबी जैन और उनके पति हर्ष सिंह के साथ विवाद हुआ। मामला छोटा शुरू हुआ, लेकिन आरोप है कि दंपति ने महिलाओं पर नस्लीय गालियां बरसाईं, उन्हें मोमो कहकर चिढ़ाया, सेक्स वर्कर, मसाज पार्लर और धंधा जैसी अपमानजनक टिप्पणियां कीं, साथ ही अपने राज्य में जाओ जैसे शब्दों से धमकाया। वीडियो वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आया।

खबर संक्षेप

बैंक ने किया 583 करोड़ का सरकारी भुगतान

गुरुग्राम। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने चंडीगढ़ स्थित अपनी एक शाखा में हरियाणा सरकार के कुछ विभागों के खातों से जुड़े हालिया मामले पर कथित रूप से जाली दस्तावेजों और भुगतान निर्देशों को क्लियर करने में धोखाधड़ी की। बैंक ने तुरंत कदम उठाते हुए हरियाणा सरकार के संबंधित विभागों द्वारा दावा की गई मूल राशि और ब्याज का 100 प्रतिशत भुगतान कर दिया है।

अब्बास उर्फ बाबू मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

गाजियाबाद। स्वाट, टीम अपराध शाखा एवं थाना मसूरी पुलिस ने मंगलवार की रात में अनिल दुजाना व बलराम ठाकुर गैंग के सक्रिय सदस्य अब्बास उर्फ बाबू को पुलिस मुठभेड में गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली से यह बदमाश घायल हो गया। अब्बास मसूरी के एक ट्रान्सपोर्टर को जान से मारने की धमकी देकर रंगदारी वसूलने के मामले में फरार चल रहा था। विवेक सक्सेना ने बताया कि अवैध असलहा व चोरी की मोटर साईकिल बरामद की गई है।

निवेश के नाम पर 73.97 लाख की ठगी

फरीदाबाद। पुलिस ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 73,97,600 रुपये की ठगी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई साइबर थाना सेंट्रल फरीदाबाद की टीम ने 24 फरवरी को की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लक्की मेघवाल निवासी प्रतापगढ़ और कन्हैया लाल मेघवाल निवासी गांव रठांजना, इन्द्रा कॉलोनी,पुलिस प्रवक्ता के अनुसार सेक्टर-86 निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि उसे व्हॉट्सएप पर एक लिंक भेजा गया। लिंक पर क्लिक करने के बाद वह एक ग्रुप से जुड़ गया, जहां स्टॉक्स, प्री-आईपीओ और ब्लॉक डील में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया गया।

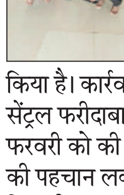

वन विभाग की टीम ने छह घंटे की मशक्कत के बाद दबोचा

गाजियाबाद के स्कूल में घुसा तेंदुआ, दिनभर मचा रहा हड़कंप, फैली रही दहशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

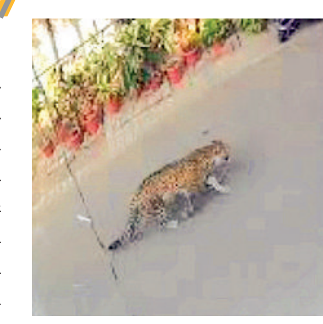
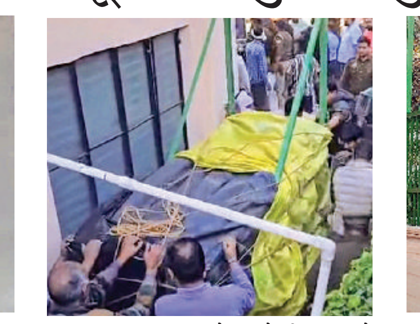

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में उस समय हड़कंप मच गया, जब एनडीआरएफ रोड स्थित ग्रीन फील्ड स्कूल परिसर में बुधवार की सुबह करीब छह बजे तेंदुआ घुस आया। तेंदुआ ने स्कूल की कक्षाओं में घुसने का प्रयास किया लेकिन दरवाजे बंद होने पर घुस नहीं पाया। तेंदुए ने स्कूल के मैदान में करीब दो मिनट तक चहलकदमी की। इसके बाद तेंदुआ स्कूल के बाथरूम में घुस गया। इस दौरान स्कूल के गार्ड ने स्कूल प्रशासन को इसकी जानकारी दी। स्कूल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे पकड़ लिया गया। टीम ने तेंदुए को भागने से रोकने के लिए जंगले को प्लाई से आधा बंद किया। इसके बाद दीवार में छेद कर उसे बेहोशी की दवा दी गई, जब जाकर उसे पकड़कर पिंजरे में बंद करके ले जाया गया। उधर इससे पहले ही स्कूल में आज बच्चों की छुट्टी घोषित कर दी गयी। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि आज सुबह सूचना मिली कि एनडीआरएफ रोड पर तेंदुआ मंगलवार की रात भी सीसीटीवी में कैद हुआ है। सुबह छह बजे ग्रीन फील्ड स्कूल परिसर में घुस आया और कुछ देर बाद दीवार फांदकर भाग गया। सुरक्षाकर्मी ने तेंदुआ को स्कूल में देख लिया और स्कूल प्रबंधन को सूचना दी गई। जिसके बाद बुधवार को आयोजित कक्षा 11वीं की परीक्षा निरस्त कर दी गई और अभिभावकों को मैसेज भेजकर बच्चों को स्कूल न भेजने की अपील की गई। उन्होंने बताया कि तत्काल की वन विभाग की टीम को बुलाया गया।

ड्रोन की भी सहायता ली गई

इस अभियान में स्कूल के तमाम दरवाजे बंद कर दिए गए। स्कूल में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आसपास के रास्तों पर जाल लगाया। एनडीआरएफ रोड पर बेरिकेडिंग लगाकर रूट डायवर्ट कराया गया। तेंदुआ स्कूल के एक बाथरूम में घुस गया था। वन विभाग की टीम ने तेंदुए को पकड़ने के लिए जाल लगाया। वन विभाग और पुलिस मौके पर तैनात की गई और स्थिति पर नजर रखी गई। अभियान के दौरान कमरे के बाथरूम में बंद तेंदुए को वन विभाग की टीम ने ट्रेंकुलाइजर गन से दो बार शूट किया गया। वन दरोगा ने बताया कि अभी तेंदुआ बेहोश नहीं हुआ । ऐसे में एक बार फिर बाथरूम की खिड़की का शीशा तोड़कर दो गन शॉट दागे गए हैं। बॉथरूम की दीवार में छेद कर बेहोशी की दवा लगाई गई। इसके बाद तेंदुआ पकड़ में आया। उधर स्कूल के चैयरमैन पृथ्वी सिंह ने बताया कि जिन बच्चों की परीक्षा आज नहीं हो सकी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बोर्ड परीक्षाओं की समीक्षा की, 80 केंद्रों पर हुई परीक्षा

अनियमितता पाए जाने पर तुरंत होगी सख्त कार्रवाई: डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा में शुरू हुई बोर्ड परीक्षाओं के शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संचालन को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्तों और पुलिस अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, गोपनीयता और अनुशासन में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्यालयों तक सीमित न रहकर स्वयं फील्ड में जाकर परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही धार्मिक आस्थाओं के सम्मान को दोहराते हुए कहा कि निर्धारित मानकों के तहत सिख विद्यार्थियों को कृपाण तथा महिलाओं को धार्मिक आभूषण पहनकर प्रवेश की अनुमति रहेगी, लेकिन सभी को समय से पहले पहुंचकर अनिवार्य सुरक्षा जांच करानी होगी। वीसी के बाद उपायुक्त एवं जिलाधीश आयुष सिन्हा ने जिले में कड़े प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी 80 परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए और संवेदनशील व अति-संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 25 फरवरी से 1 अप्रैल 2026 तक सेकेंडरी, सीनियर सेकेंडरी और डीएलएड परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। सभी परीक्षाएं दोपहर 12:30 से 3:30 बजे तक निर्धारित केंद्रों पर होंगी। 200 मीटर दायरे में प्रतिबंधः जिलाधीश ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के तहत विशेष आदेश जारी करते हुए परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। साथ ही फोटोकॉपी, फोटोस्टेट मशीनें और अन्य कॉपिंग उपकरणों के संचालन पर रोक रहेगी। नारेबाजी, धरना-प्रदर्शन और भीड़ एकत्रित करने जैसी गतिविधियां भी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगी। आदेश 1 अप्रैल 2026 तक प्रभावी रहेंगे।

80 केंद्रों पर हुई परीक्षा: 12वीं कक्षा की अंग्रेजी विषय की परीक्षा के साथ बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत हुई। छात्र-छात्राएं समय से पहले केंद्रों पर पहुंचे।

वर्तमान में वे अपने दाएं पैर के सहारे खड़े हो पा रहे हैं

उन्नत स्टेम सेल थेरेपी से 50 वर्षीय मरीज को दी नई जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

चिकित्सकों ने उन्नत स्टेम सेल थेरेपी से परिफेरल आर्टरी डिजीज से पीड़ित 50 वर्षीय मरीज को नई जिंदगी दी है। श्याम सुंदर पिछले तीन वर्षों से इस बीमारी से जूझ रहे थे। थेरेपी के बाद वे अपने दाएं पैर के सहारे खड़े हो पा रहे हैं और उनकी स्थिति स्थिर है। वरिष्ठ वैस्कुलर सर्जन डॉ. राजीव पारख ने बताया कि परिफेरल आर्टरी डिजीज से पीड़ित 50 वर्षीय श्याम सुंदर को डायबिटीज है। जनवरी 2024 में बाएं पैर की रक्त नलिकाओं में गंभीर रुकावट के कारण उन्हें घुटने के नीचे से अम्प्यूटेशन कराना पड़ा। इसके बाद जून 2025 में दाएं पैर में भी वही लक्षण उभरने लगे। जांच में पाया गया कि दाएं पैर में घुटने के नीचे 90 प्रतिशत से अधिक ब्लॉकेज था और पारंपरिक उपचार जैसे एंजियोप्लास्टी या बायपास सर्जरी से इसे खोला जाना संभव नहीं था। उन्होंने विस्तृत जांच के बाद मरीज को अलोगेनिक स्टेम सेल थेरेपी की सलाह दी। इस प्रक्रिया में बोन मैरो से प्राप्त स्टेम सेल्स का उपयोग किया गया। मरीज को एक ही सत्र में कुल 50 इंजेक्शन दिए गए और उन्हें केवल एक दिन के लिए अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। उपचार के लगभग 3 महीनों के भीतर मरीज को उल्लेखनीय सुधार महसूस होने लगा। वर्तमान में वे अपने दाएँ पैर के सहारे खड़े हो पा रहे हैं और उनकी स्थिति स्थिर है।

डॉ. राजीव पारख ने कहा कि परिफेरल आर्टरी डिजीज के उन्नत चरण में, जब पारंपरिक उपचार विकल्प सीमित हो जाते हैं, तब स्टेम सेल थेरेपी एक संभावित विकल्प के रूप में सामने आती है। सही समय पर हस्तक्षेप और उपयुक्त मरीज चयन से अंग बचाने की संभावना बढ़ाई जा सकती है। अस्पताल के अनुसार, अब तक ऐसे 20 मामलों में इस थेरेपी का उपयोग किया गया है, जिनमें लगभग 90 प्रतिशत सफलता दर दर्ज की गई है। इस अवसर पर मरीज ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि उनका दूसरा पैर भी जा सकता है तो वे मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुके थे।

विपक्ष की आवाज दवाने का प्रयासः प्रियंका अग्रवाल

फरीदाबादः विधानसभा घेराव से पहले कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ में तड़के 5 बजे पुलिस ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज अग्रवाल और महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव प्रियंका अग्रवाल को उनके सेक्टर-2 स्थित निवास पर हाउस अरेस्ट कर लिया। दोनों नेता हरियाणा कांग्रेस कमेटी द्वारा चंडीगढ़ में प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना होने वाले थे। सूत्रों के अनुसार, पुलिस बल सुबह ही उनके घर पहुंच गया और बाहर भारी संख्या में जवान तैनात कर दिए गए। दोनों नेताओं को घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन बताया है। मनोज अग्रवाल ने कहा कि वे शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन में भाग लेने जा रहे थे, लेकिन बिना किसी पूर्व सूचना के उन्हें नजरबंद कर दिया गया। प्रियंका अग्रवाल ने भी इसे अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस का तीखा विरोधः जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट करना संवैधानिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चंडीगढ़ जाने से रोक रही है। उनका कहना है कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन सरकार विपक्ष को दबाने की कोशिश कर रही है। कौशिक ने कहा कि प्रदेश में किसान, मजदूर, गरीब और युवा वर्ग परेशान हैं। गरीबों की पेंशन नहीं बन रही, बीपीएल कार्ड काटे जा रहे हैं और युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। उन्होंने नगर निगम में कथित घोटालों का भी मुद्दा उठाया और कहा कि भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं हो रही। जिला कांग्रेस कमेटी फरीदाबाद के संगठन महासचिव अशोक रावल ने भी पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेसी नेताओं को विधानसभा घेराव में जाने से रोकना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है और इससे सरकार की घबराहट साफ झलकती है।

समस्या समाधान की दिशा में बड़ा कदम

एनआईटी महिला पुलिस थाना बना जल-सुरक्षित संस्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

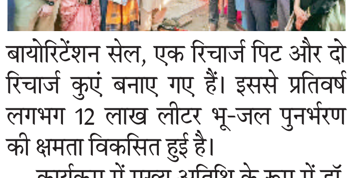

एनआईटी महिला पुलिस थाना परिसर में बार-बार होने वाले जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। यहां एक प्रकृति-आधारित वर्षा जल संचयन मॉडल का उद्घाटन किया गया, जिससे अब यह थाना वॉटर सिक्योर सार्वजनिक संस्थान के रूप में विकसित होगा।

यह पहल नवज्योति इंडिया फाउंडेशन ने जल शक्ति मंत्रालय के राष्ट्रीय जल मिशन के अनुरूप अपने सीएसआर कार्यक्रम के तहत एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के सहयोग से लागू की है। लेट नेचर लीड-ए कन्वर्जेंस ऑफ इंस्टीट्यूशन्स फॉर क्लाइमेट रेजिलिएंस विषय पर आयोजित कार्यक्रम में इस परियोजना का लोकार्पण किया गया। समन्वयक निदेशक डॉ. चांदनी बेदी ने बताया कि इस एकीकृत प्रणाली के तहत वर्षा जल को संग्रहित, फिल्टर और भू-जल में पुनर्भरण किया जाएगा। परियोजना में सेडिमेंटेशन-कम-फिल्ट्रेशन टैंक, दो गली ट्रैप, 67 मीटर लंबी नाली, 62 मीटर लंबा बायोरिटेंशन सेल, एक रिचार्ज पिट और दो रिचार्ज कुएं बनाए गए हैं। इससे प्रतिवर्ष लगभग 12 लाख लीटर भू-जल पुनर्भरण की क्षमता विकसित हुई है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. किरण बेदी उपस्थित रहीं। उनके साथ पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अभिषेक जोरवाल और कंपनी के एमडी एवं सीईओ दीपक पाटकर भी मौजूद रहे। डॉ. बेदी ने कहा कि यह मॉडल सार्वजनिक संस्थानों में जल सुरक्षा के लिए विस्तार योग्य उदाहरण है। सहायक पुलिस आयुक्त विनोद कुमार ने बताया कि इस संरचना से थाना परिसर में जलभराव की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी और स्वच्छता व सुरक्षा बेहतर होगी। कार्यक्रम में मानव रचना यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. निधि डीडवानिया और श्रीराम मॉडल स्कूल की प्राचार्य डॉ. अमृता ज्योति सिंधु ने भी विचार साझा किए।

हंसी, रंगों और उत्साह से सराबोर एक सुंदर उत्सव रहा

इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल में किड फेस्ट बचपन 2026 का हर्षोल्लास के साथ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल, प्रताप विहार, गाजियाबाद में बचपन 2026 का उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। 3 से 5 वर्ष आयु वर्ग के नन्हे बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए आयोजित यह कार्यक्रम बचपन की मासूमियत, हँसी, रंगों और उत्साह से सराबोर एक सुंदर उत्सव रहा। विद्यालय परिसर प्रातः काल से ही उत्सवमय वातावरण से सजा हुआ था, नन्हे-मुन्नों ने आत्मविश्वास के साथ मनमोहक रैंप वॉक और आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने दौड़ प्रतियोगिताओं, मनोरंजक खेलों, टैटू निर्माण, चित्रांकन एवं रंग भरने जैसी गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी

देर रात हाईवे पर दर्दनाक हादसा बचपन के दो दोस्तों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मंगलवार देर रात हाईवे पर गांव झाड़सेंतली के पास हुए भीषण सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां एक झटके में छीन लीं। मोटरसाइकिल सवार दो बचपन के दोस्तों की अज्ञात तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दोनों दम तोड़ चुके थे।

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान 25 वर्षीय शगुन और निशांत के रूप में हुई है। दोनों नजफगढ़ के प्रेम नगर कॉलोनी के निवासी थे। निशांत मूल रूप से अलीगढ़ के बिलोना गांव का रहने वाला था, लेकिन बचपन से ही अपने मामा नवीन के पास नजफगढ़ में रह रहा था। मामा नवीन ने बताया कि निशांत एक प्रॉपर्टी डीलर की कार चलाता था और परिवार की जिम्मेदारी निभा रहा था। वहीं शगुन ने हाल ही में ग्रेजुएशन पूरी की थी और भविष्य को लेकर कई सपने संजोए हुए था। परिजनों के अनुसार मंगलवार रात निशांत अलीगढ़ जाने के लिए निकला था। उसने अपने दोस्त शगुन को भी साथ चलने को कहा। दोनों हेलमेट पहने हुए थे और हाईवे से होकर गुजर रहे थे। तभी झाड़सेंतली के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। निशांत के छोटे भाई मोहित ने बताया कि हादसे से कुछ देर पहले ही भाई का फोन आया था। उसने मां से कहा था, खाना बनाकर रखो, दोस्त के साथ घर पहुंच रहा हूं। परिवार इंतजार करता रहा, लेकिन कुछ देर बाद हादसे की सूचना ने सब कुछ बदल दिया। निशांत की मां उस समय अलीगढ़ में थीं। बेटे की मौत की खबर मिलते ही वह बेसुध हो गईं। निशांत की शादी को अभी एक साल ही हुआ था। दो फरवरी को उसने अपनी पहली शादी की सालगिरह मनाई थी। उसके पिता खेती-बाड़ी करते हैं, दूसरी ओर शगुन अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी एक छोटी बहन है। बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां दोनों का एक साथ पोस्टमार्टम किया गया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए गए। अंतिम संस्कार के दौरान माहौल बेहद गमगीन रहा। दोनों दोस्तों की अर्थियां एक साथ उठीं तो हर आंख नम हो गई।

धौजः खाई में गिरी थार, स्टंट के दौरान 15 वर्षीय किशोर की मौत, दो घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

धौज थाना क्षेत्र स्थित गांव सिरोही के पहाड़ी इलाके में मंगलवार दोपहर स्टंट के दौरान थार कार खाई में गिरने से 15 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब गाड़ी खाई के किनारे खड़ी कर फोटो और वीडियो बनाए जा रहे थे।

मृतक की पहचान सोहन उर्फ वेदांत बाबू (15) के रूप में हुई है, जो नौवीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता प्रमोद एक निजी उद्योग में कार्यरत हैं और परिवार करनेरा की बालाजी कॉलोनी में रहता है। बेटे की असमय मौत से परिवार में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कार चला रहा 20 वर्षीय विकास और 16 वर्षीय हेमंत घायल हो गए। दोनों का इलाज धौज स्थित अलफलाह अस्पताल में चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सोहन के शव को पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि विकास के परिवार ने करीब एक महीने पहले ही थार गाड़ी खरीदी थी।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	एचएसएएमबी रोहतक	अनाज मण्डी डबवाली में शमशान घाट के साथ लगती खाली पड़ी हुई 9 एकड़ भूमि में नियंत्रण कक्ष 15×18 का निर्माण और सर्विस लाइन, हाई मास्ट लाइटिंग स्थापना का प्रावधान (सी.एम. घोषणा कोड नं. 20379)	24.02.2026 05.03.2026	ईएमडी रु. 93,200/-	https://etenders.hry.nic.in	9812100311 [illegible]

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/40/43326/1/88/7 दि. 25.02.26

आभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उदघोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रवि उर्फ मंकी पुत्र अमरजीत निवासी ई-35, कैंप नं. 02, नांगलोई, दिल्ली** ने केस एफआईआर सं. **689/2022, अन्तर्गत धारा 392/34/ 411 आईपीसी, थाना राज पार्क, बाहरी जिला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रवि उर्फ मंकी** मिल नहीं रहा/रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रवि उर्फ मंकी** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस एफआईआर सं. **689/2022, अन्तर्गत धारा 392/34/411 आईपीसी, थाना राज पार्क, बाहरी जिला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रवि उर्फ मंकी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.03.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री ईब्बानी अग्रवाल
एलडी न्यायिक मजिस्ट्रेट-प्रथम श्रेणी-03
(उ.-प.) कमरा नं. 107, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2435/OD/2026
(Court Matter)

बिना अनुमति के विज्ञापन बोर्ड पर निगम का शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

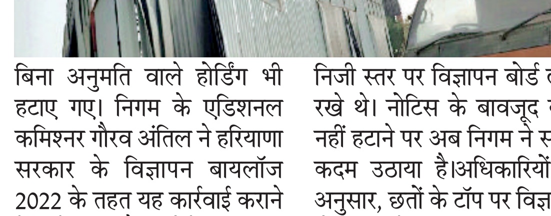

नगर निगम फरीदाबाद ने बिना अनुमति के लगाए गए विज्ञापन बोर्डों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। शहर की इमारतों और मकानों की छतों पर अवैध रूप से लगाए गए बोर्ड और होर्डिंग हटाने की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

निगम की टीम ने करीब आधा दर्जन से अधिक व्यावसायिक संस्थानों, दुकानदारों और सेक्टरों के मकानों से विज्ञापन बोर्ड हटाए हैं। खास तौर पर वर्ल्ड स्ट्रीट और उसके आसपास के क्षेत्र में लगे बिना अनुमति वाले होर्डिंग भी हटाए गए। निगम के एडिशनल कमिश्नर गौरव अंतिल ने हरियाणा सरकार के विज्ञापन बायलॉज 2022 के तहत यह कार्रवाई कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि पहले ऐसे सैकड़ों भवन मालिकों को नोटिस जारी किए गए थे, जिन्होंने अपनी इमारतों की छतों पर निजी स्तर पर विज्ञापन बोर्ड लगा रखे थे। नोटिस के बावजूद बोर्ड नहीं हटाने पर अब निगम ने सख्त कदम उठाया है।अधिकारियों के अनुसार, छतों के टॉप पर विज्ञापन बोर्ड लगाने की अनुमति नहीं दी जाती। निगम क्षेत्र में दुकान या फर्म के नाम का बोर्ड भी नियमानुसार ही लगाया जा सकता है। दुकानदार अपने प्रतिष्ठान के फ्रंट के केवल दो प्रतिशत हिस्से तक बिना अनुमति बोर्ड लगा सकते हैं। इससे बड़ा बोर्ड लगाने के लिए पंजीकरण और अनुमति आवश्यक है।

गौरव अंतिल ने बताया कि यदि निगम द्वारा अवैध बोर्ड हटाए जाते हैं तो उसका खर्च संबंधित भवन मालिक से वसूला जाएगा। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा के दिशा-निर्देश पर विज्ञापन विभाग और जेई अंकित गोयल की टीम द्वारा सर्वे जारी है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **सुरजीत सिंह उर्फ लाला, पुत्रः स्वर्गीय श्री महेंद्र सिंह, निवासीः 551 ए-ब्लॉक, शाहबाद डेयरी, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.796/2015 / Cases No.339/2017 U/S 33 दिल्ली उत्पाद शुल्क अधिनियम** के तहत एक मामला **थाना कंझावला, रोहिणी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **सुरजीत सिंह उर्फ लाला** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **सुरजीत सिंह उर्फ लाला** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.796/2015 / Cases No.339/2017 U/S 33 दिल्ली उत्पाद शुल्क अधिनियम, थाना कंझावला, रोहिणी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **सुरजीत सिंह उर्फ लाला** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **07.04.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, अपूर्व भारद्वाज
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-02,
कोर्ट नंबर 113, प्रथम मंजिल,
उत्तर पश्चिम जिला, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2446/RD/2026
(अदालती मामला)

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, सोनीपत।

DD.NO. 21 दिनांक 24.02.2026 धारा 194 बी.एन.एस एस. थाना सेक्टर 27 जिला सोनीपत ।

नाश की पहचान

नाम- नामपता नामालूम ।
पिता का नाम नामालुम ।
पता-नामालुम ।
उम्र करीब 50 वर्ष ।
कद 5 फुट 7 ईन्च ।
हुलियाः- रंग गेहुआ, लम्बुतरा चेहरा, पतला शरीर, मुँह खुला हुआ, आखें बंद, सफेद बाल हैं।
पहनावाः- ग्रे रंग की शर्ट व नीले रंग का कोट भुरे रंग की पजामी, पैरों में चमड़े की काले रंग की जूती पहने हुए है।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 24.02.2026 को एक नामपता नामालुम व्यक्ति की नाश प्रसुति विभाग, सिविल हस्पताल सोनीपत के बाथरुम में मिली है। नाश की शिनाख्त नहीं हो सकी है। नाश को शिनाख्त के लिए डैड हाऊस के सरकारी हस्पताल की मोचरी में 72 घंटों के लिए रखवाया गया है। अगर किसी को उपरोक्त नाश के बारे कोई सुराग मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करे।

प्रबन्धक थाना मो० न0-7419410535
अनुसंधान कर्ता नो0 न०- 9017611376
पुलिस कन्ट्रोल रुम सोनीपत- 0130-2222903

अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त
मुख्यालय, सोनीपत।

पीआरडीएच 1084/11/4506/2026/43329/88/7 दि. 25.02.2026

‘मसान की होली’ पर घमासान, डोम राजा ने दी दाह संस्कार रोकने की चेतावनी

मणिकर्णिका घाट पर दशकों से मसान की होली मनाई जा रही है, लेकिन इस बार यह विवादों में घिर चुकी है। डोम राजा परिवार ने इस शास्त्रों के खिलाफ बताते हुए पर्व पर रोक लगाने की मांग की

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित मणिकर्णिका घाट पर दशकों से मनाई जा रही 'मसान की होली' इस साल विवादों में घिर गई है। काशी के डोम राजा परिवार के वंशज विश्वनाथ चौधरी ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए इस आयोजन पर रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि, यह परंपरा शास्त्रसम्मत नहीं है, जो श्मशान की गरिमा को नुकसान पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि, यदि आयोजन नहीं रोका गया तो वे महाश्मशान में में दाह संस्कार रोकने को बाध्य होंगे। उनके ज्ञापन सौंपने के बाद प्रशासन असमंजस की स्थिति में है।

मसान की होली पर बवाल!

क्या है मसान होली की परंपरा?

मान्यताओं के मुताबिक, भगवान शिव विवाह के पश्चात रंगभरी एकादशी पर माता गौरी को काशी लाए थे। पौराणिक कथाओं के मुताबिक शिव के गण बारात में नहीं जा सके, जिससे वे आहत हुए। उनकी इच्छा पूरी करने के लिए महाश्मान में चिता की राख से होली खेलने की परंपरा शुरू हुई। बीतते समय के साथ अघोरी और तांत्रिक परंपराओं से जुड़ा यह आयोजन विस्तार होते चला गया। साल 2009 के बाद बाबा महाश्मशान मंदिर मैनेजमेंट कमेटी के प्रशासक गुलशन कपूर ने इसे व्यवस्थित रूप दिया, जिसके बाद यग आयोजन देश के साथ विदेश में भी काफी चर्चा में रहा। हर साल हजारों लोग इस भव्य नजारे को देखने के लिए पहुंचते हैं, जिसका पंचांगों में भी उल्लेख है।

मसाना की होली पर विरोध के तर्क

विश्वनाथ चौधरी के मुताबिक, मसाना की होली का स्पष्ट रूप से कोई धार्मिक आधार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, आयोजन के दौरान नशे में धुत लोग हंगामा करते हैं, शवों के समक्ष अनुचित व्यवहार करने के साथ महिलाएं व नाबालिग वीडियो बनाते नजर आते हैं, जिससे श्मशान की पवित्रता भंग होती है। श्री काशी विधिवत परिषद के संगठन मंत्री प्रो. विनय कुमार पांडे ने इसे शास्त्रों के खिलाफ बताया है. उन्होंने कहा कि, शास्त्रों में महिलाओं और बच्चों को श्माशान घाटों में प्रवेश वर्जित माना गया है।

आयोजकों ने मसाना होली पर क्या कहा?

वहीं आयोजन से जुड़े गुलशन कपूर ने तर्क देते हुए कहा कि, काशी खुद अपने आप में महाश्मशान है, जहां मौत को भी उत्सव के रूप में देखा जाता है। उनके मुताबिक, वेद और शास्त्रों के साथ-साथ तंत्र और अघोर परंपराओं में भी इसकी मान्यताएं हैं, जिस नजरिए से यह आयोजन सही है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि, जब अन्य घाटों पर होने वाले आयोजनों में डोम राजा परिवार की भागीदारी होती है, तो यहां किस बात का विरोध किया जा रहा है। फिलहाल काशी का प्रशासन दोनों ही पक्षों की दलीलों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश में है, जबकि मसाना की होली को लेकर बहस तेज होते जा रही है।

खबर संक्षेप

दो बाइकों की भिड़ंत में दो की मौत

अमेठी। यूपी के अमेठी में बुधवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। शुकुल थाना क्षेत्र के फुंदनपुर के पास माइनर पुलिया के पास हुआ। पूरे जबर निवासी योगेंद्र सिंह किशनी अलाउद्दीन हादसे का शिकार हुए। अलाउद्दीन के पिता मोहम्मद अजीज ने बताया कि वह मंगलवार को देहरादून से घर आया था।

आईएसबीटी से मलाही पकड़ी तक दौड़ेगी मेट्रो

पटना। आईएसबीटी से मलाही पकड़ी के बीच पहली बार गुरुवार को मेट्रो दौड़ेगी। इसी कारण

गुरुवार को आईएसबीटी से भूतनाथ तक आम लोगों के लिए मेट्रो का परिचालन बंद रहेगा। परिचालन शुक्रवार से पुनः बहाल हो जाएगा। ट्रायल सफल होने के बाद कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) का निरीक्षण होगा। इसके बाद मार्च के दूसरे सप्ताह में मलाही पकड़ी तक मेट्रो का परिचालन आम लोगों के लिए शुरू कर दिया जाएगा।

एलएलएम छात्र की संदिग्ध मौत

पटना। पटना के चाणक्य लॉ कॉलेज के एलएलएम फाइनल ईयर के छात्र मयंक राज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मयंक

मूल रूप से झारखंड के रांची जिले के खलारी थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। वे कॉलेज के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। मंगलवार को हॉस्टल कर्मियों ने उन्हें कमरे में फंदे से लटका पाया। तुरंत उन्हें नीचे उतारकर इलाज के लिए मेदांता अस्पताल ले जाया गया। दोपहर बाद इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

निवेश का सबसे सुरक्षित ठिकाना बना यूपी

जापान में गूंजी यूपी के ‘मेगा ट्रांसफॉर्मेशन’ की धमक, निवेशकों ने माना सफलता हासिल की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में टोक्यो में आयोजित यूपी निवेश रोड शो एक बड़ी वैश्विक सफलता रहा। अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनियों ने उत्तर प्रदेश को 'ग्रोथ इंजन' और निवेश के लिए सबसे भरोसेमंद स्थान बताया। मारुति सुजुकी और स्पार्क मिंडा ने राज्य की कानून-व्यवस्था, वित्तीय अनुशासन और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की सराहना की। नए निवेश से हजारों रोजगार सृजित होंगे, जिससे यूपी एक सशक्त मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

जापान की राजधानी टोक्यो में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में आयोजित यूपी निवेश रोड शो उत्तर प्रदेश के लिए एक बड़ी वैश्विक सफलता के रूप में उभरा है। इस कार्यक्रम में देश-विदेश की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनियों के नेतृत्व ने एक सुर में स्वीकार किया कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश का ₹ग्रोथ इंजन₹ के रूप में उदय हुआ है। उद्योग जगत के दिग्गजों ने राज्य की कानून-व्यवस्था, वित्तीय अनुशासन और ₹वाइब्रेंट पॉलिसी इकोसिस्टम₹ को निवेश के लिए सबसे भरोसेमंद कारक बताया।

मारुति सुजुकीः यूपी अब हर क्षेत्र में नंबर-वन

मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर राहुल भारती ने राज्य के औद्योगिक सफर की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी ने 'मेगा ट्रांसफॉर्मेशन' देखा है। नीतिगत सफलताः यूपी की इलेक्ट्रिक और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वाहन नीति ने राज्य को देश में शीर्ष पर पहुँचा दिया है, और वह भी बिना सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाए। बहुआयामी विकासः आज उत्तर प्रदेश मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, एक्सप्रेसवे नेटवर्क, एथेनॉल उत्पादन और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में देश का नेतृत्व कर रहा है। टोक्यो रोड शो ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उत्तर प्रदेश अब केवल एक उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एक सशक्त मैन्युफैक्चरिंग हब बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस दौरे ने जापानी कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश की नई राहें खोल दी हैं, जिससे राज्य की ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में गति और तेज होगी।

मजबूत कानून-व्यवस्था और तेज फैसले

राहुल भारती ने यूपी के पॉलिसी सिस्टम को वाइब्रेंट पॉलिसी इकोसिस्टम बताया. उनका कहना था कि मजबूत कानून-व्यवस्था, तेजी से फैसले लेने की क्षमता और योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन निवेशकों को भरोसा देता है. उन्होंने यह भी बताया कि सुब्रोस और स्पार्क मिंडा जैसी ऑटो कंपोनेंट कंपनियों की सक्रिय मौजूदगी ने यूपी के ऑटोमोबाइल इकोसिस्टम को और मजबूत किया है। इससे सप्लाई चेन भी मजबूत हुई है और नई कंपनियों के लिए रास्ता आसान हुआ है।

45 दिन में जमीन आवंटन, 4000 नौकरियों का रास्ता

आकाश मिंडा ने यह भी बताया कि स्पार्क मिंडा की यूपी में 14 से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स पहले से चल रही हैं जहां 6000 से अधिक लोग काम कर रहे हैं। इनमें 500 से ज्यादा दिव्यांगजन भी शामिल हैं। उन्होंने खास तौर पर यीडा क्षेत्र में करीब 2 लाख वर्गमीटर जमीन के आवंटन का जिक्र किया, जो महज 45 दिनों में पूरा हो गया। यह उदाहरण राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रफ्तार और पारदर्शिता को दिखाता है. कंपनी ने ऐलान किया कि वह इलेक्ट्रॉनिक्स बैकवर्ड इंटीग्रेशन, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और इलेक्ट्रिक व्हीकल मोबिलिटी के क्षेत्र में निवेश करेगी. इससे अगले 2–3 साल में 3000 से 4000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे।

मंत्री ने लिखा- भगवान सद्बुद्धि दे

बीएसपी विधायक के घर छापा, मंत्री दिनेश प्रताप ने जताई नाराजगी

राजधानी में बीएसपी विधायक के घर इनकम टैक्स टीम का छापा पड़ा है। 50 से अधिक अफसर पुलिस के साथ जांच कर रहे हैं। इस पर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कड़ी नाराजगी जताई

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में बुधवार को बीएसपी विधायक उमाशंकर सिंह के घर इनकम टैक्स की टीम ने छापा मारा। उमाशंकर सिंह बीएसपी के इकलौते विधायक हैं। वह कैंसर से पीड़ित हैं। दो बार उनका ऑपरेशन हो चुका है। लखनऊ स्थित आवास में वह आइसोलेशन में रहते हैं। आयकर विभाग की इस कार्रवाई पर योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने नाराजगी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के घर मेरी बेटी ब्याही है। उनके घर में आज आयकर विभाग की टीम छापा मार रही है।

देश-प्रदेश के राजनेता, आयकर सहित सभी संस्थाओं को पता है कि उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में उनके लिए धनार्जन नहीं सांसें बचाने में ही सारा समय और धन व्यय हो रहा है। सभी व्यवसाय लगभग बंद हो गए हैं। आज अपने आवास में आइसोलेशन में रह रहे हैं। आयकर विभाग की इस कार्रवाई पर योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने नाराजगी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के घर मेरी बेटी ब्याही है। उनके घर में आज आयकर विभाग की टीम छापा मार रही है। देश-प्रदेश के राजनेता, आयकर सहित सभी संस्थाओं को पता है कि उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में उनके लिए धनार्जन नहीं सांसें बचाने में ही सारा समय और धन व्यय हो रहा है। सभी व्यवसाय लगभग बंद हो गए हैं। आज अपने आवास में आइसोलेशन में रह रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि विधानसभा का सत्र एक विधायक के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन एक घंटे के लिए भी नहीं जा सके। इस समय उनके घर पर नर्स या डॉक्टर को भी जाने की अनुमति नहीं है। यदि उनके जीवन को कोई हानि होती हैं तो ये संवेदनहीन संस्थाएं जिम्मेदार होंगी। इस प्रकार की परिस्थितियों में दुर्लभतम अपराधों में भी माननीय न्यायालय दया के आधार पर याचिका स्वीकार करके दोष मुक्त कर देते हैं। किंतु, इस कठिन दौर में भी कौन संवेदनहीन राजनेता या संस्था हो सकती हैं जो ऐसी परिस्थितियों में भी पीड़ा देने की सोच सकता है। प्रभु ऐसे लोगों को और संस्थाओं को सद्बुद्धि दे।

पेज एक का शेष....

मध्य-पूर्व में तनाव के...

दूसरा संस्करण होगा। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

2024 में हुई ‘सदा तनसीक’ की शुरुआत : गौरतलब है कि सदा तनसीक युद्धाभ्यास की शुरुआत भारत और सऊदी के बीच वर्ष-2024 में हुई थी। उस वक्त इसका पहला संस्करण (29 जनवरी से 10 फरवरी 2024 तक) पाकिस्तान से लगी हुई देश की पश्चिमी-सीमा के करीब स्थित राजस्थान की महाजन रेंज में आयोजित किया गया था। दोनों देशों के कुल 90 सैन्यकर्मियों ने युद्धाभ्यास में भाग लिया था। जिसमें 45 रक्षा कर्मियों वाले सैन्यदल का नेतृत्व रॉयल सऊदी लैंड फोर्स द्वारा किया गया। जबकि भारतीय सेना की ब्रिगेड ऑफ द गार्ड्स (मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री) की बटालियन की एक 45 सदस्यीय सैन्य टुकड़ी युद्धाभ्यास में शामिल हुई थी। युद्धाभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय-7 के तहत अर्ध- रेगिस्तानी इलाके में संयुक्त अभियानों के लिए दोनों देशों के सैनिकों को प्रशिक्षित करना था।

ऑपरेशन सिंदूर वाले हथियार भी होंगे : सूत्रों ने कहा कि इन सभी देशों के साथ होने वाले युद्धाभ्यासों में भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रयोग किए गए स्वदेशी हथियारों (आकाश तीर व अन्य) के साथ-साथ अन्य सैन्य तकनीक भी देखने को मिलेगी। विदेशी सैनिकों को भारतीय हथियारों को देश की सेनाओं के सामने प्रयोग करने का मौका भी मिलेगा। जबकि कुछ स्वदेशी सैन्य सामग्री उन्हें प्रदर्शित की जाएगी।

हमास का आतंकी हमला...

यात्रा के तहत पीएम मोदी 25 फरवरी को इजरायल की राजधानी तेल अवीव पहुंचे हैं। वह देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं, जिन्हें इजरायल की संसद में भाषण देने का सम्मान मिला है। अपने भाषण में इसे लेकर प्रसन्नता जाहिर की।

रास्ता कठिन लेकिन उम्मीद बनाए रखें : पीएम ने अब्राहम समझौते का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ साल पहले जब ये समझौता हुआ था। तब हमने आपके साहस और विजन दोनों की सराहना की थी। ये एक प्रकार से लंबे वक्त से मुश्किल दौर से गुजर रहे इस क्षेत्र के लिए उम्मीद की एक नई किरण बनकर उभरा था। लेकिन उसके बाद हालात काफी तेजी से बदले हैं। अब रास्ता और अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण हो गया है। लेकिन इन सबके बीच उम्मीद को बनाए रखना बेहद जरूरी है।

गाजा शांति योजना को भारत का समर्थन : उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा स्वीकार की गई गाजा शांति योजना के कदम को भारत अपना पूर्ण समर्थन प्रदान करता है। हमें विश्वास है कि इस पूरे क्षेत्र में रहने वाले आम लोगों के लिए दीर्घकालिक व स्थायी शांति के अपने वादे को इसके जरिए पूरा किया जाएगा। जिसमें फिलिस्तीन के मुद्दे पर भी ध्यान दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आह्हान किया कि आइए हमारे सभी प्रयास ज्ञान, साहस और मानवता के दिशानिर्देशन में तैयार किए जाने चाहिए। शांति का रास्ता हमेशा आसान नहीं होता है। लेकिन भारत आपके और बाकी दुनिया के साथ इस क्षेत्र में संवाद, शांति और स्थिरता के लिए मजबूती से खड़ा है।

2 हजार साल पुराना संबंध : उन्होंने कहा कि भारत और इजरायल दोनों प्राचीन सभ्यताएं हैं। हमारा आपके देश के साथ त्याग और बलिदान का पुराना नाता है। प्रथम विश्व युद्ध में इस क्षेत्र में करीब चार हजार से अधिक भारतीय सैनिकों ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया है। हाइफा की लड़ाई की सैन्य इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। भारत ने अपनी आजादी के बाद से ही इजरायल और उसकी कार्यप्रणाली की प्रशंसा की है। बीते कुछ सालों में भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गया है। आज हम इस मामले में तीसरे पायदान पर पहुंचने जा रहे हैं। इस दौर में ही इजरायल नवाचार और तकनीकी नेतृत्व का पावरहाउस बनकर उभरा है। ये अपने आप में एक आगे बढ़ने वाली साझेदारी की प्राकृतिक नींव के समान है। दोनों देश अपने व्यापार, निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर भागीदारी को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने ये भी कहा कि भारत का वसुधैव कुटुंबकम का सिद्धांत पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में मानता है। जो कि सीमाओं से परे भी अपनी जिम्मेदारियों को समझने का प्रतीक है। इजरायल की सोच भी इस सिद्धांत के मामले में भारत से मेल खाती है। नैतिक जीवन हमारे कदमों के जरिए आगे बढ़ता है और हमारे आचरण के जरिए हमारा विश्वास झलकता है।

दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच...

जब बीते दिनों भारत ने संयुक्त राष्ट्र में लाए गए एक प्रस्ताव के संबंध में इजरायल के ‘वेस्ट बैंक विस्तार’ को लेकर उसकी निंदा की थी और फिलिस्तीन का द्विराष्ट्र समाधान के साथ बने हुए अपने पूर्व पक्ष के साथ समर्थन किया था। यह प्रधानमंत्री की दूसरी इजरायल यात्रा है। पूर्व में 2017 में उन्होंने पहली बार इजरायल का दौरा किया था और उस वक्त दोनों देशों ने अपने संबंधों को और आगे बढ़ाते हुए उन्हें विशेष रणनीतिक साझेदारी में तब्दील किया था। पीएम के इजरायल पहुंचने पर भारतीयों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। जिसमें खासकर छात्र काफी उत्साहित नजर आए।

दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक : इजरायल पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच एक अहम द्विपक्षीय बैठक भी हुई। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों के अलावा क्षेत्र में जारी महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के मुद्दे पर भी चर्चा की गई है। बैठक को लेकर पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 9 साल बाद इजरायल लौटना बेहद खुशी की बात है। इजरायल के पीएम नेतन्याहू के साथ बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से कई विषयों पर चर्चा की गई है। दोनों देशों के बीच प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, कृषि, प्रतिभा साझेदारी जैसे तमाम क्षेत्रों में काफी संभावनाएं मौजूद हैं। हमारी वार्ता में क्षेत्र में चल रहे जरूरी घटनाक्रमों के मामले पर भी चर्चा की गई है। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में इजरायली प्रधानमंत्री के साथ हुई मुलाकात को अच्छी बताते हुए उनके गर्मजोशी से भरे स्वागत के लिए आभार जताया। साथ ही लिखा कि मेरे मित्र, प्रधानमंत्री नेतन्याहू द्वारा दिए गए हार्दिक स्वागत से मैं अत्यंत प्रभावित हुआ हूं। दोनों देशों की मित्रता और अधिक मजबूत होती रही।

सामरिक साझेदारी के लिए बनेंगे नए लक्ष्य : वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने 25 फरवरी की सुबह इजरायल रवाना होने से पहले दिए अपने वक्तव्य में कहा कि 25 से 26 फरवरी तक होने वाली उनकी ये यात्रा दोनों देशों के बीच स्थायी संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करेगी। सामरिक साझेदारी के लिए नए लक्ष्य निर्धारित होंगे। जो कि एक सुदृढ़, नवोन्मेषी और समृद्ध भविष्य के लिए हमारे साझा विजन को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, यात्रा के दौरान मैं, इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात करूंगा। साथ ही मुझे इजरायल की संसद 'केनेस्सेट' को संबोधित करने वाला भारत का पहला प्रधानमंत्री बनने का सम्मान भी मिलेगा। जो हमारे देशों को जोड़ने वाले सुदृढ़ संसदीय और लोकतांत्रिक संबंधों के प्रति भी किसी सम्मान से कम नहीं होगा।

संबंधों में हुई उल्लेखनीय प्रगति : पीएम ने ये भी कहा कि भारत और इजरायल के बीच एक सुदृढ़ और बहुआयामी सामरिक साझेदारी है। जिसमें हालिया वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति और मजबूती देखने को मिली है। मैं, प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ रक्षा-सुरक्षा, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, प्रौद्योगिकी, व्यापार-निवेश, दोनों देशों की आम जनता के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने के उद्देश्य को लेकर अपनी चर्चाओं की प्रतीक्षा कर रहा हूं। हमारी बातचीत में साझा हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

अमेरिका ने भारत के साथ...

मैं नहीं होता तो पाकिस्तान के साढ़े 3 करोड़ लोगों के साथ पीएम शहबाज मारे जातेः ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को लेकर कई सनसनीखेज दावे किए हैं। मंगलवार रात राष्ट्र को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनके हस्तक्षेप के कारण ही भारत और पाकिस्तान के बीच एक विनाशकारी परमाणु युद्ध टल सका। उन्होंने दावा किया कि यदि वे बीच में न आते, तो इस संघर्ष में लगभग 3.5 करोड़ लोगों के साथ पीएम शहबाज शरीफ भी मारे जाते। हालांकि, भारत ने राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों को पूरी तरह से नकार दिया है। भारतीय पक्ष का स्पष्ट कहना है कि पाकिस्तान के साथ सैन्य शत्रुता समाप्त करने के समझौते में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी।

6 जुलाई का आएगा ...

2026 को अलायंस फॉर अमेरिकन सोलर मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेड की जांच पर अमेरिकी वाणिज्य विभाग का अंतिम निर्णय आएगा। वहीं इन देशों (भारत, इंडोनेशिया और लाओस) से आयातित सौर सेल की एंटी-डंपिंग (कम कीमत पर उत्पाद बेचना) जांच भी जारी है, जिसके नतीजे जल्द आने की उम्मीद है।

छह राज्यों में सीबीआई की...

नेटवर्क उजागर हुआ है, जिसके अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन होने के भी संकेत मिले हैं।

क्या है ‘डिजिटल अरेस्ट’ ठगी? : ‘डिजिटल अरेस्ट’ स्कैम में अपराधी खुद को जांच एजेंसी/पुलिस/सरकारी अधिकारी बताकर पीड़ित को वीडियो कॉल या फोन पर “गिरफ्तारी” की धमकी देते हैं। डर और गोपनीयता का दबाव बनाकर पीड़ित से बैंक खातों से रकम ट्रांसफर करा ली जाती है या क्रिप्टोकरेंसी में बदलवा दी जाती है।

सीबीआई के अनुसार, इस मामले में वित्तीय ट्रेल का विश्लेषण करने पर कई म्यूल खातों और शेल कंपनियों के जरिए धन को परत-दर-परत घुमाने के संकेत मिले हैं।

जांच जारी, अंतरराष्ट्रीय कड़ी की पड़ताल : एजेंसी ने कहा है कि इस ऑपरेशन का उद्देश्य ‘डिजिटल अरेस्ट’ जैसे संगठित साइबर अपराधों को सक्षम बनाने वाले पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों की पहचान के लिए जांच जारी है।

सीबीआई ने दोहराया कि वह संगठित साइबर आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है और डिजिटल तंत्र में आम नागरिकों के विश्वास की रक्षा करना उसकी प्राथमिकता है।

गुरुग्राम–फरीदाबाद–नोएडा...

सेक्टर-58/61 जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन शामिल होंगे। यह दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन, गुरुग्राम मेट्रो कॉरिडोर और रैपिड मेट्रो से जुड़कर यात्रियों को मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य केवल यात्रा समय कम करना नहीं, बल्कि पूरे शहर के ट्रांजिट नेटवर्क को एकीकृत करना है। इसी प्रकार फरीदाबाद क्षेत्र में सैनिक कॉलोनी से बादशाहपुर तक लगभग 16 किलोमीटर का इंटीग्रेटेड सेक्शन स्वीकृत किया गया है, जिसमें एनआईटी क्षेत्र, बाटा चौक, सेक्टर-12 से 15 तथा नए फरीदाबाद के प्रमुख हिस्से शामिल होंगे। यह दिल्ली मेट्रो की वॉयलेट लाइन से जुड़कर क्षेत्रीय संपर्क को और मजबूत करेगा तथा औद्योगिक और आवासीय विकास को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने इस परियोजना में केवल इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं, बल्कि नागरिकों की सुविधा और पर्यावरणीय संतुलन को भी प्राथमिकता दी है। शहरों के भीतर बनने वाले वायाडक्ट पर नॉइज़-बैरियर लगाने का निर्णय लिया गया है, ताकि आधुनिक परिवहन के साथ जीवन की गुणवत्ता प्रभावित न हो और लोगों को ध्वनि प्रदूषण से राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि यह परियोजना हरियाणा के लिए निवेश, रोजगार और संतुलित शहरी विकास के नए अवसर लेकर आएगी। गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरों में बढ़ती आबादी और यातायात के दबाव को देखते हुए यह कॉरिडोर भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से हम इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अगली सुनवाई 30 अप्रैल को

झारखंड हाई कोर्ट ने आधी सजा काट चुके 333 कैदियों का ब्योरा मांगा

एजेंसी ▶▶ रांची

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत में आधी या एक तिहाई सजा काटने वाले कैदियों की रिहाई से संबंधित जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि वह प्रार्थी को ऐसे कैदियों का आंकड़ा साफ्ट प्रति के रूप में उपलब्ध कराए। कोर्ट ने प्रार्थी को इसका अध्ययन कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले में अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी। इससे पहले मामले में राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल किया गया। जेलों में बंद आधी सजा या एक तिहाई सजा काटने वाले कैदियों का आंकड़ा प्रस्तुत किया गया। सरकार की ओर से कहा गया कि विभिन्न जेलों में आधी या एक तिहाई सजा काट लेने वाले 333 कैदी है। जिसमें गुमला जेल में 77, जामताड़ा में दो, कोडरमा में दो, लातेहार में 43, लोहरदगा में 23, पाकुड़ में 14, साहिबगंज में आठ, साकची जेल में दो, सरायकेला में 25, सिमडेगा में 20, हजारीबाग में एक, घाटशिला में 27, खूंटी में 53, मधुपुर में सात, राजमहल में 14, रामगढ़ में 11, तेनुघाट (बोकारो) में चार कैदी शामिल हैं।

मंत्री राधाकृष्ण ने बजट में किया ऐलान

'झारखंड में खोले जाएंगे 100 पीएम स्कूल ‘ऑफ एक्सीलेंस'

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड की हेमंत सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर आज विधानसभा में बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट का आकार 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपए का है। यह बजट हेमंत सोरेन सरकार का बड़ा इकोनॉमिक रोडमैप है, जिसे 'अबुआ दिशोम बजट' भी कहा जाता है। बजट का मकसद राज्य के ओवरऑल डेवलपमेंट, सोशल वेलफेयर और इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन को तेज़ करना है। राज्य सरकार ने खर्च की इफेक्टिवनेस और ट्रांसपेरेंसी बढ़ाने के लिए हाउस में एक आउटकम बजट, जेंडर बजट और चाइल्ड बजट भी पेश किया। स्वास्थ्यः कुल बजट 7,790 करोड़ रुपए; कैंसर उपचार के लिए 200 करोड़ अलग से।

- *शिक्षाः प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए 16,251 करोड़ रुपए का प्रावधान।*
- *पीएम स्कूलः प्रदेश में 100 नए 'पीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित होंगे।*
- *महिला एवं बाल कल्याणः सुरक्षा और विकास हेतु 22,000 करोड़ रुपए का भारी आवंटन।*
- *ग्रामीण विकासः गांवों के बुनियादी ढांचे के लिए 12,346 करोड़ रुपए स्वीकृत।*
- *पंचायती राजः पंचायतों के सशक्तिकरण के लिए 2,285 करोड़ रुपए खर्च होंगे।*

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

केमिकल कलर्स से जब हो स्किन प्रॉब्लम

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले साल होली में रंग-गुलाल खेलने के बाद मेरी स्किन पर दाने और रैशेज हो गए थे। कृपया कोई ऐसा उपाय बताएं, जिससे इस बार ऐसी प्रॉब्लम न हो।

-सौरभ, हिसार

बाजार में तरह-तरह के केमिकल वाले रंग भी मिलते हैं। कई बार लोग इनका इस्तेमाल करते हैं। इसलिए इनके इस्तेमाल से खुद भी बचें और दूसरों को भी जागरूक करें। साथ ही रंग खेलने से पहले पूरे शरीर पर नारियल का तेल या मॉयश्चराइजर लगा लें। नारियल तेल ज्यादा बेहतर रहेगा। साथ ही केवल हर्बल कलर का इस्तेमाल करें। एक ही बार मे रंग छुड़ाने की कोशिश ना करें। कई लोग एक ही बार में पूरा रंग छुड़ाने के लिए कई बार साबुन लगाते रहते हैं। ऐसा न करें। अगर थोड़ा हल्का भी हो जाए तो अगले दिन उतर जाएगा। इस तरह त्वचा को बचाया जा सकता है।

मेरी उम्र 23 वर्ष है। अभी से ही मेरे सिर के आधे से अधिक बाल सफेद हो गए हैं। कृपया बताएं कि इसकी क्या वजह है और इसे कैसे ठीक किया जा सकता है?

-विकास, दुर्ग

आजकल यंगस्टर्स में यह समस्या काफी देखी जा रही है। सबसे पहले आप बाजार में उपलब्ध तरह-तरह के शैंपू का बदल-बदल कर इस्तेमाल करना बंद करें। साथ ही एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें, वे आपको कुछ शैंपू और साबुन बताएंगे, उनका इस्तेमाल करें और जरूरत पड़ी तो कुछ जांच कराएंगे। बगैर जांच करवाए कोई उपचार नहीं बताया जा सकता है।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। अकसर सुबह के समय मेरी आंखों के नीचे और चेहरे पर सूजन सी लगती है। कुछ देर बाद खुद ही नॉर्मल हो जाता है। यह किसी बीमारी का संकेत तो नहीं, कृपया बताएं।

-एक पाठक, ई-मेल से

आंखों के नीचे सूजन आना कई बार शुगर बढ़ने के लक्षण भी होते हैं। लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर शुगर की जांच कराएं। अगर वह रिपोर्ट नॉर्मल निकलती है तो फिर डॉक्टर और भी जांच कराएंगे, जिससे कारण पता चलेगा और इलाज हो सकेगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। मुझे दिन भर मीठा खाने की क्रेविंग होती रहती है। प्लीज बताएं इससे मुझे डायबिटीज तो नहीं हो जाएगी? अपनी इस हैबिट को छोड़ने के लिए क्या उपाय करूं?

-कल्पेश, रायपुर

कोई भी चीज लिमिट में खाना ठीक होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा खाना नुकसानदायक होगा। सबसे पहले आप दो चीजों पर गौर करें कि आपकी शुगर कितनी है और आप फिजिकल एक्टिविटीज कितनी करते हैं? क्योंकि अगर आपकी फिजिकल एक्टिविटीज कम हैं और शुगर कंट्रोल है तो भी आपको मीठा कम खाना चाहिए। मीठे में भी ऐसे आइटम खाएं, जिसमें शुगर कम हो। डीप फ्राई वाली चीजें बिल्कुल ना खाएं।

मेरी पिता की उम्र 74 वर्ष है। उनके गॉल ब्लैडर में स्टोन है। लेकिन डॉक्टर ऑपरेशन करने से मना कर रहे हैं। इससे उनको कोई प्रॉब्लम तो नहीं होगी? कृपया बताएं हमें क्या करना चाहिए?

-पंकज, बिलासपुर

देखिए, अगर डॉक्टर ही मना कर रहे हैं ऑपरेशन करने के लिए, तो कोई न कोई उसका कारण होगा। इसलिए आप रिस्क ना लें और डॉक्टर द्वारा बताई गयी सावधानी बरतते हुए ही ट्रीटमेंट कराएं।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। मैं जब भी ट्रैफिक में होता हूं तो बहुत घबराहट महसूस होती है। इस वजह से घर से कम निकलता हूं। ऐसा क्यों होता है? प्लीज इसका कोई कारगर उपचार बताएं।

-अवधेश, कांकेर

सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर अपनी सारी जांच कराएं, जिससे पता चल जाएगा कि यह किसी बीमारी के लक्षण तो नहीं हैं। अगर रिपोर्ट नॉर्मल है तो इसके बाद आप मनोचिकित्सक से संपर्क कर सकते हैं। कई लोगों को भीड़ से घबराहट होती है। वो इससे बचाव के उपाय बताएंगे। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडेय

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

हेल्थ एडवाइस

संध्या पांडेय

चीफ डाइटिशियन

मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

गुड हेल्थ के लिए है जरूरी ओबेसिटी को कंट्रोल करना

हाल के वर्षों में अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और गलत खान-पान के कारण वयस्कों से लेकर बच्चों में भी ओबेसिटी यानी मोटापे की समस्या बढ़ती जा रही है। असल में मोटापा कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह एक ऐसी स्थिति है जो अनेक बीमारियों की आशंका बढ़ाती है। **वर्ल्ड ओबेसिटी डे (4 मार्च)** के अवसर पर आइए जानते हैं, मोटापे से संबंधित विभिन्न पहलुओं और इस पर नियंत्रण के बारे में।

सारी दुनिया में ओबेसिटी एक बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम के रूप में सामने आ रहा है। इसके प्रति अवेयर करने के लिए ही वर्ल्ड ओबेसिटी डे मनाया जाता है। इस बार इस दिवस की थीम है- 8 बिलियन रीजंस टू एक्ट ऑन ओबेसिटी। इस थीम का आशय है कि दुनिया की 8 अरब आबादी के लिए मोटापे के खिलाफ कार्रवाई करने के अनेक कारण हैं। हमें हर हाल में मोटापे के प्रति सचेत रहकर इसे नियंत्रित करना है।

कैसे तय होता है मोटापा

मोटापे के आकलन की सबसे प्रमुख विधि बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) है। कमर की माप से भी मोटापे का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मान्य और प्रचलित विधि बीएमआई ही है। बीएमआई की गणना के लिए पहले किसी व्यक्ति के वजन को किलोग्राम में मापा जाता है और फिर उसे उसकी लंबाई (मीटर वर्ग) से विभाजित किया जाता है। सामान्य यानी स्वस्थ वजन वाले व्यक्ति का बीएमआई वैल्यू 23 से कम होना चाहिए। महिलाओं में कमर का घेरा 80 सेंटीमीटर से कम और पुरुषों में 90 सेंटीमीटर से कम होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को बीएमआई के संदर्भ में अपने डॉक्टर या फिर डाइटिशियन से परामर्श लेना बेहतर रहेगा।

हो सकती है ये समस्याएं

मोटापे से ग्रस्त लोगों में उच्च रक्त चाप (हाई ब्लड प्रेशर), हृदय की बीमारियां, डायबिटीज टाइप 2, स्ट्रोक, अर्थराइटिस, सोते समय खर्राटे भरना या स्लीप एप्निया जैसी समस्याओं के होने का जोखिम कहीं ज्यादा बढ़ जाता है। मोटापे से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं में अत्यधिक वजन के बढ़ने से उनके गर्भस्थ शिशु को भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा जो लोग पहले से ही उपरोक्त बीमारियों से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने वजन नियंत्रण पर डॉक्टर से परामर्श लेकर विशेष ध्यान देना चाहिए, तभी वे उपरोक्त समस्याओं को नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा जो नवयुवक या नवयुवतियां अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनके अंदर कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जैसे वे शारीरिक रूप से हीनता ग्रंथि के शिकार हो सकते हैं। उन्हें लोगों से मिलने-जुलने में अच्छा महसूस नहीं होता। यही नहीं, मोटापा और बांझपन (इनफर्टिलिटी) के बीच एक गहरा संबंध है। अधिक वजन और मोटापा महिलाओं और पुरुषों दोनों में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

ओबेसिटी के प्रमुख कारण

- जो लोग नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते या कम शारीरिक श्रम करते हैं, उनके मोटे होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापे के अधिकांश मामलों में एक व्यक्ति जितनी कैलोरी बर्न करता है, उससे बहुत अधिक कैलोरी ग्रहण करता है। शरीर द्वारा इस्तेमाल न की जाने वाली कैलोरी वसा के रूप में संचित हो जाती है।
- लगभग हर दिन अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार ग्रहण करना या फिर अकसर जंक फूड्स लेना कालांतर में मोटापे से ग्रस्त कर देता है। इसके अतिरिक्त जो लोग अपने खान-पान में फलों और सब्जियों को वरीयता नहीं देते हैं, वे भी मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं।
- अकसर तनावग्रस्त रहना कालांतर में मोटापे का कारण बन सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। हार्मोंस के असंतुलन की स्थिति से भी मोटापा बढ़ सकता है।
- वंशानुगत कारण से भी मोटापा बढ़ सकता है। जैसे अगर मां-बाप अपने जीवन काल में मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं तो उनकी संतानों में भी मोटापा बढ़ने की आशंका काफी ज्यादा होती है।
- थायरॉइड ग्रंथि के विकार या असंतुलन से भी मोटापा बढ़ने की काफी आशंका रहती है।

कब लें डॉक्टर से परामर्श

जिन लोगों का वजन बीएमआई के मानकों से परे जाकर बढ़ता जा रहा है या जो लोग पहले से ही मोटापे से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपको अपनी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने और स्वास्थ्यकर खान-पान के संदर्भ में समुचित जानकारी देंगे। इस संदर्भ में डॉक्टर आपसे कुछ सवाल भी पूछ सकते हैं। जैसे आप डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर अन्य किसी रोग से पीड़ित तो नहीं हैं, फिलहाल आप क्या दवाएं ले रहे हैं, शराब या धूम्रपान के तलबगार तो नहीं हैं। आप कितनी देर तक व्यायाम या शारीरिक गतिविधियों में भाग लेते हैं? इसके अलावा डॉक्टर आपकी बीएमआई भी चेक कर सकते हैं और अगर आपको कोई बीमारी है तो उससे संबंधित जांच भी करवा सकते हैं। डॉक्टर आपको डाइटिशियन के पास भी रेफर कर सकते हैं और इस संदर्भ में व्यायाम या योगासन के लिए किसी विशेषज्ञ को भी रेफर कर सकते हैं। अत्यधिक मोटापाग्रस्त होने की स्थिति में वे आपको बैरियाट्रिक सर्जन से परामर्श लेने की भी राय भी दे सकते हैं।

मोटापे का सर्जिकल इलाज

बैरियाट्रिक सर्जरी एक प्रकार की सर्जरी है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक मोटापे का इलाज करना है। यह सर्जरी विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए होती है, जिनका बीएमआई 40 या उससे अधिक होता है, या जिनका बीएमआई 35-39.9 होता है और उन्हें मोटापे से संबंधित गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कि डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप आदि। इसके अलावा यदि किसी व्यक्ति ने आहार और व्यायाम के माध्यम से वजन घटाने की कोशिश की है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली, तो बैरियाट्रिक सर्जरी का विकल्प दिया जा सकता है।

मोटापा कम करने वाली दवाएं

इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोटापा कम करने वाली दवाओं का सेवन अपने डॉक्टर से परामर्श लिए बगैर नहीं करना चाहिए। अत्यधिक मोटापा (मॉर्बिड ओबेसिटी) को नियंत्रण करने में दवाओं का एक सीमित योगदान है। ये दवाइयां डॉक्टर की निगरानी में ली जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि इनके साइड इफेक्ट भी होते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान

- डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर अपनी शारीरिक स्थिति और मेडिकल कंडीशन के अनुसार खान-पान का एक चार्ट बनवा लें और फिर उस पर अमल करें।
- मोटे अनाज या मिलेट्स वजन को नियंत्रित करने में सहायक हैं।
- अत्यधिक चिकनाईयुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- नियमित रूप से व्यायाम करें, लेकिन इस संदर्भ में याद रखें कि प्रत्येक व्यक्ति की उम्र और उसकी मेडिकल कंडीशन के अनुसार ही व्यायाम और उसका समय निर्धारित किया जाता है। इसलिए इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श जरूर लें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखें और तनाव को स्वयं पर हावी न होने दें। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से भी मोटापा या वजन बढ़ सकता है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए मेडिटेशन करें।
- खाना खाते समय टीवी या मोबाइल न देखें, इससे आप ओवरईटिंग से बचे रहेंगे, जो ओबेसिटी बढ़ाने का मुख्य कारण है।
- नमक, शुगर और प्रोसेस्ड फूड्स का कम से कम सेवन करें। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

प्रिकॉशन

यह सही है कि होली उल्लास-उमंग का पर्व है। लेकिन इसे मनाते हुए भी अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। खासतौर पर अस्थमा, हाई बीपी और डायबिटीज पेशेंट्स, अगर यहां बताए जा रहे सुझावों को अमल में लाएंगे तो उनकी तबियत नहीं बिगड़ेगी।

होली सेलिब्रेशन में बरतें सावधानी अस्थमा-बीपी-डायबिटीज पेशेंट्स

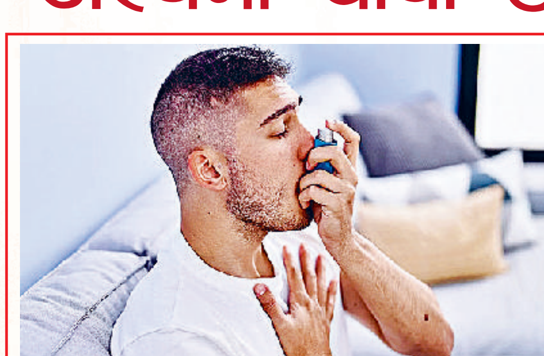

रंगों का त्योहार होली खुशियां और उमंग लेकर आता है, लेकिन अस्थमा, हाई ब्लड प्रेशर (बीपी) और डायबिटीज के मरीजों के लिए यह त्योहार और इन दिनों का मौसम कुछ अतिरिक्त सावधानियां बरतने की मांग करता है। हल्की सी लापरवाही उनके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है, इसलिए त्योहार का आनंद लेते हुए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।

अस्थमा पेशेंट्स के लिए यूजफुल सजेशंस

श्वास संबंधी रोगी होली खेलते समय किन बातों का ध्यान रखें इस बारे में रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर में कंसल्टेंट-पल्मनोलॉजी, **डॉ. आमिर नदीम** कहते हैं, 'होली पर उड़ने वाला गुलाल, धूल, धुआं और केमिकल युक्त रंग सांस के मरीजों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकते हैं। इन कणों के संपर्क में आने से सांस की नलियों में सूजन बढ़ सकती है और अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अस्थमा मरीजों को कोशिश करनी चाहिए कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों और तेज धूल-धुएं से दूर रहें। होली खेलने के लिए केमिकल वाले गहरे रंगों की जगह फूलों से बने या हर्बल रंगों का इस्तेमाल ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। घर से बाहर निकलते समय अच्छी क्वालिटी का मास्क जरूर पहनें, ताकि धूल और रंग सीधे श्वास नली में न जाएं। अपना रेस्क्यू इनहेलर और नियमित दवाएं हमेशा साथ रखें और दवा समय पर लेते रहें। जिन लोगों को परागकणों (पोलेन ग्रेंस) से एलर्जी है, वे खुले पार्क या बगीचों में खेलने से बचें। होली खेलने के बाद तुरंत स्नान कर लें और कपड़े बदल लें, ताकि त्वचा और बालों पर जमे कण सांस के जरिए अंदर न जाएं। अगर सांस फूलना, सीने में जकड़न, सीटी जैसी आवाज के साथ सांस आना या तेज खांसी की समस्या बढ़े तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।'

बीपी पेशेंट्स बरतें ये सावधानियां

होली जैसे पर्व को सेलिब्रेट करते समय बीपी पेशेंट्स को भी सावधानी बरतनी चाहिए। इस बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय** सलाह देते हैं, 'होली के दौरान खान-पान और उत्साह बढ़ने से हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। ज्यादा नमकीन, तला-भुना और मसालेदार भोजन ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है, इसलिए हल्का और संतुलित आहार लें और नमक का सेवन सीमित रखें। तेज डीजे और अत्यधिक शोर भी तनाव बढ़ाकर बीपी पर असर डाल सकता है, इसलिए शांत माहौल में रहें। अपनी नियमित दवाएं समय पर लें और पर्याप्त पानी पिएं, क्योंकि डिहाइड्रेशन से भी बीपी असंतुलित हो सकता है। कोशिश करें कि पर्याप्त नींद लें और अत्यधिक थकान से बचें। दिन में एक बार बीपी मॉनिटर कर लेना भी फायदेमंद रहता है। अगर चक्कर, तेज सिरदर्द, घबराहट या धुंधला दिखने जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत आराम करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें।'

डायबिटीज पेशेंट्स रखें इन बातों का ध्यान

होली के मौके पर डाइट में लापरवाही बरतने से डायबिटिक पेशेंट्स की तबियत बिगड़ सकती है। इससे बचाव के लिए श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट-एंडोक्राइनोलॉजी, **डॉ. साकेत कांत** सजेस्ट करते हैं, 'होली पर गुझिया, मिठाई और ठंडाई का काफी लोग सेवन करते हैं। लेकिन डायबिटीज मरीजों को मीठे का सेवन बहुत सीमित मात्रा में और सोच-समझकर करना चाहिए। कोशिश करें कि खाली पेट मीठा न खाएं और पहले सलाद, दाल या प्रोटीन युक्त हल्का भोजन लें, ताकि शुगर अचानक न बढ़े। दिन में नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल की जांच करते रहें और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवा या इंसुलिन समय पर लें। ज्यादा देर धूप में रहने, भाग-दौड़ या अनियमित खान-पान से भी शुगर लेवल ऊपर-नीचे हो सकता है। इसलिए समय पर भोजन करें और लंबा गैप न रखें। शरीर को हाइड्रेट रखना भी जरूरी है, क्योंकि डिहाइड्रेशन से शुगर असंतुलित हो सकती है। पर्याप्त पानी, छाछ या बिना शक्कर वाले पेय ही लें। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

इन बातों पर भी करें अमल

होली के दौरान कुछ सामान्य सावधानियां बरतना सभी के लिए जरूरी है, इससे आप हेल्थ प्रॉब्लम्स से बचे रहेंगे।

- हमेशा हर्बल और स्किन-फ्रेंडली रंगों का ही उपयोग करें।
- शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ लेते रहें।
- भीड़-भाड़, धूल और धुएं वाली जगहों से दूरी बनाए रखें तथा किसी भी असामान्य लक्षण जैसे सांस लेने में दिक्कत, चक्कर, घबराहट या शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज न करें।

कांग्रेस ने आंदोलन की दी चेतावनी, उठाए कई मुद्दे

कांग्रेस किसान महाचौपाल: ट्रेड डील पर नेता प्रतिपक्ष का हमला
जीतू पटवारी और उमंग सिंघार ने केंद्र सरकार पर लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस किसान महाचौपाल को संबोधित करते राहुल।

भोपाल के अटल पथ पर आयोजित कांग्रेस किसान महाचौपाल में प्रदेश नेतृत्व ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच नहीं, बल्कि दो नेताओं के बीच हुआ करार है, जिससे देश और किसानों के हित प्रभावित होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस ट्रेड डील का सीधा असर कृषि क्षेत्र, विशेषकर मध्यप्रदेश के किसानों पर पड़ेगा। पटवारी ने कहा कि किसानों के भविष्य से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और कांग्रेस इस मुद्दे को जनआंदोलन बनाएगी।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि अमेरिका के साथ हुआ व्यापार समझौता प्रदेश के सोयाबीन, दाल, गेहूं, मक्का और सरसों उत्पादक किसानों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि विदेशी कृषि उत्पाद भारत में बड़े पैमाने पर आए, तो स्थानीय किसानों को उचित दाम नहीं मिल पाएंगे।

बड़ी संख्या में शामिल हुए किसान और कांग्रेस कार्यकर्ता

सिंघार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि किसानों की आय सुरक्षा के लिए ठोस नीति की जरूरत है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस सरकारों ने अतीत में किसानों के हित में फैसले लिए, जबकि वर्तमान सरकार किसानों की चिंताओं को नजरअंदाज कर रही है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि किसानों के हितों की अनदेखी की गई तो प्रदेशभर में आंदोलन तेज किया जाएगा।

दूध और बैलगाड़ी लेकर पहुंचे कांग्रेसी

इधर, महापंचायत में कांग्रेस के नेता अनोखे अंजाद में पहुंचे। महिलाओं के साथ दीप्ति सिंह बैलगाड़ी लेकर पहुंची। वहीं दूध बेचने वाले किसानों के समर्थन में पीसी शर्मा आए। शर्मा के साथ कुछ नेता आलू की माला लेकर पहुंचे। हालांकि 50 हजार की भीड़ इकट्ठा नहीं हुई, लेकिन जीतू पटवारी का प्लान कुछ हद तक असरदार दिखाई दिया। प्रदेश भर से हजारों की संख्या में पहुंचे।

शुक्ला ने किया स्वागत

किसान महाचौपाल को संबोधित करने आ रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भोपाल आगमन पर गेहूं की फसल एक मटके में नरेंदर सरेंडर लिखकर स्वागत के लिए कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता लालघाटी चौराहे पर खड़े रहे।

खबर संक्षेप

मप्र निर्वाचन आयोग की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में पहल को मिली सराहना

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से आयोजित राज्यों के गोलमेज सम्मेलन में सहभागिता के लिए मप्र राज्य निर्वाचन आयोग की टीम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम पहुंची। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव के नेतृत्व में दल में विधि सलाहकार डॉ. प्रदीप शुक्ला तथा तकनीकी सलाहकार राकेश शुक्ला शामिल हैं। सम्मेलन में मप्र की ओर से निर्वाचन प्रक्रिया में किए गए नवाचारों, डिजिटल पहलों तथा पारदर्शिता और सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए प्रभावी कदमों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया। टीम ने बताया कि किस प्रकार तकनीकी एकीकरण और सुव्यवस्थित प्रबंधन के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, दक्ष और जवाबदेह बनाया जा रहा है। आयोग ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग, प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा व्यवस्थागत सुधारों के माध्यम से निर्वाचन प्रणाली को सुदृढ़ करने के अपने प्रयासों को साझा किया। यह सहभागिता राज्य निर्वाचन आयोग की नवाचार, सुशासन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राष्ट्रीय स्तर पर मप्र की सक्रिय भूमिका को रेखांकित करती है।

पुलिसकर्मी के बेटे ने रात में नदी में लगाई छलांग, सुबह मिला शव

भोपाल। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर स्थित इंद्रावती नदी में बीती रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां सीएसपी कार्यालय में पदस्थ एक महिला आरक्षक के 19 वर्षीय बेटे ने नदी में छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय कोतवाली पुलिस और नगर सेना की एसडीआरएफ टीम तुरंत मौके पर पहुंची और युवक की खोजबीन कर शव निकाला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक ने छलांग लगाने से पहले अपनी मां को फोन कर कहीं जाने और वापस न लौटने की बात कही थी, जिससे उसकी मां घबराकर पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तलाशी अभियान चलाया, जिसमें तरुण की चप्पल और मोबाइल फोन बरामद हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ युवकों ने युवक को नदी में कूदते हुए देखा था। रात अधिक होने के कारण युवक का तत्काल पता नहीं चल सका, लेकिन एसडीआरएफ और पुलिस टीम को सुबह शव मिल गया। परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई है और वे भी देर रात से नदी किनारे मौजूद रहे। महिला आरक्षक का पति भी पुलिस विभाग में कार्यरत है, हालांकि दोनों कई वर्षों से अलग रह रहे हैं। तरुण अपने चार भाई-बहनों में सबसे छोटा बताया जा रहा है। इस दुखद घटना के पीछे के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

उज्जैन के दर्शनीय स्थलों के पिक्टोरियल पोस्टकार्ड का किया विमोचन

महाकालेश्वर-ओंकारेश्वर की प्रसादी डाक से पहुंचाने के लिए पोस्टल सेवा का शुभारंभ

भारतीय डाक व्यवस्था में आए निर्णायक परिवर्तन, ग्रामीण डाक सेवक देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की है नींव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एक समय सिर्फ चिट्ठियां पहुंचाने वाला विभाग अब बाबा महाकाल के प्रसाद के वितरण के लिए नई पोस्टल सेवा लागू करने तक अपनी यात्रा तय कर चुका है। डाक घरों के माध्यम से लोगों को बीमा योजनाओं, बचत योजनाओं का लाभ मिल रहा है। बचत खाते शुरू करने से लेकर तीव्र गति से स्पीड पोस्ट और अन्य माध्यमों से ग्राहकों को लाभान्वित किया जा रहा है। ग्रामीण डाक सेवक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को उज्जैन में शिप्रा नदी किनारे स्थित कार्तिक मेला ग्राउंड में आयोजित ग्रामीण डाक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों के हित में भारतीय डाक व्यवस्था ने अपनी सार्थक भूमिका सिद्ध की है। ब्रिटिश काल से शुरू व्यवस्थाओं को नया स्वरूप मिलता गया। उन्होंने कहा कि डाक व्यवस्था में निर्णायक परिवर्तन आए हैं और डाक विभाग की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाने की ठोस पहल हुई है। मुख्यमंत्री ने डाक सेवकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि अपने अथक परिश्रम से गांव-गांव तक डाक तथा अन्य जनउपयोगी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने वाले ग्रामीण डाक सेवकों की देश के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्र ने कार्यक्रम में मप्र के उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्रामीण डाक नायकों को सम्मानित किया।

पोस्टल सेवा का शुभारंभ करते केन्द्रीय मंत्री सिंधिया एवं सीएम डॉ. यादव।

पोस्टल सेवा का शुभारंभ किया गया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने भारतीय डाक विभाग से उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर तथा श्री ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग मंदिर की प्रसादी आमजन तक पहुंचाने के लिए पोस्टल सेवा का शुभारंभ किया। इसके अतिरिक्त उज्जैन के प्रसिद्ध स्थानों के संकलन पर आधारित पिक्टोरियल पोस्ट कार्ड का विमोचन भी अतिथियों की ओर से किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण डाक सेवक हमारे सैनिक तथा हमारी ताकत है। डाक विभाग सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। हमारे देश में प्राचीन काल से ही डाक पहुंचाने की परंपरा रही है। हमारे देश में डाक सेवकों का हृदय से सम्मान रहा है। बदलते दौर में देश के पोस्ट ऑफिस तीव्र गति से कार्य कर रहे हैं।

गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के दोहरीकरण की मंजूरी बड़ी सौगातः डॉ यादव

सीएम ने कहा है कि केंद्रीय कैबिनेट द्वारा गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के दोहरीकरण की मंजूरी महाकौशल सहित प्रदेश के लिए बड़ी सौगात है। इससे नक्सल समस्या से मुक्त बालाघाट जिले के साथ ही जबलपुर, मंडला और सिवनी में कनेक्टिविटी मजबूत होगी, व्यापार-व्यवसाय और पर्यटन भी बढ़ेगा। सेवातीर्थ में केंद्र सरकार की पहली केबिनेट बैठक में गोंदिया से जबलपुर रेलवे लाइन दोहरीकरण को मंजूरी मिल गई है। रेल मंत्री वैष्णव ने इसे रामायण सर्किट से नार्थ से साउथ तक का एक महत्वपूर्ण कॉरीडोर बताया है। इस दोहरीकरण का सबसे ज्यादा लाभ विकास के रूप में बालाघाट जिले को मिलेगा।

कांग्रेस के काम रोको प्रस्ताव पर विधानसभा में बहस

पारदर्शी भर्ती से झूठ की राजनीति बेनकाब : सीएम

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन की कार्यवाही के दौरान सुबह के वक्त जहां कांग्रेस नेताओं ने उनकी आवाज दबाने और कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट करने के गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा, नारेबाजी, शोरगुल किया। विस अध्यक्ष के समझाने पर भी शांत नहीं हुए और बाद में वाकआउट कर कर दिया। सदन की कार्यवाही देर शाम तक जारी थी। कांग्रेस की ओर से काम रोको प्रस्ताव के तहत एचपीएससी (हरियाणा लोक सेवा आयोग) और एचएसएससी (हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग) की भर्तियों को लेकर चर्चा की गई, इस दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर शेर-ओ-शायरी के माध्यम से तंज किए। काम रोको प्रस्ताव पर कांग्रेस और भाजपा सदस्यों के बीच में जमकर नोकझोंक व आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला चलता रहा। सदन में घोषणा करते हुए सीएम ने गुरुग्राम फरीदाबाद-नोएडा के बीच कॉरिडोर की घोषणा की है, जिसकी डीपीआर जल्द ही तैयार होगी।

कांग्रेस की भर्तियों का दिया विवरण

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस कार्यकाल में की गई भर्तियों का विवरण देते हुए बताया कि 1 अप्रैल 2005 से 31 मार्च 2006, 1 अप्रैल 2006 से 31 मार्च 2007 तथा 1 अप्रैल 2007 से 31 मार्च 2008 तक किसी भी साल में एक भी भर्ती नहीं की। 1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 में 22, 1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2010 में 176, 1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2011 में 712 तथा 1 अप्रैल 2011 से 31 मार्च 2012 में 1046 युवाओं की भर्ती की। इसके अलावा, 1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 में 1046, 1 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2014 में 448 तथा 1 अप्रैल 2014 से अक्तूबर 2014 तक 143 युवाओं की भर्ती की। इस प्रकार कांग्रेस ने अपने 10 साल के कार्यकाल में 3593 युवाओं की भर्ती की। वर्तमान सरकार ने हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन यानि एचपीएससी के जरिये पिछले 11 सालों में कुल 11 हजार 17 युवाओं की भर्ती की है।

फिर गूंजा मध्यप्रदेश में 27% आरक्षण के साथ 13 प्रतिशत होल्ड का मुद्दा

बैतूल में अपना दल (एस) का दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अपना दल (एस) मध्य प्रदेश द्वारा 22 एवं 23 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय सदस्यता अभियान सह जिला कार्यकर्ता बैठक हुई। कार्यक्रम पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं मप्र प्रभारी आर. बी. सिंह पटेल प्रदेश दौरे पर रहे। बैतूल के डाक बंगला में जिला कार्यकर्ता बैठक में संगठन की मजबूती और बूथ स्तर तक विस्तार पर जोर दिया गया। इसके बाद ग्राम परमंडल (मुलताई) में सदस्यता अभियान संपन्न हुआ। ग्राम परमंडल में राष्ट्रीय महासचिव आर. बी. सिंह पटेल ने कहा, मध्य प्रदेश में ओबीसी को 27% आरक्षण कोई भीख नहीं बल्कि संवैधानिक अधिकार है। जो 13% पर होल्ड लगाया गया है, उसे जल्द से जल्द हटाया जाना चाहिए।

एके-47 भी जब्त, पुलिस को थी लंबे समय से तलाश

कई नक्सली घटनाओं में वांछित मल्लेश ने किया आत्मसमर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

नक्सलवाद की खोखली विचारधारा से त्रस्त होकर अब नक्सली संगठन कमजोर पड़ते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई बड़े नक्सली नेताओं ने या तो आत्मसमर्पण किया है या पुलिस मुठभेड़ों में मारे गए हैं। इसी क्रम में, तेलंगाना में 5 करोड़ के इनामी नक्सली ने अपने 16 साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया है। वहीं, मंगलवार को कांकेर जिले के पखांजूर छोटेबेठिया में स्थित बीएसएफ 94वीं बटालियन में डीवीसीएम मल्लेश ने एके-47 राइफल के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। मल्लेश कई नक्सली घटनाओं में वांछित था और उसकी तलाश लंबे समय से जारी थी। जानकारी के अनुसार, डीवीसीएम रैंक का सक्रिय माओवादी मल्लेश कांकेर पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के समक्ष उपस्थित हुआ और आत्मसमर्पण किया। बताया जा रहा है कि, वह लंबे समय से नक्सली संगठन में सक्रिय था। कोई लीडर न होने के चलते नक्सल संगठन को मल्लेश के आत्मसमर्पण से एक बड़ा झटका लगा है।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों ने किया प्रदर्शन

जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लापरवाही 13 माह की मासूम की मौत से भड़के परिजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लापरवाही का मामला फिर आया सामने आया है जिससे परिजन काफी आक्रोशित है। परिजनों ने डॉक्टर और स्टाफ की लापरवाही से 13 महीने की मासूम की हुई मौत को लेकर सवाल खड़े कर रहे है।

परिजनों ने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे है। परिजनों का आरोप है कि गलत इंजेक्शन देने से मासूम कोमा में चली गई थी। मासूम वानिया केवट की तबीयत बिगड़ती गई और बुधवार की सुबह उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि इलाज के दौरान ट्रेनी डॉक्टरों के भरोसे जिला मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा था, जिसके चलते मासूम की तबीयत बिगड़ी और ये हालात सामने आए हैं। इसकी शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में भी की थी। बच्ची की नानी अमृता निषाद ने बताया कि 20 तारीख को सर्दी खांसी के इलाज के लिए बच्ची वानिया को कोरबा जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया था। कनोला के बाद सबसे पहले बच्ची को इंजेक्शन लगाया गया जिसके तुरंत बाद ही वह कोमा में चली गई।

मेडिकल कॉलेज की स्टूडेंट ने लगाया इंजेक्शन

अमृता ने बताया कि इंजेक्शन मेडिकल कॉलेज की स्टूडेंट ने लगाया था। अमित निषाद ने मेडिकल कॉलेज पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आए दिन यहां ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने मांग की है कि इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। पिता संजू केवट ने बताया कि सर्दी खांसी के इलाज के लिए बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इंजेक्शन लगने के बाद बच्चे की हालत गंभीर हो चुकी थी उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया।

खनिज अन्वेषण एवं विकास के लिए भवन निर्माण के लिए 34 करोड़ 2 लाख रुपए की स्वीकृति

किसानों के लिए लगभग 10 हजार 500 करोड़ की 5 योजनाओं की निरंतरता को मिली मंजूरी

मप्र प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के प्रावधानों के परिवर्तन की स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कैबिनेट में किसान कल्याण वर्ष में कृषकों के लिए लगभग 10 हजार 500 करोड़ रुपए की 5 योजनाओं की निरंतरता की मंजूरी दी गई है।

पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन योजना, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना तथा राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन योजना को एक अप्रैल 26 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर जारी रखने की मंजूरी दी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अध्यक्षता में विधानसभा के समिति कक्ष में वंदे मातरम गायन के साथ कैबिनेट की बैठक आरंभ हुई।

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन ऑयल सीड के लिए 1,793 करोड़ मंजूर

मप्र में तिलहन उत्पादन को प्रोत्साहित कर आयातित खाद्य तेलो पर भारत की निर्भरता को कम करने और किसानों की आय में सुधार करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए केन्द्र सहायतित योजना राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन ऑयल सीड संचालित है। आगामी 5 वर्षों 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च, 2031 तक निरंतर संचालन के लिए 1793 करोड़ 87 लाख रूपये से अधिक के वित्तीय प्रावधान की स्वीकृति प्रदान की गई।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के लिए 2,008 करोड़ की मंजूरी

कृषि विकास की दक्षता वृद्धि, विभिन्न कृषि घटकों की प्रभावकारिता को बढाने, दोहराव से बचने अभिसरण सुनिश्चित करने तथा राज्य सरकार को योजना बनाने में लचीलापन प्रदान करने के लिए मप्र में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना संचालित है। इसके तहत कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की आवश्यकता की पूर्ति के लिए परियोजना तैयार कर क्रियान्वित की जाती है। इस योजना को आगामी 5 वर्षों 01 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतरता के लिए 2008.683 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति प्रदान की गई है। कैबिनेट में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में पर ड्रॉप-मोर क्रॉप घटक का आगामी 5 वर्षों 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर संचालन की स्वीकृति प्रदान की गई।

भावांतर योजना में सरसों उपार्जन की स्वीकृति

कैबिनेट ने रबी वर्ष 2025-26 में प्रदेश के सरसों उत्पादक किसानों को लाभान्वित किये जाने के लिए केन्द्र सरकार की प्राइस डिफिसिट पेमेंट स्कीम लागू की जा रही है। भावांतर योजना-सरसों को स्वीकृति दी गई है। प्रदेश में सरसों भावांतर योजनान्तर्गत 23 मार्च से 30 मई 2026 तक सरसों का विक्रय राज्य की अधिसूचित मंडियों में किया जाएगा। खनिज साधन विभाग के अंतर्गत बजट योजना खनिज अन्वेषण एवं विकास के लिए भवन निर्माण को निरंतर रखे जाने की स्वीकृति दी गई। योजना खनिज साधन विभाग के अंतर्गत पूर्व से संचालित योजना है, योजनांतर्गत संचालनालय के नवीन भवन निर्माण कार्य पर 34 करोड़ 2 लाख का व्यय संभावित है।

मप्र प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के प्रावधानों के परिवर्तन की मंजूरी

मप्र राजपत्र असाधारण में मप्र प्रशासनिक ईकाई पुनर्गठन आयोग संबंधी निर्देश में वर्तमान के स्थान पर नवीन संशोधन अनुसार परिवर्तन की स्वीकृति प्रदान की गई। संशोधन अनुसार मप्र प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग का अध्यक्ष पर्याप्त प्रशासनिक अनुभव, योग्यता धारित करने वाला व्यक्ति होगा। आयोग के अध्यक्ष को राज्य सरकार के प्रमुख सचिव के समकक्ष वेतनमान और उस पर समय-समय पर मंहगाई भत्ते और अन्य भत्ते देय होंगे। आयोग के अध्यक्ष पद पर राज्य सरकार के सेवानिवृत अधिकारी नियुक्त होने की स्थिति में उन्हें सेवानिवृत्ति के समय देय मूल वेतन एवं मंहगाई भत्ते से सारांशीकरण के पूर्व की पेंशन घटाई जाकर शेष राशि वेतन, मानदेय के रूप में देय होगी और उस पर समय-समय पर मंहगाई भत्ता देय होगा।

चिंतन

उथल-पुथल के बीच नरेंद्र मोदी दिखाएंगे कूटनीतिक संतुलन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को इजरायल के दो दिनी दौरे पर पहुंचे। यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य-पूर्व व पश्चिम एशिया में भारी उथल-पुथल है। अमेरिकी युद्धपोत ईरान को घेरे हुए हैं और ईरान भी शक्ति प्रदर्शन का कोई मौका छोड़ नहीं रहा है। ऐसे हालात में प्रधानमंत्री की नौ साल में दूसरी इजरायल यात्रा चर्चा का विषय बनी हुई है। देश में विपक्ष, खासकर कांग्रेस इस यात्रा को लेकर हमलावर है। 2014 में मोदी के सत्ता में आने के बाद से ही भारत ने इजरायल और अरब देशों के साथ अपने संबंधों को रिसेट किया है। अब भारत की नीति हर देश के साथ द्विपक्षीय हितों और साझेदारियों पर केंद्रित है। हमारे फिलस्तीन और ईरान के साथ भी अच्छे रिश्ते हैं। भारत आतंकवाद से पीड़ित है और वह दुनिया में होने वाली ऐसी हर घटना के खिलाफ रहा है। भारत ने जहां इजरायल पर हमास के हमले का विरोध किया, वहीं वह गाजा में मानवीय सहायता को तेज करने का भी हिमायती रहा है। इसलिए प्रधानमंत्री की यह यात्रा न तो किसी देश के खिलाफ है और न ही किसी के समर्थन में। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ ही साझा हितों को लेकर है। इस दो दिन की यात्रा में रक्षा और सुरक्षा, श्रम और व्यापार, एआई और प्रौद्योगिकी तथा आईएमईसी परियोजना के तहत कनेक्टिविटी एजेंडा में शीर्ष पर होंगे। इसके बावजूद मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच होने वाली बैठकों के परिणाम केवल द्विपक्षीय समझौतों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उनके प्रतीकात्मक महत्व और पश्चिम एशिया क्षेत्र को दिए जाने वाले संदेश भी इसमें शामिल होंगे। इस यात्रा के दौरान अधिकांश निर्धारित कार्यक्रमों में दोनों नेता साथ दिखाई देंगे। नेतन्याहू ने बुधवार को तेल अवीव हवाई अड्डे पर मोदी का खुद स्वागत किया और उन्हें यरुशलम की यात्रा पर ले गए। गुरुवार को द्विपक्षीय वार्ता और प्रेस वक्तव्यों के अलावा, वे निजी रात्रिभोज, एक नवाचार कार्यक्रम, यद वाशेम होलोकॉस्ट स्मारक संग्रहालय का दौरा और संभवतः इजराइल में बसे प्रवासी समुदाय से मुलाकात करेंगे, जिसे वहां बसे भारतीय-यहूदी समुदाय के साथ संवाद के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मोदी ने इजरायली संसद को भी संबोधित किया । इस यात्रा में मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर हमले की धमकियों के बीच सावधानीपूर्वक कूटनीतिक संतुलन साधना होगा, खासकर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य जमावड़ा बढ़ रहा है और प्रमुख ठिकानों से कर्मियों की वापसी हो रही है। हालांकि गुरुवार को ईरान-अमेरिका वार्ता के चलते इस सप्ताह हमले की संभावना कम दिखती है, फिर भी यह याद रखना चाहिए कि जून 2025 में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले वार्ता जारी रहने के बावजूद हुए थे। ईरान में भारतीय नागरिकों को देश छोड़ने की सलाह से जुड़े सवालों पर विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने सोमवार को कहा था कि यदि ईरान पर बमबारी होती है तो प्रधानमंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। हालांकि, नई दिल्ली को उस कूटनीतिक छवि पर भी विचार करना होगा, जिसमें ईरान और इजराइल के बीच तनाव के दौरान मोदी व नेतन्याहू साथ खड़े दिखाई देंगे। दोनों नेताओं के बीच वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण, प्रशासन और शांति स्थापना के लिए अमेरिका की "बोर्ड ऑफ पीस" योजना पर चर्चा चल रही है और भारत ने इसमें एक पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने का निर्णय लिया है।

प्रहार
कांतिलाल मांडोत

'प्रहार' केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की समग्र सोच का प्रतिबिंब है। इसमें सुरक्षा, तकनीक, सामाजिक जागरूकता, कानूनी संतुलन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समावेश है। यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया, केंद्र और राज्य एजेंसियों के बीच वास्तविक समन्वय स्थापित हुआ और समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई तो निश्चित रूप से आतंकवाद की घटनाओं में और कमी लाई जा सकती है। यह नीति भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं को भटकाव से बचाने और राष्ट्र को स्थिर, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

आतंक के खिलाफ नई राष्ट्रीय ढाल

केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई पहली राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी नीति 'प्रहार' भारत की आंतरिक सुरक्षा रणनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। आज़ादी के 78 वर्ष बाद एक समग्र, लिखित और स्पष्ट आतंकवाद विरोधी नीति का आना इस बात का संकेत है कि सरकार अब प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि सक्रिय और पूर्व-निवारक दृष्टिकोण अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। लंबे समय से सुरक्षा विशेषज्ञ यह सवाल उठाते रहे थे कि जिस देश ने दशकों तक सीमा पार प्रायोजित आतंकवाद, अलगाववाद और वैश्विक आतंकी नेटवर्क की चुनौतियों का सामना किया है, उसके पास एक औपचारिक राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी नीति क्यों नहीं है।

अब 'प्रहार' के माध्यम से केंद्र ने इस कमी को दूर करने का प्रयास किया है। इस नीति का मूल आधार 'जीरो टॉलरेंस' यानी आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि आतंकवाद को किसी धर्म, जाति या समुदाय से नहीं जोड़ा जाएगा, बल्कि इसे केवल राष्ट्र-विरोधी हिंसक कृत्य के रूप में देखा जाएगा। यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है क्योंकि आतंकवाद की चुनौती केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता से भी जुड़ी हुई है। जब नीति यह स्पष्ट करती है कि आतंकवाद किसी विशेष पहचान से संबद्ध नहीं है तो वह कट्टरपंथ की जड़ों को कमजोर करने की दिशा में भी काम करती है। 'प्रहार' की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हमले के बाद की कार्रवाई से अधिक हमले से पहले रोकथाम पर केंद्रित है। यह बदलाव बेहद महत्वपूर्ण है। पारंपरिक सुरक्षा मॉडल अक्सर किसी हमले के बाद जांच, गिरफ्तारी और दंड पर केंद्रित होते थे, लेकिन नई नीति में खुफिया तंत्र को सुदृढ़ कर संभावित हमलों को पहले ही विफल करने पर जोर दिया गया है। मल्टी एजेंसी सेंटर के माध्यम से केंद्र और राज्यों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को तेज और प्रभावी बनाने का प्रयास इसी सोच का हिस्सा है। यदि विभिन्न एजेंसियों के पास मौजूद सूचनाएं समय रहते साझा हों और उन पर त्वरित कार्रवाई हो, तो कई बड़ी घटनाओं को रोका जा सकता है। नीति में अल-कायदा और आइएसआइएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों से खतरे का उल्लेख यह दर्शाता है कि भारत अपनी सुरक्षा को केवल घरेलू संदर्भ में नहीं देख रहा, बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी आकलन कर रहा है। अल कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठन डिजिटल माध्यमों से युवाओं को प्रभावित करने और उन्हें कट्टरपंथ की ओर धकेलने की रणनीति अपनाते रहे हैं। ऐसे में नीति का डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्शन, डार्क वेब और क्रिप्टो करेंसी के दुरुपयोग पर ध्यान देना समय की मांग है। आज आतंकवाद केवल बंदूक और बम तक सीमित नहीं है; यह साइबर हमलों, ड्रोन तकनीक, फेक न्यूज और ऑनलाइन भर्ती के रूप में भी सामने आ रहा है। ड्रोन हमलों और साइबर अटैक जैसी नई चुनौतियों का उल्लेख इस नीति को आधुनिक बनाता है। सीमाओं पर ड्रोन के माध्यम से हथियार और मादक पदार्थ गिराने की घटनाएं पिछले वर्षों में सामने आई हैं। साइबर हमलों के जरिए महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना को निशाना बनाया जा सकता है। रासायनिक, जैविक या परमाणु हमलों की आशंका भले ही कम हो, लेकिन उनका

प्रभाव विनाशकारी हो सकता है। इसलिए नीति में इन सभी संभावित खतरों के प्रति तैयारी और सतर्कता पर जोर दिया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि 'प्रहार' केवल वर्तमान खतरों तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी ध्यान में रखती है। आतंकी संगठनों और संगठित अपराध गिरोहों के गठजोड़ पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। कई बार आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन की व्यवस्था हवाला, मादक पदार्थों की तस्करी या अन्य आपराधिक गतिविधियों से की जाती है। यदि इन फंडिंग चैनलों को तोड़ा जाए और ओवरग्राउंड वर्कर्स के नेटवर्क को खत्म किया जाए तो आतंकवाद की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। नीति में इस दिशा में कठोर कदम उठाने की बात कही गई है। इससे आतंकवाद के आर्थिक स्रोतों पर चोट पहुंचेगी। भारत जैसे संघीय ढांचे वाले देश में कानून-व्यवस्था मुख्यतः राज्य का विषय है, जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा में केंद्र की भूमिका प्रमुख होती है। यदि दोनों स्तरों पर समन्वय में कमी हो, तो सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है। 'प्रहार' में राज्यों की एटीएस और आतंकवाद रोधी इकाइयों की क्षमता बढ़ाने, प्रशिक्षण, आधुनिकीकरण और तकनीकी संसाधनों के विस्तार पर जोर दिया गया है। इससे पूरे देश में एक समान और मजबूत आतंकवाद रोधी ढांचा तैयार किया जा सकेगा। नीति में मानवाधिकारों और कानून के शासन को बनाए रखने की बात भी महत्वपूर्ण है। आतंकवाद से लड़ाई में कठोरता आवश्यक है, लेकिन कानून की सीमाओं के भीतर रहकर ही कार्रवाई होनी चाहिए। आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया और अपील का अधिकार देना लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करता है। इससे सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन कायम रहता है। यह संदेश भी जाता है कि भारत आतंकवाद से लड़ते हुए भी अपने संवैधानिक सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगा।

कट्टरपंथ को रोकने के लिए युवाओं की समय रहते पहचान और परामर्श की व्यवस्था, जेलों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकने के उपाय तथा शिक्षा और रोजगार के माध्यम से सामाजिक कमजोरियों को दूर करने की सोच नीति को केवल सुरक्षा दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार का माध्यम भी बनाती है। यदि युवा कट्टरपंथ की ओर आकर्षित ही न हों तो आतंकवादी संगठनों की भर्ती प्रक्रिया कमजोर पड़ जाएगी। इस दृष्टि से 'प्रहार' सामाजिक भागीदारी और पुनर्वास पर भी जोर देती है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग की बात इस नीति को वैश्विक आयाम देती है। अन्य देशों के साथ सूचना साझा करना, प्रत्यर्पण समझौते और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर आतंकियों को नामित कराने के प्रयास भारत की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाते हैं। आतंकवाद आज सीमा-रहित चुनौती बन चुका है, इसलिए उसका समाधान भी वैश्विक सहयोग से ही संभव है। 2004-14 की तुलना में 2014-25 के बीच घटनाओं और हताहतों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। यह प्रवृत्ति बताती है कि सुरक्षा तंत्र ने कुछ हद तक प्रभावी काम किया है। कुल मिलाकर, 'प्रहार' केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की समग्र सोच का प्रतिबिंब है। इसमें सुरक्षा, तकनीक, सामाजिक जागरूकता, कानूनी संतुलन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समावेश है। यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया, केंद्र और राज्य एजेंसियों के बीच वास्तविक समन्वय स्थापित हुआ, और समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई तो निश्चित रूप से आतंकवाद की घटनाओं में और कमी लाई जा सकती है। यह नीति भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं को भटकाव से बचाने और राष्ट्र को स्थिर, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष

आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

प्रखर राष्ट्रभक्त क्रांतिवीर थे विनायक दामोदर सावरकर

विनायक दामोदर सावरकर एक प्रमुख भारतीय क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, लेखक, कवि, वकील तथा प्रखर राष्ट्रभक्त नेता थे। इनका जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के भागपुर गांव में मध्यवर्गीय परिवार में हुआ था। सावरकर बाल्यकाल से ही उत्कृष्ट प्रतिभा के धनी थे। स्कूली शिक्षा के दौरान ही उनका साहित्य के क्षेत्र में पदार्पण हो गया था। दस वर्ष की आयु में ही उनकी कविताएं प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित होने लगी थी। ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्रता के उद्देश्य से सावरकर ने वर्ष 1899 में मात्र 16 वर्ष की आयु में मित्र मेला नामक संगठन का गठन किया। बाद में संगठन का नाम बदलकर अभिनव भारत रख दिया गया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सावरकर लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिन चंद्र जैसे कट्टरपंथी राजनीतिक नेताओं से प्रेरित थे।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में दाखिला लिया और कला स्नातक की डिग्री हासिल की इसके बाद वह कानून की पढ़ाई करने के लिए इंग्लैंड गए। इंग्लैंड जाकर भी इस राष्ट्रभक्त

ने भारतीय छात्रों को स्वाधीनता हेतु प्रेरित किया और 1906 में फ्री इंडिया सोसाइटी की स्थापना की, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार को उखाड़ना था। वर्ष 1909 में वीर सावरकर को मिंटो मार्ले रिफार्म के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की साजिश रचने के आरोप में वारंट जारी किया गया। वर्ष 1910 में क्रांतिकारी समूह इंडिया हाउस के साथ संबंधों के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा 50 वर्ष की जेल की कठोर सजा सुनाई गई। 4 जुलाई 1911 को सावरकर को अंडमान निकोबार द्वीप सेल्यूलर जेल ले जाया गया। 27 वर्ष की आयु में सावरकर को दो बार काले पानी की सजा सुनाई गई थी। अंग्रेज सावरकर को दिनभर कोल्हू में बैल की जगह हांकते, तेल पिसवाते, रस्सी बंटवाते। इन समस्त यातनाओं को सहते हुए भी सावरकर जेल में कैदियों के भीतर राष्ट्र भक्ति की भावनाएं सुदृढ़ करते रहे। जेल की दीवारों पर इन्होंने कील और पत्थरों से 6000 राष्ट्रभक्ति से उत्प्रोत कविताएं लिख दी थी। भीषण अमानवीय यातनाओं के दौर को झेलते हुए वे जेल में बंद कैदियों को समझाते थे कि - 'धीरज रखो, एक दिन आएगा, जब यह जगह तीर्थ स्थल बन जाएगी। आज भले ही हमारा पूरे विश्व में मजाक बन रहा हो, एक समय ऐसा होगा, जब लोग कहेंगे कि देखो, इन्हीं काल कोठरियों में हिंदुस्तानी कैदी बंद थे। उन्हीं कैदियों की यहां प्रतिमाएं होंगी'। ये कलम और दिमाग दोनों से अंग्रेजों से लड़ने वाले क्रांतिकारी थे। सावरकर पहले इतिहासकार थे, जिन्होंने 1857 की लड़ाई को प्रथम स्वाधीनता संग्राम कहा था। सावरकर ने ही यह साबित किया था कि यह सैनिक विद्रोह नहीं प्रथम स्वाधीनता संग्राम था। उसने सभी अमर बलिदानियों की गाथा जन-जन तक पहुंचाई। भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने भी सावरकर द्वारा रचित प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 पुस्तक से प्रेरणा प्राप्त की। दुनिया में ऐसी कौन सी पुस्तक है जिसे प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित किया गया हो। अंग्रेज सावरकर की इस पुस्तक से इतने भयभीत थे कि उन्होंने हर एक प्रयास किया, ताकि यह पुस्तक भारत तक न पहुंच सके। और जब सावरकर की यह पुस्तक क्रांतिकारियों में पहुंची तो क्रांति की ज्वाला में घी की आहुति पड़ गई। वर्ष 1924 में जेल से रिहा होने के बाद सावरकर समाज सुधार कार्य में लग गए। यह हिंदुत्व के प्रखर चिंतक थे। सावरकर जातिवाद के घोर विरोधी थे। रत्नागिरी में इन्होंने पतित पावन मंदिर की स्थापना की और छुआछूत मिटाने का कार्य किया। इनका संपूर्ण जीवन भारतीय स्वाधीनता एवं हिंदुत्व को समर्पित रहा। सावरकर ने 1937 में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष बनकर हिंदुओं की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया था। सावरकर को ओजस्वी वक्ता के रूप में भी जाना जाता है, अपने समर्थकों पर उनकी अमिट छाप थी। सावरकर ने दृढ़ता पूर्वक यह कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और जो एक रक्त में बंधे हैं।

इनका चिंतन था कि हमारी सभ्यता और संस्कृति के आदर्श प्रत्येक भारतवासी के लिए वंदनीय हैं। सावरकर ने अपनी युवावस्था भारतीय स्वाधीनता हेतु सेलुलर जेल की काल कोठरी में कठोर अमानवीय यातनाएं सहकर मृत्यु पर्यंत भारतीय हिंदू संस्कृति के उद्धार हेतु कार्य किया। 26 फरवरी 1966 को मुंबई में इस महान देशभक्त ने अंतिम श्वास ली। निडर स्वतंत्रता सेनानी एवं हिंदुत्व के सूत्रधार सावरकर का संपूर्ण जीवन मातृभूमि को समर्पित रहा।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जन्म व मृत्यु के उपरांत समाप्त होती है यात्रा

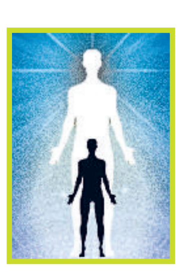

संकलित
दर्शन

शरीर में समाहित ऊर्जापुंज को आत्मा कहा गया है। यह आत्मा अनंत ऊर्जा अर्थात परमात्मा का एक अति सूक्ष्म अंशमात्र है। भौतिक जगत में रहते हुए यह भौतिक शरीर एक यात्री के सदृश होता है। शरीर के जन्म के साथ ही यात्रा प्रारंभ होती है एवं मृत्यु के उपरांत समाप्त हो जाती है। अर्थात भौतिक शरीर के लिए जीवन एक यात्रा के समतुल्य है। जन्म के साथ ही ऊर्जापुंज अर्थात आत्मा भौतिक शरीर से संयुक्त होकर उसकी यात्रा में सहयात्री की भूमिका का निर्वहन करने लगता है एवं मरणोपरांत स्वयं को यात्रा से अलग कर लेता है। यह कहा जा सकता है कि भौतिक शरीर की यात्रा का आदि और अंत स्पष्टतः ज्ञात होता है, परंतु ऊर्जापुंज जिसे आत्मा कहकर संबोधित किया जाता है, अपनी यात्रा के आदि और अंत से सर्वथा अपरिचित होता है। आत्मा की यात्रा कब और क्यों प्रारंभ हुई तथा कब और क्यों पूर्ण होगी? इन प्रश्नों का हल आज भी एक चुनौती के रूप में खड़ा है। ऊर्जापुंज अगणित भौतिक शरीरों की भौतिक यात्रा में सहयात्री की भूमिका को निभाता हुआ अपनी अनंत दिव्ययात्र को जारी रखता है। अर्थात आत्मा की इस अलौकिक यात्रा में अनंत लौकिक यात्राएं शामिल होती हैं। इस अलौकिक यात्रा के संबंध में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि यह यात्रा अनंत से प्रारंभ होकर अनंत पर ही पूर्ण होगी, किंतु अनंत को परिभाषित करना भी असंभव है। अनंत को अज्ञात का पर्याय माना जा सकता है।

जीवन में, सब ईश्वर की दया ही है

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक अमीर सेठ के यहाँ एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछाः ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोलाः आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएँ दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं।

असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हम केवल जीवन में अच्छे व उजले पक्ष को ही देखते हैं। हमें सुख, आराम पसंद है, पर दुख व कष्ट के क्षण आते ही हमारा मन विचलित होने लगता है। जीवन में सुख और दुख दोनों ही पल होते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

आखिर क्यों नहीं रुक रहे हवाई हादसे

हाल ही में रांची से दिल्ली एयर एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुखद समाचार ने हमें एक बार फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर क्यों नहीं रुक रहे एयरप्लेन हादसे। इस दुखद हादसे से यह तो साफ जाहिर है कि इनसान विज्ञान के क्षेत्र में अपने आपको बेशक तीस मार खां समझता हो, लेकिन विज्ञान के क्षेत्र में इनसान अभी भी अधूरा नजर आता है। अगर ऐसा नहीं होता तो इस अभागे विमान की तकनीकी खराबी का पहले पता लगाया जा सकता था या फिर इस विमान में अचानक खराबी कैसे आ गई? विमान बनाने वाली कंपनियां ऐसी तकनीक क्यों तैयार नहीं कर पाई है कि अगर कोई तकनीकी खराबी आती है तो मानव जिंदगियों को बचाया जा सके।

- संजय सचदेव, धमतरी

ट्रेंड

भारत माता का अपमान

मैं आपको पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं कि कृषि समझौते भारत के किसानों के हित में हैं। कुछ लोग गलतफहमी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। एआई कॉन्फ्रेंस में जाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कपड़े उतारे। ये भारत माता का अपमान है।

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

कांग्रेस की कार्यशैली

सत्ता की लालसा में राष्ट्रहित से समझौता करना कांग्रेस की पीढ़ीगत कार्यशैली रही है। आज भी इनके नेता देश और विदेशी धरती पर जाकर भारत की साख को धूमिल करने तथा दुश्मन देशों से मदद की गुहार लगाने में संकोच नहीं करते।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

सच्चाई जनता को बताएं

निवेश के नए आंकड़े देने से पहले पुराने समझौतों की सच्चाई जनता को बताइए। यूपी की भाजपा सरकार ने दिखाए तो करोड़ों के एमओयू लेकिन ज़मीन पर इनके बनाये हवाई अड्डों की तरह कुछ भी नहीं उतरा।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

तकनीकी इस्तेमाल

अगर चीन रोबोट का इस्तेमाल कचरा इकट्ठा करने, सीवर साफ करने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को नियंत्रित करने के लिए कर सकता है, तो हम क्यों नहीं? आइए, तकनीकी विशेषज्ञों, इस चुनौती को स्वीकार करें - कचरे को धन में बदलें और एक स्वच्छ और हरा-भरा शहर बनाएं।

- किरण मजूमदार, उद्यमी

करंट अफेयर

टेलीग्राम ऐप के संस्थापक पावेल के खिलाफ जांच शुरू

टेलीग्राम ऐप के संस्थापक पावेल डुरोव ने मंगलवार को दावा किया कि रूस की सरकार ने उनके खिलाफ /"आतंकवादी गतिविधियों में सहायता करने/" के आरोप में आपराधिक जांच शुरू की है। रूस में जन्मे और इसी देश में अपना कॅरियर शुरू करने वाले डुरोव ने मॉस्को पर आरोप लगाया कि वह टेलीग्राम तक रूसी नागरिकों की पहुंच सीमित करने के लिए मनगढ़ंत बहाने बना रहा है। रूसी मीडिया में इससे पहले अपुष्ट खबरें आई थीं कि रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने डुरोव के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू कर दी है। यह घटनाक्रम उस बयान के दो सप्ताह बाद सामने आया है जब रूस के संचार नियामक रोसकॉमनादजोर ने टेलीग्राम पर प्रतिबंधात्मक कदम उठाने की घोषणा की थी और इस ऐप पर रूसी कानूनों का पालन न करने का आरोप लगाया था। टेलीग्राम पर कार्रवाई के फैसले से देश में असामान्य सार्वजनिक विरोध देखने को मिला। यहां तक कि क्रेमलिन समर्थित कई सैन्य ब्लॉग लेखकों ने भी इसकी आलोचना की और चेतावनी दी कि यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के बीच टेलीग्राम व्यापक रूप से इस्तेमाल होता है, ऐसे में इसकी सेवाओं में बाधा सैन्य संचार को प्रभावित कर सकती है। इसके बावजूद रूसी अधिकारी टेलीग्राम को सुरक्षा के लिए जोखिम बताते आ रहे हैं।

ऑफ बीट

पढ़े-लिखे व विज्ञान समर्थकों का भी अंधविश्वास पर भरोसा

बचपन में हममें से कई लोगों को बताया जाता है कि बाल गीले होने पर बाहर निकलने से सर्दी लग जाती है। बड़े होने पर भी हम बाहर जाने से पहले बाल अच्छी तरह सुखाने में अतिरिक्त समय लगा देते हैं। अंग्रेजी भाषी देशों में कई ऊंची इमारतों में 13वीं मंजिल को अंकित नहीं किया जाता, जबकि पूर्वी एशिया में अक्सर चौथी मंजिल को छोड़ दिया जाता है। यदि जिस खिलाड़ी का मैं समर्थन करता हूं और वह लगातार जीत रहा हो तथा कोई कमेंटेटर उसका जिक्र कर दे, तो मुझे लगता है कि अब अपशगुन हो जाएगा और उसकी जीत का सिलसिला टूट जाएगा। ये सब अंधविश्वास और पारंपरिक मान्यताएं हैं। विज्ञान के प्रति जागरूक समाज होने के बावजूद ये मान्यताएं कायम रहती हैं। सवाल यह है कि ऐसा क्यों होता है और क्या इसमें कोई नुकसान है? ऐसी कई मान्यताओं की जड़ें पुराने चिकित्सा और सांस्कृतिक विश्वासों में हैं। प्राचीन यूनानी और चीनी चिकित्सा में स्वास्थ्य को शरीर और पर्यावरण के संतुलन से जोड़ा जाता था। तापमान को बीमारी का कारण माना जाता था। आज विज्ञान स्पष्ट करता है कि सर्दी-जुकाम का मुख्य कारण वायरस है। हालांकि कुछ शोध बताते हैं कि ठंड में शरीर वायरस के प्रति थोड़ा अधिक संवेदनशील हो सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि गीले बाल ही बीमारी का कारण बनते हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से **aapkepatra.haribhoomi@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

पवन खेड़ा बोले- एपस्टीन फाइल्स से 2014–2017 की क्रोनोलॉजी उजागर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एकबार फिर हमला बोला। बहाना बना है कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन। भारत से जेफरी के बीच संबंधों की क्रोनोलॉजी पेश करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा है कि भारत के महत्वपूर्ण फैसले विदेशी लॉबी और बिचौलियों के इशारे पर लिए जा रहे हैं।

पार्टी ने दावा किया कि वर्ष 2014 के बाद पश्चिम एशिया को लेकर भारत की पुरानी विदेश नीति की दिशा अमेरिका-इजराइल लॉबी के प्रभाव में बदल गई है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और एपस्टीन जैसे लोग पीएम मोदी को एक रोबोट की तरह देखते हैं। उन्होंने कहा कि एपस्टीन फाइल्स से यह खुलासा होता है कि अमेरिकी-इजरायली लॉबी के दबाव में भारत की दशकों

पुरानी संतुलित दो राष्ट्र समाधान की विदेश नीति को बदल दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे हालात में इजराइल गए हैं जब अमेरिका कभी भी भारत के पुराने साथी ईरान पर हमला कर सकता है। इससे पहले ही वे ट्रंप की धमकियों से डरकर ईरान और रूस से तेल आयात करना बंद कर चुके हैं। खेड़ा ने मोदी सरकार में एपस्टीन के दखल का दावा करते हुए 2017 की कुछ महत्वपूर्ण ईमेल्स का विवरण पेश किया। उन्होंने कहा कि 4 जनवरी 2017 को हरदीप सिंह पुरी ने एपस्टीन को मिलने के लिए मेल भेजा। फरवरी 2017 में एपस्टीन ने अनिल अंबानी का परिचय इजरायल के पूर्व पीएम एहुद बराक से करवाया। मार्च 2017 में अनिल अंबानी ने एपस्टीन से अमेरिका के साथ रक्षा सहयोग को लेकर सलाह मांगी, जिसके बदले में भारत का पूरा बाजार देने की बात कही गई। इसके बाद एपस्टीन ने एहुद बराक को मेल कर पूछा कि अमेरिका के रक्षा मामलों में भारत की क्या भूमिका हो सकती है? खेड़ा ने पूछा कि अंबानी किसके कहने पर एपस्टीन से यह बातचीत कर रहे थे। खेड़ा ने आगे कहा कि 15-18 मई 2017 को फिलिस्तीन के राष्ट्राध्यक्ष महमूद अब्बास भारत आए। यह अमेरिका, एपस्टीन, नेतन्याहू और एहुद बराक को पसंद नहीं आया। इस पर एपस्टीन ने हरदीप पुरी से नाराजगी जताई। इसके बाद 25-26 जून 2017 को मोदी अमेरिका गए, फिर 4-6 जुलाई 2017 को इजराइल गए लेकिन फिलिस्तीन नहीं गए। 6 जुलाई 2017 को एपस्टीन ने कतर के बिजनेसमैन जाबोर वाई को लिखा कि 'भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने सलाह मानी और अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए इजराइल में नृत्य और गायन किया। यह कारगर साबित हुआ'। खेड़ा ने बताया कि 29 मार्च 2017 की एपस्टीन की एक ईमेल के मुताबिक पीएम मोदी की पूरी अमेरिका और इजराइल यात्रा 'इजराइल स्ट्रेटजी' को आगे बढ़ाने के लिए थी। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि भारत की विदेश नीति तय करने में भारतीय विदेश मंत्रालय और राजदूतों की कोई भूमिका नहीं थी। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 2017 की इजराइल यात्रा और तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप से उनकी मुलाकात का एजेंडा एपस्टीन और इजराइल के पूर्व पीएम एहुद बराक तय कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब रोबोट प्रधानमंत्री का कंट्रोल ही गलत हाथों में होगा तो सही काम कैसे होगा, सही विदेश नीति कैसे तय होगी? कांग्रेस नेता ने बताया कि 2017 के बाद भारत के इजरायल के साथ हुए अरबों डॉलर के रक्षा सौदे और समझौते इसी नेटवर्क का परिणाम हैं। खेड़ा ने कहा कि भारत के टैक्सपेयर्स का पैसा कहां इस्तेमाल होगा, यह एपस्टीन तय कर रहा था, जिसमें हरदीप पुरी और अनिल अंबानी उसकी मदद कर रहे थे। कांग्रेस नेता ने व्हाइट हाउस के तत्कालीन मुख्य रणनीतिकार स्टीव बैनन और एपस्टीन के बीच हुई बातचीत का भी हवाला दिया, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक तय करने की बातें कही गई थीं। उन्होंने बताया कि एपस्टीन ने स्टीव बैनन से कहा था कि उन्हें मोदी से मिलना चाहिए। वह उन दोनों की बैठक करवा सकते हैं। पवन खेड़ा ने प्रमुख सवाल किए कि क्या भारत का रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय सिर्फ रबर स्टैंप बनकर रह गए थे? क्या एक विदेशी यौन अपराधी (एपस्टीन) यह तय कर रहा था कि भारत अमेरिका से जेट इंजन खरीदेगा या नहीं? अनिल अंबानी किसके संदेशवाहक के तौर पर एपस्टीन और स्टीव बैनन से मिलने की जल्दी में थे? खेड़ा ने तीखे शब्दों में कहा कि भले ही एपस्टीन मर चुका हो, लेकिन उसकी सोच और उसके द्वारा बुना गया नेटवर्क आज भी मोदी सरकार की नीतियों में जिंदा है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्रों को रक्षा सौदों में शामिल करना इस पूरी लॉबी का मुख्य उद्देश्य था क्योंकि वह सरकारी क्षेत्र को भ्रष्ट मानती थी।

खबर संक्षेप

गाजियाबाद के ग्रीन फील्ड स्कूल में घुसा तेंदुआ

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद के गोविंदपुरम के ग्रीन फील्ड स्कूल में तेंदुए की सूचना है। इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। एहतियात के तौर पर बैरिकेडिंग करके सुरक्षा इंतजाम किए गए। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची है। पुलिस सुरक्षा के इंतजाम कर रही है। 7 घंटे बाद उसे बाहर निकालने की खबर है।

पंजाब के निजी विवि का कुलपति बर्खास्त

लुधियाना। पंजाब के जगराओं स्थित सीटी विवि के कुलपति को रमजान में विशेष भोजन व्यवस्था की मांग करने वाले कश्मीरी मुस्लिम छात्रों के साथ दुर्व्यवहार,धमकी देने के आरोपों के बाद बर्खास्त कर दिया गया है।जिला प्रशासन ने पुलिस व सामुदायिक नेताओं के समन्वय से स्थिति को शांत करने के लिए हस्तक्षेप किया।

झारखंड के पूर्व सीएम चंपई के पोते की मौत

शिमला। पर्यटन नगरी के एक होमस्टे में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के 22 वर्षीय पोते की मौत हो गई है। सोमवार दोपहर को वह बिस्तर से गिरा। जिसके बाद अस्पताल ले जाते वक्त मुंह से झाग निकली। अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया।

सीजेआई ने अरमानों पर फेरा पानी, कहा- सर्टिफिकेट भी दिखाना होगा

10वीं के एडमिट कार्ड पर वोटर-आई डी स्वतंत्र पहचान पत्र नहीं, यह केवल सहायक दस्तावेज मान्य

इससे दस्तावेजी धोखाधड़ी की गुंजाइश कम होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चल रही चुनाव आयोग के एसआईआर के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण कानूनी स्पष्टीकरण जारी किया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह साफ कर दिया है कि 10वी क्लास का एडमिट कार्ड अपने आप में एक स्वतंत्र पहचान पत्र नहीं होगा बल्कि इसे केवल एक सहायक दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

यह फैसला उन हजारों नागरिकों के लिए बड़ी राहत और स्पष्टता लेकर आया है जो अपनी पहचान साबित करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। अदालत ने स्पष्ट किया कि एडमिट कार्ड तभी वैध माना जाएगा जब उसके साथ संबंधित पास सर्टिफिकेट भी संलग्न हो। सीजेआई के नेतृत्व वाली बेंच ने यह आदेश वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू द्वारा उठाए गए संशय के बाद दिया। इस फैसले का सीधा असर बंगाल में चल रहे सत्यापन कार्य की पारदर्शिता और प्रमाणिकता पर पड़ेगा, जिससे दस्तावेजी धोखाधड़ी की गुंजाइश कम होगी।

बंगाल में एसआईआर के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला दिया

सुप्रीम कोर्ट

अदालत किसी भी प्रकार की ढिलाई या अस्पष्टता के पक्ष में नहीं

सुप्रीम कोर्ट का यह स्पष्टीकरण प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने वाला है। सीजेआई के इस रुख से यह स्पष्ट है कि पहचान सत्यापन जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अदालत किसी भी प्रकार की ढिलाई या अस्पष्टता के पक्ष में नहीं है। यह आदेश बंगाल के नागरिकों के लिए प्रक्रिया को और अधिक सटीक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सुनवाई के दौरान सीजेआई, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पांचोली की पीठ ने स्पष्टता पर जोर दिया। मामले का उल्लेख तब हुआ जब वकील ने यह चिंता जताई कि क्या 10वीं के एडमिट कार्ड को 'स्टैंडअलोन' (अकेला) पहचान पत्र माना जा सकता है।

कोर्ट ने यह भी कहा

- सप्लीमेंट्री डॉक्यूमेंट: अदालत ने दोहराया कि एडमिट कार्ड को प्राथमिक पहचान पत्र नहीं माना जा सकता। यह केवल मुख्य दस्तावेजों की पुष्टि के लिए एक सहायक कागज होगा।
- सर्टिफिकेट अनिवार्य: पहचान सत्यापन के लिए एडमिट कार्ड के साथ कक्षा 10 का 'पास सर्टिफिकेट'होना अनिवार्य है। बिना सर्टिफिकेट के केवल एडमिट कार्ड पेश करना पर्याप्त नहीं होगा।
- एसआईआर में पारदर्शिता: इस आदेश का उद्देश्य पश्चिम बंगाल में चल रहे एसआईआर अभ्यास में किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति को रोकना है।

बंगाल एसआईआर और पहचान का संकट

बंगाल में पहचान सत्यापन की प्रक्रिया लंबे समय से कानूनी और प्रशासनिक चर्चाओं में रही है। कई मामलों में पुराने एडमिट कार्ड्स को ही उम्र और पहचान का एकमात्र प्रमाण मान लिया जाता था। सीजेआई के इस आदेश ने अब उस लीगल लूपहोल को बंद कर दिया है। यह आदेश सुनिश्चित करता है कि केवल प्रमाणित शैक्षणिक रिकॉर्ड ही सरकारी डेटाबेस का हिस्सा बनें।

बंगाल में एसआईआर पर अब भाजपा का सवाल

पूर्व मुख्य सचिव की गिरफ्तारी की मांग उठाई

बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर जहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पहले से ही हंगामा कर रही है, वहीं अब इस विवाद में विपक्षी भाजपा भी कूद पड़ी है। भाजपा ने एसआईआर पर एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्व मुख्य सचिव मनोज पंत की मौजूदगी को लेकर सवाल खड़े किए हैं और इसे पूरी तरह अवैध करार देते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने उत्तर 24 परगना के बारासात में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य की टीएमसी पर न्यायपालिका को प्रभावित करने की कोशिश का आरोप लगाया।उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि बैठक केवल निर्धारित अधिकारियों के साथ होनी चाहिए, जिसमें राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक हों।

ममता की मौजूदगी पर भी बवाल

यह पहली बार नहीं है जब मनोज पंत की मौजूदगी को लेकर विवाद हुआ हो। इससे पहले भी मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान उनकी मौजूदगी पर सवाल उठे थे। कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के बाहर मंगलवार को उस समय तनाव फैल गया जब नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी वहां पहुंचे। आरोप है कि कुछ टीएमसी समर्थक बूथ लेवल अधिकारियों ने गो बैक के नारे लगाए और कथित तौर पर जूता भी फेंका, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई।

टीएमसी बोली- ऐसी घटनाओं का समर्थन नहीं करते

पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा और इस दौरान एक व्यक्ति के घायल होने की खबर है। वहीं, टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी इस तरह की घटनाओं का समर्थन नहीं करती, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि सुवेंदु अधिकारी लगातार लोगों को उकसा रहे हैं, जिसके चलते ऐसी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

भारतीय सोलर मॉड्यूल पर 128 फीसदी अमेरिकी शुल्क पर जयराम ने उठाए सवाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं महासचिव जयराम रमेश ने अमेरिका द्वारा भारतीय सोलर मॉड्यूल के आयात पर 125.87 प्रतिशत शुल्क लगाने के फैसले पर केंद्र को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने इसे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की भावना के विपरीत बताते हुए इसे 'एकतरफा और भारत के हितों के खिलाफ' करार दिया। ट्रंप के फैसले पर सवाल रमेश ने 'एक्स' पर कहा कि ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिका द्वारा इतनी ऊंची दर से शुल्क लगाना इस बात का संकेत है कि समझौते को लेकर किए जा रहे दावों में गंभीर विसंगतियां हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह कदम उस 'मित्रता' और 'मजबूत व्यापारिक संबंधों' के अनुरूप है, जिनका उल्लेख हाल में नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच हुआ था।

समझौता एकतरफा

रमेश ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित या चर्चित व्यापार समझौता भारत के लिए संतुलित नहीं है। भारत की ओर से अमेरिकी आयात को आसान बनाया जा रहा है, जबकि भारतीय निर्यात अमेरिकी राष्ट्रपति की मनमर्जी पर निर्भर रहेगा। रमेश ने कहा कि यदि भारतीय सोलर उद्योग पर इतना भारी शुल्क लगाया जाता है तो इससे घरेलू विनिर्माण क्षेत्र, निर्यातक कंपनियां और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को झटका लगेगा।

किसानों पर असर की आशंका

उन्होंने यह भी दावा किया कि समझौते से लाखों किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। कृषि क्षेत्रों में आयात उदारीकरण से भारतीय किसानों की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति कमजोर हो सकती है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कौशल सिंह, पुत्र स्वर्गीय श्री केदार सिंह निवासी ए-4, लायन एन्क्लेव, विकास नगर, उत्तम नगर, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 37/2026 भा.द.सं. की धारा 376/506/376(2)(एफ)/376(2)(एन)/354/354सी/499 और 06, 10 पोक्सो एक्ट और 66ई/67/67ए आईटी एक्ट के तहत, थाना रनहौला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **कौशल सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **कौशल सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 37/2026 भा.द.सं. की धारा 376/506/376(2)(एफ)/376(2)(एन)/354/354सी/499 और 06, 10 पोक्सो एक्ट और 66ई/67/67ए आईटी एक्ट के तहत, थाना रनहौला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **कौशल सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.04.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अंकित मेहता
अतिरिक्त सत्र न्यायधीश(एससी-पोक्सो)-02, कमरा नं.229
पश्चिम जिला, तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली
DP/2463/OD/2026

गांधी परिवार पूरी तरह से एक 'कॉम्प्रोमाइज्ड राजनीतिक परिवार': पीयूष गोयल

राहुल गांधी, सोरोस और इल्हान उमर जैसी देशविरोधी शक्तियों के पपेट बनकर देशहित से कॉम्प्रोमाइज कर रहे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल ने बुधवार को भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस की 'कॉम्प्रोमाइज्ड' राजनीति की जमकर आलोचना की। गोयल ने कहा कि देश के सामने यह स्पष्ट हो चुका है कि गांधी परिवार एक 'कॉम्प्रोमाइज्ड राजनीतिक परिवार' है, जिसने अपने पूरे राजनीतिक इतिहास में बार-बार राष्ट्रहित, जनहित और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता किया है।

विदेशी ताकतों के प्रभाव में जनहित और राष्ट्रहित को कॉम्प्रोमाइज करने वाली और देश को अपनी जागीर समझने वाली 'कॉम्प्रोमाइज्ड कांग्रेस' को देश की जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। गोयल ने कहा कि राहुल गांधी यानी 'कॉम्प्रोमाइज' और गांधी परिवार पूरी तरह से एक कॉम्प्रोमाइज्ड परिवार है जो कॉम्प्रोमाइज्ड कांग्रेस का नेतृत्व कर रहा है। कांग्रेस का इतिहास और वर्तमान, दोनों देखें तो भ्रष्टाचार के अलग-

अलग किस्सों से लेकर निर्णयों तक, हर स्तर पर कॉम्प्रोमाइज की मानसिकता दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि विदेशी ताकतों के प्रभाव में जनहित और राष्ट्रहित के साथ कॉम्प्रोमाइज करने से लेकर देश और देशवासियों के उज्ज्वल भविष्य को कॉम्प्रोमाइज करने तक, इसके अनेक उदाहरण देश और जनता के सामने मौजूद हैं। राहुल गांधी नकारात्मक राजनीति के पोस्टर बॉय बन गए हैं। वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी का किस प्रकार की देशविरोधी ताकतों से संबंध रहा है, यह सब जानते हैं। राहुल गांधी, जॉर्ज सोरोस की करीबी इल्हान उमर से मिलने हैं, लद्दाख के सीमावर्ती संवेदनशील क्षेत्र में जाकर शाकिर मेराली जैसे विदेशी तत्वों से संपर्क रखते हैं, जो भारत के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं। जॉर्ज सोरोस से और चीन व पाकिस्तान जैसे देशों से जुड़े व्यक्तियों के साथ संपर्क कर राहुल गांधी देश के हितों को कॉम्प्रोमाइज करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी ने देश और दुनिया के सामने ओछी राजनीति का परिचय दिया है। राहुल गांधी, विदेशी शक्तियों के पपेट के रूप में कार्य कर रहे हैं और कॉम्प्रोमाइज्ड राहुल गांधी और गांधी परिवार का यह व्यवहार संसद में, संसद के बाहर और प्रेस कॉन्फ्रेंस में, हर जगह देखने को मिल जाता है। प्रेस के साथ उनका व्यवहार देश ने देखा है, जहां कोई असहज प्रश्न पूछे जाने पर संबंधित पत्रकार को बीजेपी से जुड़ा हुआ करार दे दिया जाता है। उन्हें केवल क्यूरेटेड प्रेस कॉन्फ्रेंस चाहिए, जहां लिखित और पूर्व निर्धारित प्रश्नों के अतिरिक्त कोई सवाल स्वीकार नहीं किया जाता। ऐसा व्यक्ति कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व कर रहा है, जो देश के साथ खिलवाड़ कर रहा है और देशवासियों के हितों को दांव पर लगा रहा है। आज के नए भारत, उभरती अर्थव्यवस्था और वैश्विक मंच पर बढ़ते भारत के वर्चस्व तथा आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की लोकप्रियता को कांग्रेस और राहुल गांधी सहन नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए झूठ पर झूठ बोलकर देश और राष्ट्रहित को बार-बार कॉम्प्रोमाइज करते हैं।

गोयल ने कहा कि यह केवल आज का किस्सा नहीं है, देश ने देखा है कि डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान भी राहुल गांधी और सोनिया गांधी, अतिरिक्त संवैधानिक शक्तियां अपने हाथ में रखते थे। कभी कैबिनेट के निर्णय को प्रेस के सामने फाड़कर देश के प्रधानमंत्री को अपमानित करना, नेशनल एडवाइजरी काउंसिल के माध्यम से सरकार चलाकर लेफ्टिस्ट आइडियोलॉजी देश पर थोपना, सोनिया गांधी और राहुल गांधी एक समानांतर कैबिनेट चलाते थे, जिसके माध्यम से देश के हितों को कॉम्प्रोमाइज किया जाता था। केवल सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने ही देश को कॉम्प्रोमाइज नहीं किया, बल्कि सुपर पीएम की तरह राजनीति चलाकर देश को कॉम्प्रोमाइज करने की परंपरा पहले से रही है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् गंजबासौदा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्र/PWD/2026/1015 **गंजबासौदा दिनांक 24/02/2026**

नगर पालिका परिषद् गंजबासौदा द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदा का आमंत्रण किया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है-

ई-निविदा क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य	ई-निविदा क्रय अंतिम दिनांक
2026_UAD_484246_1	Interception and diversion of Nallahs with STP works project of Ganjbasoda Town under SBM 2.0	19,36,31,000.00	968155.00	30000.00	09.03.2026

निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड, करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्तें एवं जानकारी mptenders.gov.in से एवं नगर पालिका परिषद् गंजबासौदा की लोनिवि शाखा से प्राप्त की जा सकती हैं। इसके बाद किसी प्रकार का संशोधन होने पर बेवसाईट पर या कार्यालय से जानकारी प्राप्त होगी संशोधन का प्रकाशन समाचार पत्र में नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गंजबासौदा

हरियाणा सरकार शिक्षा के क्षेत्र में दिखावे की बजाय ठोस कदम उठाए

हजारों सरकारी स्कूल आज भी इंटरनेट कनेक्शन से वंचित, कैसे चलेंगे स्मार्ट क्लास : सैलजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के सरकारी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा की वास्तविक स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन पढ़ाई के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि हजारों सरकारी स्कूल आज भी इंटरनेट कनेक्शन से वंचित हैं।

उन्होंने बताया कि कई स्कूलों में कंप्यूटर लैब और स्मार्ट बोर्ड तो स्थापित कर दिए गए हैं, लेकिन इंटरनेट कनेक्टिविटी के अभाव में वे धूल फांक रहे हैं। ऐसे में डिजिटल शिक्षा के दावे खोखले साबित हो रहे हैं और सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी आधुनिक शिक्षा से पीछे रह जा रहे हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश सरकार से मांग की कि सभी सरकारी स्कूलों में तत्काल भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाए और डिजिटल ढांचे की वास्तविक समीक्षा कर उसे पूरी तरह कार्यशील बनाया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में दिखावे की बजाय ठोस कदम उठाना समय की मांग है।

हरियाणा सरकार **निविदा सूचना**

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	सूचना, लोक सम्पर्क एवं भाषाएं निदेशालय हरियाणा	हरियाणा सरकार की स्कीमों, कार्यक्रमों इत्यादि के बारे में जानकारी फ्लैक्स, होर्डिंग्स, विनायल (सॉल्वेंट) प्रिंट इत्यादि के लिए बोलियों के आमंत्रण हेतु ई-निविदा सूचना।	26.02.2026 17.03.2026	ईएमडी 4 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0172-5059128 diprexhibition@gmail.com
2	हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग पंचकूला	एचएसएससी को टेंट सम्बन्धित सेवाओं का प्रावधान।	24.02.2026 02.03.2026	ईएमडी 1 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9814201658 hsscresultpublication@gmail.com
3	लोनिवि भ व प गुरूग्राम	झज्जर जिले में सेक्टर-13 बहादुरगढ़ में रेवेन्यू ऑफिसर्स/ऑफिशियल्स हेतु 1 अदद 1900 वर्गफुट, 1 अदद 1300 वर्गफुट, 5 अदद 950 वर्गफुट, 22 अदद 650 वर्गफुट और 12 अदद 550 वर्गफुट के लैंडस्केपिंग कार्य का विकास। (फेज-II बकाया कार्य)।	24.02.2026 05.03.2026	6.39 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9717214202 zilesinghhort@gmail.com
4	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी हांसी	कोठ कलां :- गांव कोठ कलां जिला हिसार में डीआई पाइप लाइन बिछाने हेतु आकलन। 'गांव कोठकलां में डीआई पाइप लाइन बिछाना और उससे सम्बद्ध अन्य सभी कार्य।'	20.02.2026 02.03.2026	50.65 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1663256145 eehansi@gmail.com
5	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, पानीपत	यमुना नदी बाढ़ 2025 के पश्चात 2 अदद नये स्टोन स्टड्स का निर्माण, 2 अदद पुराने स्टोन स्टड्स की मरम्मत और 2500 फुट स्टोन रिवर्टमेंट द्वारा खोजकीपुर कॉम्पलैक्स में सुरक्षा कार्य का प्रावधान + 4 कार्य।	बंद होने की तिथि 06.03.2026	1007.74 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466159501 xenpwsdiv@yahoo.in
6	पंचायती राज ब्लॉक झोझू कलां	गांव चांगरोड में डीपी होशियार से मेन फिरनी तक गली का निर्माण (स्कीम-एफएफसी)।	23.02.2026 03.03.2026	6.00 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9582622008 sdoprjhojhukalan@gmail.com
7	पंचायती राज भिवानी	गांव डांग खुर्द ब्लॉक तोशाम में पंचायत घर के निकट अम्बेडकर भवन का निर्माण, एचजीवीवाई + 1 कार्य।	24.02.2026 02.03.2026	34.11 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच-11/2026/140/43349/I/88/7 दि. 25.02.26

खबर संक्षेप

भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर तेज गति से बढ़ रही है : गुप्ता

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि उच्च, स्थिर और बढ़ती वृद्धि दर के साथ-साथ अधिक अनुकूल आर्थिक परिणाम भारतीय अर्थव्यवस्था की पहचान बन गए हैं। गुप्ता ने 20 फरवरी को सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ के 14वें स्थापना दिवस पर व्याख्यान में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार बेहतर होती वृद्धि दर की दिशा में आगे बढ़ रही है।

भारत खाद्य प्रसंस्करण क्षमता दोगुना करेगा

नई दिल्ली। सरकार का लक्ष्य अगले छह से सात वर्षों में देश की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता को मौजूदा 12-13 प्रतिशत से बढ़ाकर दोगुना करने का है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव अविनाश जोशी ने कहा कि प्रसंस्करण क्षमता दोगुनी होने से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे और किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

एएमडी से एआई चिप खरीदेगी मेटा

न्यूयॉर्क। फेसबुक की मूल कंपनी ''मेटा प्लेटफॉर्म्स'' ने एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेस से एआई चिप खरीदने का समझौता किया है। इस समझौते के तहत मेटा को इस चिप विनिर्माता कंपनी में 10 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी खरीदने का विकल्प भी मिलेगा। मेटा अपने डेटा केंद्रों की क्षमता बढ़ाने के लिए एएमडी की नवीनतम चिप ''एमआई450'' खरीदेगी। इस समझौते के तहत चिप की पहली खेप इस साल की दूसरी छमाही में आने की उम्मीद है। यह पूरा समझौता 100 अरब डॉलर से अधिक का हो सकता है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भू-राजनीतिक तनाव के कारण महंगाई का दबाव बढ़ने लगा

निकट भविष्य में रेपो दर में बढ़ोतरी की संभावना नगण्य : आरबीआई एमपीसी सदस्य

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के बाहरी सदस्य सौगत भट्टाचार्य ने बुधवार को कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण महंगाई का दबाव बढ़ने के बावजूद निकट भविष्य में नीतिगत ब्याज दर (रेपो) में वृद्धि की संभावना ''नगण्य'' है। उन्होंने कहा कि मौसम संबंधी जोखिम, धातुओं की बढ़ती कीमतें और भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल के ऊंचे दाम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई को प्रभावित कर सकते हैं।

सौगत भट्टाचार्य ने 'पीटीआई-भाषा' को ईमेल के जरिये दिए साक्षात्कार में कहा, '' निकट अवधि में रेपो दर बढ़ाने की जरूरत पड़ने की संभावना मुझे नगण्य दिखती है।'' भट्टाचार्य और एमपीसी के अन्य पांच सदस्यों ने इस महीने की शुरुआत में हुई बैठक में सर्वसम्मति से नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया था।

खास बातें

- मौसम संबंधी जोखिम बढ़ने से किसानों की परेशानी बढ़ेगी
- वैश्विक तनाव से धातुओं और कच्चे तेल की कीमतें प्रभावित होगी
- अर्थव्यवस्था में अत्यधिक तेजी के कोई संकेत नहीं

भारत का क्षमता उपयोग लगभग 75 फीसदी पर

भट्टाचार्य ने कहा कि क्षमता उपयोग लगभग 75 प्रतिशत पर है, हालांकि, कुछ क्षेत्रों में यह अधिक है। वृद्धि पर उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग दो-तिहाई हिस्सा घरेलू खपत से आता है और यही वृद्धि का प्रमुख चालक बना रहेगा, हालांकि टिकाऊ विस्तार के लिए घरेलू एवं बाहरी दोनों मांग जरूरी हैं।

मुद्रास्फीति चार फीसदी लक्ष्य की ओर

महंगाई पर उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य की ओर बढ़ सकती है। इसकी एक वजह वित्त वर्ष 2025-26 में कुल (और सब्जियों) मुद्रास्फीति की गिरती कीमत का आधार प्रभाव है, जो अब उलट सकता है। दूसरी वजह कीमती धातुओं की कीमतों का प्रभाव है। हालांकि, इन कारकों को छोड़ दें तो अंतर्निहित महंगाई संतुलित रहने की उम्मीद है।

कुल रेपो दर में 1.25 फीसदी की कटौती हुई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने 'तटस्थ' नीतिगत रुख को भी बनाए रखा था जिससे संकेत मिलता है कि दरें कुछ समय तक निचले स्तर पर रह सकती हैं। उन्होंने कहा कि कई प्रोत्साहन उपायों के बावजूद अर्थव्यवस्था में अत्यधिक तेजी के कोई संकेत नहीं हैं। केंद्रीय बैंक ने फरवरी, 2025 से अब तक रेपो दर में कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की है, जो 2019 के बाद सबसे आक्रामक नरमी चक्र माना जा रहा है।

भारत अपने निर्यात में विविधता लेकर आया

वैश्विक व्यापार पर उन्होंने कहा कि अमेरिका के जवाबी शुल्क संबंधी फैसलों के बाद स्थिति अभी प्रारंभिक चरण में है और प्रतिस्पर्धी देशों के साथ शुल्क प्रतिस्पर्धा का संतुलन बनना बाकी है। उन्होंने कहा, '' हम अमेरिका के साथ शुल्क और व्यापार समझौतों के किसी संतुलन पर पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, व्यापार आंकड़े दिखाते हैं कि भारतीय निर्यातक (कुछ क्षेत्रों को छोड़कर) अपने बाजारों में विविधता लेकर आए हैं।''

सूचकांक बदलने से अब नीतिगत निर्णय सटीक होंगे

आगामी नई जीडीपी, सीपीआई और आईआईपी (औद्योगिक उत्पादन सूचकांक) श्रृंखला पर उन्होंने कहा कि संशोधित पद्धतियां और अद्यतन सर्वेक्षण अर्थव्यवस्था की मौजूदा संरचना को बेहतर ढंग से दर्शाएंगे और नीतिगत निर्णयों को अधिक सटीक बनाने में मदद करेंगे।

वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण चांदी 7000 रुपये चढ़ी

- सोना 1000 रुपए मजबूत होकर 1,64,000 रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख और सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्तियों की खरीदारी जारी रहने से बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। चांदी 2.66 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर और सोना 1.64 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, चांदी मंगलवार के 2,57,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 7,000 रुपये या दो प्रतिशत बढ़कर 2,66,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गई। लगातार पांचवें सत्र में अपनी बढ़त जारी रखते हुए, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,000 रुपये या लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 1,64,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गया। पिछले सत्र में यह 1,63,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अमेरिकी व्यापार नीति को लेकर लगातार अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण कीमती धातुओं में सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी का धन प्रवाह बना रहा, जिससे बुधवार को सोने में मामूली बढ़त बनी रही।

बाजार की निगरानी बढ़ाने में एआई की भूमिका होगी अहम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि प्रौद्योगिकी, खासकर कृत्रिम मेधा (एआई) बाजार निगरानी को मजबूत करने, जोखिम प्रबंधन बेहतर करने और निवेशकों में जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। सेबी प्रमुख ने यहां आयोजित 'कोटक इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस' में वैश्विक एवं घरेलू संस्थागत निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ने के साथ वृद्धि का अगला चरण केवल कारोबार की मात्रा और मूल्यांकन से नहीं, बल्कि बाजार की गुणवत्ता, कॉरपोरेट संचालन, पारदर्शिता, तरलता और संस्थागत मजबूती से तय होगा। चेयमैन ने कहा, /''प्रौद्योगिकी, जिसमें एआई भी शामिल है, निगरानी प्रणाली को सशक्त बनाने, जोखिम प्रबंधन सुधारने और पारदर्शिता बढ़ाने में बढ़ती भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सेबी का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि बाजार अच्छे समय में सुचारु रूप से काम करे और अस्थिरता के दौर में भी मजबूत बने रहें।

मार्केट न्यूज

फिल्म 'अस्सी' और 'आई मंत्रा' आई ड्रॉप्स मनोरंजन और आयुर्वेदिक देखभाल का खास मेल

चण्डीगढ़। सामाजिक विषयों पर आधारित सशक्त फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले अनुभव सिंहा ने फिल्म अस्सी का निर्देशन किया है। फिल्म की कहानी बनारस के अस्सी घाट की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहाँ परंपरा और आधुनिक सोच के बीच टकराव को दर्शाया गया है। फिल्म में प्रतिभाशाली अभिनेत्री तापसी पन्नु ने मुख्य किरदार 'रावी' की भूमिका निभाई है। वहीं, प्रमोशन के दौरान तापसी पन्नु ने कहा कि थकी और सुस्त आंखों से सच्चाई नहीं ढूंढी जा सकती, उसके लिए चाहिए तेज़ और साफ नज़र। जो मिलती है आई मंत्रा आई ड्रॉप्स से। ये दे आपको क्लीयर विज़न, हर मंजिल को पाने के लिए। इस अवसर पर एंटरप्रेन्योर और इन्वेस्टर डॉ. संजीव जुनेजा ने फिल्म की फिल्म के साथ भागीदारी के लिए चयन किया है। उन्होंने कहा कि उनका आयुर्वेदिक प्रोडक्ट आई मंत्रा आंखों की थकान, सूखापन, तनाव जैसी समस्याओं पूरी टीम को सफलता की शुभकामनाएं दी हैं। वहीं फिल्म की कहानी को देखते हुए दिविसा हर्बल्ज़ प्राईवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि ने बताया कि मजबूत स्टार को दूर करने में अति सहायक है। जोकि कास्ट और प्रभावशाली निर्देशन के 12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों के मद्देनज़र उन्होंने अपने प्रसिद्ध प्रोड्क्ट योग से निर्मित है।

छात्रों को बताया राष्ट्रभक्ति का महत्व

गुरुग्राम । युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय), भारत सरकार की पहल के अंतर्गत, के. आर. मंगलम विश्वविद्यालय के यूथ रेड क्रॉस कमेटी एवं इंटरनेशनल रिलेशंस ऑफिस द्वारा "वंदे मातरम विकसित भारत 2047 का सभ्यतागत मंत्र" विषय पर मूट कोर्ट, ए ब्लॉक में एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र को अंशिका कस्तूरिया, यूथ आइकॉन 2026 ने संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। डॉ. हिमा गुप्ता, डीन – स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स (एसओएमसी) ने नैतिक नेतृत्व और रणनीतिक सोच के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. जोगिंदर सिंह, डीन – स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज (एसओएएस) ने सतत विकास एवं कृषि नवाचार को विकसित भारत की आधारशिला बताया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. मोनिका यादव एवं डॉ. मीनाक्षी गुज्राल द्वारा किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद

एजेंसी ▶▶| मुंबई

अमेरिका में भारतीय सौर उत्पादों पर 126 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने की घोषणा से बुधवार को निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई और घरेलू शेयर बाजार अपनी शुरुआती तेज बढ़त गंवाते हुए मामूली लाभ के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 50 अंक जबकि निफ्टी में 58 अंक की तेजी दर्ज की गई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 50.15 अंक यानी 0.06 प्रतिशत बढ़कर 82,276.07 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 731.99 अंक चढ़कर 82,957.91 अंक तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 57.85 अंक की बढ़त के साथ 25,482.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी और टेक महिंद्रा के शेयर चढ़कर बंद हुए।

दूसरी तरफ रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, अदाणी पोर्ट्स और इटर्नल के शेयर गिरावट में रहे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''सकारात्मक वैश्विक संकेतों से बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों ने जोखिम से बचने को तरजीह दी।''

आईआरएफसी के निर्गम को पूर्ण अभिदान नहीं मिला

नई दिल्ली। भारतीय रेल वित्त निगम लिमिटेड (आईआरएफसी) में सरकार की शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) को बुधवार को संस्थागत निवेशकों से सुस्त प्रतिक्रिया मिली।

वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित चिकित्सा विज्ञान उपचार पद्धति की दिशा कर सकता है सुनिश्चित : स्वामी रामदेव

एजेंसी ▶▶| हरिद्वार

पतंजलि अनुसन्धान संस्थान और पतंजलि विश्विद्यालय के तत्वधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पी2पी4 एथनोफार्माकोलॉजी बियान्ड टाइम्स सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन के माध्यम से विश्व को यह स्पष्ट संदेश प्रदान किया गया कि पारंपरिक उपचार पद्धतियाँ केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि वैज्ञानिक परीक्षण और प्रमाण के माध्यम से भविष्य की वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था का सशक्त आधार बन सकती हैं।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनमें पेरूजिया विश्वविद्यालय, इटली और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलोजी के प्रेजिडेंट, प्रोफेसर डोमेनिको विटोरियो डेलफिनो, कोट द'अजूर विश्वविद्यालय, फ्रांस से प्रोफेसर लुई-फेलिक्स नॉटियस, ग्राज विश्विद्यालय, आसट्रिया से प्रोफेसर रुडोल्फ बाउर, नीदरलैंड्स से एल्सेवियर प्रकाशन की सीनियर पब्लिशर, प्रोफेसर ऐन मैरी शोनी-

हरिद्वार। पतंजलि अनुसन्धान संस्थान और पतंजलि विश्वविद्यालय के तत्वधान में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पी2पी4 एथनोफार्माकोलॉजी बियान्ड टाइम्स सम्पन्न हुआ।

पोरडॉन, माए फ़ा लुआंग विश्विद्यालय, थाईलैंड से प्रोफेसर तिडारैट डुआंग्योट,सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलोजी के संस्थापक पुलक के. मुखर्जी, एम्स,कल्याणी सेप्रोफेसर वाई. के. गुप्ता, एम्स, ऋषिकेश की निदेशक प्रोफेसर मीनू सिंह औरउनके साथ प्रोफेसर पुनीत धामिजा, एम्स,नईदिल्ली से प्रोफेसर (मेजर)एम. डी. रे, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई से प्रोफेसर विक्रम गोटा, एवं नाइपर, मोहाली से प्रोफेसर संजय जाचक, आदि देश-विदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लेकर आयुर्वेद, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा के समन्वय पर गहन मंथन किया। इस अवसर पर योगऋषि स्वामी रामदेव ने इस सम्मेलन में उपस्थित गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि शोध और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित चिकित्सा विज्ञान और वैदिक सनातन ज्ञान का संगम ही भविष्य की चिकित्सा पद्धति की दिशा सुनिश्चित कर सकता है। हजारों वर्षों से संरक्षित भारतीय चिकित्सा ज्ञान को वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना समय की आवश्यकता हैऔर पतंजलि एक वैश्विक केंद्र के रूप में प्रमाण-आधारित भारतीय चिकित्सा को विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नए आयकर फॉर्म में मकान मालिक से बताना होगा रिश्ता

नई दिल्ली। सरकार ने नए आयकर अधिनियम, 2025 के तहत मसौदा आयकर नियम और फॉर्म जारी किए हैं, जिनमें किराया भत्ते (एचआरए) के दावों में पारदर्शिता बढ़ाने, विदेशी आय पर कर क्रेडिट के दावों की कड़ी जांच और ऑडिटर की जिम्मेदारी बढ़ाने का प्रस्ताव है। नया आयकर अधिनियम एक अप्रैल, 2026 से लागू होगा। सरकार ने हितधारकों के लिए नियमों का मसौदा एवं फॉर्म जारी किए हैं। इसके आधार पर अंतिम नियम एवं फॉर्म अगले महीने अधिसूचित किए जाएंगे। नियमों के मसौदे के मुताबिक, नए फॉर्म 124 में करदाता को यह बताना होगा कि वह जिस मकान मालिक को किराया दे रहा है, उससे उसका कोई पारिवारिक या कोई अन्य संबंध तो नहीं है। नांगिया ग्लोबल एडवाइजर्स फर्म में साझेदार संदीप झुनझुनवाला ने कहा, ''यह प्रावधान वास्तविक व्यवस्थाओं को प्रभावित किए बगैर कृत्रिम दावों की पहचान में मदद करेगा।

प्रिज्म ने त्यागी को किया निदेशक मंडल में शामिल

नई दिल्ली। यात्रा एवं आतिथ्य मंच ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म ने बाजार नियामक सेबी के पूर्व चेयरमैन अजय त्यागी को अपने निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक के तौर पर नियुक्त करने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब प्रिज्म सार्वजनिक बाजारों में पहुंचने और विस्तार की दिशा में अपने निदेशक मंडल एवं कॉरपोरेट कामकाज ढांचे को और मजबूत करना चाहती है। अजय को पूंजी बाजार विनियमन और सार्वजनिक संस्थागत नेतृत्व में गहन अनुभव हैं। दीर्घकालिक जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब उनका अनुभव अत्यंत मूल्यवान होगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कमरूद्दीन पुत्र श्री हफीजुल रहमान** निवासीः म.नं. एबी–432 अमरपुरी, नबी करीम, दिल्ली ने **FIR No. 44/2010 U/S 370/374/342/34 IPC, थाना : नबी करीम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या सन्देह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कमरूद्दीन** नही मिल रहा है और समाधानप्रद रूप से प्रदर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कमरूद्दीन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए छिपा हुआ है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 44/2010 U/S 370/374/342/34 IPC, थाना : नबी करीम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **कमरूद्दीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 27.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ. राजकुमार सिंह
जेएमएफसी–05, कमरा नं. 241,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2497/CD/2026
(court notice)

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 6150

बाएँ से दाए-

1. छुट्टी,रजा-4
3. वध,आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल,अनूठा-3
8. अनाथ,बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार,सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में,दौरान-3
24. खुश,आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना,परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2. मयखाना,मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना,वचन तोड़ना-4
7. फिजूल,व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग,गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश,मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -6149 का हल

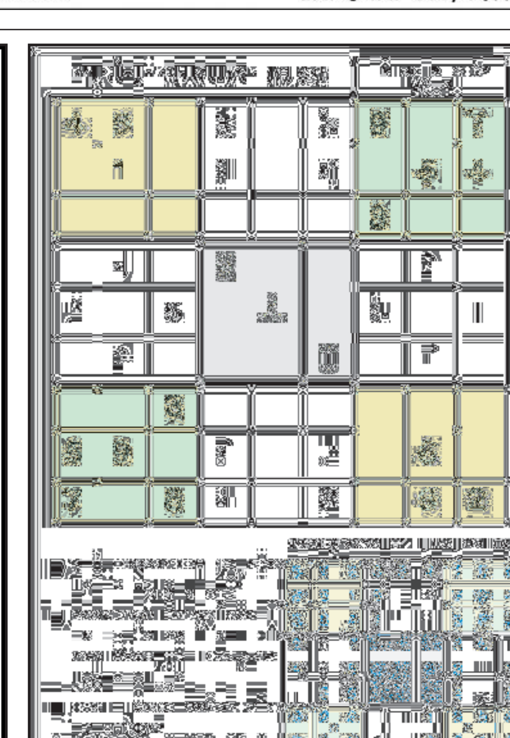

आज जिम्बाब्वे से आर-पार की जंग, भारत के टॉप ऑर्डर को दिखाना होगा दम

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

शीर्षक्रम की नाकामी और पिछली हार के बाद भारी दबाव से जूझ रही गत चैंपियन भारतीय टीम को 'जाइंट किलर' जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के 'करो या मरो' के मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका से रविवार को 76 रन से हार के बाद भारत का नेट रनरेट (माइनस 3.80) खराब हो गया है, जिससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए यह मुकाबला हर हालत में बड़े अंतर से जीतना होगा। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की समस्या से पार पाना होगा।

अभिषेक ने खोई लय

विश्व कप से पहले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन शानदार फॉर्म में थे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया था। लेकिन पेट के संक्रमण के बाद से अभिषेक की लय खो गई है। सपाट पिचों पर आफ स्पिनरों के सामने वह अपने पसंदीदा शॉट नहीं खेल पा रहे हैं, जिसका भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। सवाल यह है कि आक्रामक बल्लेबाजी की स्वाभाविक शैली को तिलांजलि देकर क्या वह कुछ रन बना सकेंगे।

जाइंट किलर और डिफेंडिंग चैंपियन के बीच कांटे का मुकाबला शाम 7 बजे से

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारत का नेट रनरेट खराब

तिलक को करना होगा प्रदर्शन में सुधार

तिलक वर्मा को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। अभिषेक के खराब फॉर्म के कारण तिलक को ईशान का बखूबी साथ देना चाहिए था लेकिन ऐसा हुआ नहीं। ईशान 193 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिल पा रहा। सूर्यकुमार यादव ने 180 रन बनाए हैं लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 127 रहा है, जो उनके टी20 कैरियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है, जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है।शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या निचले क्रम पर आक्रामक पारियां नहीं खेलते तो कुछ मैचों में तो भारत का स्कोर सम्मानजनक भी नहीं रहता। बाएं हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग किया है।

शीर्ष तीन में सैमसन को शामिल करने की संभावना

शीर्ष तीन में दाहिने हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल करने की संभावना है हालांकि वह खुद बहुत अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है । वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है, जिसका अभी तक भारत ने सामना किया है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी , रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस से कड़ी चुनौती मिल सकती है।

टीमें इस प्रकार

भारत : सुयकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

मैच का समय : शाम 7 बजे से।

खबर संक्षेप

अहमदाबाद की पिच हर बार अलग होती है : महाराज

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के अपने अधिकतर मैच नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेलने को मिल रहे हैं लेकिन उसके बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज का मानना है कि इससे उनकी टीम को खास फायदा नहीं मिल रहा है क्योंकि हर बार परिस्थितियां अलग होती हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम गुरुवार को सुपर आठ के मुकाबले में वेस्टइंडीज का सामना करेगा। उसने भारत के खिलाफ सुपर आठ का मैच भी इसी मैदान पर खेला था। ग्रुप चरण में उसने यहां तीन मैच खेले थे। महाराज ने कहा, 'यात्रा नहीं करना अच्छा है लेकिन पिच के लिहाज़ से हर मैच बहुत अलग रहा है।

भारत को रणनीति पर विचार करना होगा: शास्त्री

चेन्नई। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ चरण के पहले मुकाबले में मिली हार भारत के लिए खतरे की घंटी रही है और अब उसे टीम संयोजन पर पुनर्विचार करना होगा। शास्त्री ने कहा,' आपने लगातार 12 मैच जीते तो एक खराब दिन तो आना ही है। लेकिन मुझे खुशी है कि यह जल्दी आ गया। यह भारत के लिए जरूरी खतरे की घंटी रहा। इससे अब टीम को रणनीति और संयोजन पर फिर से विचार करना होगा।'

ब्रूक ने अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली : अफरीदी

पाल्लेकल। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने शानदार शतक लगाकर इंग्लैंड को

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में ले जाने वाले कप्तान हैरी ब्रूक की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। अफरीदी ने कहा,' मुझे लगता है कि यह उसके कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी थी। उसने खालिस क्रिकेट शॉट्स खेले। विकेट आसान नहीं था।' उन्होंने कहा,' उनके सारे बल्लेबाज जूझ रहे थे लेकिन उसने बेहतरीन पारी खेली।' मैच के दौरान अफरीदी ने ब्रूक से हाथ मिलाकर उनकी पारी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा,' वह इसका हकदार था। यह विश्व स्तरीय पारी थी। हैरी और मैं पीएसएल में साथ खेले हैं और हमारी अच्छी दोस्ती है। उसने लाहौर कलंदर्स के लिए खेला था।'

47 प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय जज कोर्स में लिया भाग

नई दिल्ली। कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में बुधवार को समाप्त हुए

राष्ट्रीय जज कोर्स में रिकॉर्ड 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के तत्वाधान में आयोजित किया गया यह कोर्स 21 फरवरी को शुरू हुआ था। एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने कहा कि पांच दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिभागियों को आईएसएसएफ के नियमों, रेंज प्रबंधन, स्कोरिंग प्रोटोकॉल आदि के बारे में बताया गया।

टी-20 वर्ल्ड कप : न्यूजीलैंड ने सात विकेट पर 168 रन बनाए, श्रीलंका 107 रन पर आउट

रविंद्र चमके, न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 61 रन से हराकर सेमीफाइनल के करीब कदम बढ़ाया

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

रचिन रविंद्र (27 रन देकर चार विकेट) के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने बुधवार को यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में श्रीलंका को 61 रन से शिकस्त दी जिससे सह मेजबान टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर (47 रन) और कोल मैककांकी (नाबाद 31 रन) के बीच सातवें विकेट के लिए 47 गेंद में 84 रन की साझेदारी से टीम ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सात विकेट पर 168 रन बनाए। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को अंतिम चार ओवर में 70 रन बनाने दिए। सुपर आठ के अपने पहले मैच में इंग्लैंड से हारने वाली टीम को फिर बल्लेबाजों ने निराश किया। श्रीलंकाई टीम रविंद्र के करियर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन के सामने लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 107 रन ही बना सकी। रविंद्र ने बल्लेबाजी में 32 रन का योगदान भी किया।

तीक्षणा और चामीरा ने मिलकर छह विकेट लिए

इससे पहले श्रीलंकाई ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा के तीन झटकों ने न्यूजीलैंड को पटरी से उतारने की कोशिश की। न्यूजीलैंड ने 9.3 और 12.1 ओवर के बीच में नौ रन पर चार विकेट गंवा दिए थे जिसमें तीक्षणा (30 रन देकर तीन विकेट) ने बीच के ओवरों में मैच का रूख पलट दिया। लेकिन मैककांकी ने अपने चयन को सही साबित करते हुए अंत में मोर्चा संभाला जबकि सैंटनर ने महत्वपूर्ण समय पर सात विकेट के लिए महज 47 गेंद में 84 रन की अहम साझेदारी की। सैंटनर ने 26 गेंद की पारी के दौरान चार छक्के और दो चौके लगाए। वह आखिरी गेंद पर आउट हुए जबकि मैककांकी ने 23 गेंद में तीन चौके और दो छक्के जमाए। न्यूजीलैंड का स्कोर 16 ओवर के बाद छह विकेट पर 98 रन था। तब मैककांकी ने दुष्मंता चामीरा (38 रन देकर तीन विकेट) पर दो छक्के और एक चौका जड़कर 18 रन बटोरे। इसके बाद सैंटनर ने श्रीलंका के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज तीक्षणा पर 18वें ओवर में एक चौका और दो छक्के मारे जिससे 21 रन बने। इन दोनों की बदौलत न्यूजीलैंड की टीम ने अंतिम चार ओवरों में 70 रन जुटाए। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की।

जीत के साथ दो अहम अंक पक्के किए

न्यूजीलैंड के लिए जहां स्पिन की जिम्मेदारी रविंद्र ने संभाली तो वहीं तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पावरप्ले में दो ओवर में एक मेडन से तीन रन देकर दो विकेट झटककर शानदार प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड के लिए इस बड़े अंतर की जीत ने दो अहम अंक तो पक्के किए ही और उसे सेमीफाइनल में जगह बनाने के करीब भी पहुंचा दिया। अब पाकिस्तान को क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए अपने आखिरी मैच में बड़ी जीत की जरूरत है। न्यूजीलैंड का अगला मुकाबला शुक्रवार को यहां सुपर आठ के अपने आखिरी मैच में इंग्लैंड से होगा जबकि पाकिस्तान की टीम शनिवार को पहले ही बाहर हो चुकी श्रीलंका से भिड़ेगी। न्यूजीलैंड ने हेनरी की मदद से पावरप्ले में श्रीलंका को पस्त किया। इस तेज गेंदबाज ने पहले ओवर की पहली ही गेंद फॉर्म में चल रहे पाथुम निसांका को आउट कर दिया। फिर अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर हेनरी ने चरिथ असलांका (05) को पवेलियन लौटाया। श्रीलंका की टीम इन झटकों से पूरी तरह बिखर गई। रविंद्र ने अपने पहले ओवर में कुसल मेंडिस को विकेटकीपर के हाथों स्टंप आउट कराया। दो गेंद बाद पवन रत्नायके ने भी स्टंप आउट हो गए।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

एक शतक, 5 फिफ्टी, जम्मू कश्मीर का स्कोर 527 रन

एजेंसी ▶▶| हुबली

रणजी 2025-26 सीजन का फाइनल मुकाबला जम्मू एंड कश्मीर और कर्नाटक के बीच खेला जा रहा है। कर्नाटक के हुबली मैदान पर जारी इस मुकाबले में जम्मू एंड कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कर्नाटक के गेंदबाजों को जमकर दबाव में डाला। जम्मू एंड कश्मीर के लिए शुभम पुंडीर का बल्ला जमकर गरजा और उन्होंने 121 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा पांच अन्य बल्लेबाजों ने भी फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया, जिससे टीम ने दूसरे दिन के अंत तक छह विकेट पर 527 रन बनाकर कर्नाटक पर विशाल बढ़त हासिल कर ली।

पांच बल्लेबाजों ने बनाया फिफ्टी प्लस स्कोर

कर्नाटक के हुबली मैदान पर खेले जाने वाले फाइनल में जम्मू एंड कश्मीर की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी। इसके सलामी बल्लेबाज यावेर हसन ने 150 गेंदों में 13 चौके से 88 रन की पारी खेली। शुभम पुंडीर ने 247 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के से 121 रन बनाकर अपनी टीम को विशाल स्कोर की तरफ धकेला। इन दोनों के अलावा कप्तान पारस डोगरा ने 166 गेंद में आठ चौके से 70 रन, अब्दुल समद ने 104 गेंद में छह चौके और एक छक्के से 61 रन, कनहैया वाधवन ने 109 गेंद में 70 रन बनाए। पहले दिन कर्नाटक के सामने जम्मू कश्मीर ने खेलते हुए दो विकेट पर 284 रन बनाए। इसके बाद दूसरे दिन भी बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे अंत तक साहिल लोतरा 57 रन बनाकर तो आबिद मुश्ताक 20 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह एक शतक और पांच फिफ्टी प्लस स्कोर से जम्मू एंड कश्मीर ने 6 विकेट पर 527 रन का विशाल स्कोर बना लिया। अब कर्नाटक को वापसी करनी है तो उसे बल्लेबाजी में पहली पारी में जम्मू एंड कश्मीर से अधिक रन बनाने होंगे। अन्यथा पहली पारी के आधार पर जम्मू एंड कश्मीर पहली बार रणजी चैंपियन बन जाएगी।

चैंपियंस लीग

इंटर मिलान को हरा कर बोडो/ग्लिम्ट की पहली बार अंतिम-16 में एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नॉर्वे के क्लब बोडो/ग्लिम्ट ने इतिहास रच दिया है। टीम पहली बार चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई है। बोडो/ग्लिम्ट ने इंटर मिलान को 5-2 के एग्रीगेट स्कोर से हराया।

तीन बार के यूरोपियन चैंपियन के खिलाफ नॉर्वे की टीम की यह जीत बेहद शानदार रही। मेहमान टीम को शुरुआती घंटे में ज्यादातर समय नेराजुरी के लगातार दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन पूर्व एसी मिलान अटैकर जेंस पीटर हॉग ने अहम गोल दागकर अपनी टीम की राह आसान की। उनके करीबी फिनिश और हैकन एनजन के शानदार गोल से बोडो/ग्लिम्ट ने मजबूत बढ़त बना ली।

इंटर ने अंत में वापसी की कोशिश की। मैनुअल अकांजी ने फेडेरिको डिमार्को के कटबैक पर गोल किया, जबकि एलेसेंड्रो बास्टोनी ने भी स्कोर किया, लेकिन यह जीत छीनने के लिए पर्याप्त नहीं था।कोच केजेटिल नुटसेन की टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

न्यूकैसल यूनाइटेड ने कराबाग एफके को दी मात

दूसरे मुकाबले में न्यूकैसल यूनाइटेड ने कराबाग एफके को 3-2 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। पहले लेग में 6-1 की बढ़त लेने के बाद न्यूकैसल ने कुल 9-3 से मुकाबला अपने नाम किया। यह मुकाबला चैंपियंस लीग इतिहास के सर्वाधिक गोलों वाले मुकाबलों में से एक था। शुरुआती मिनटों में सैंड्रो टोनाली और जोएलिंटन ने गोल कर बढ़त मजबूत की। दूसरे हाफ में स्वेन बॉटमैन ने भी योगदान दिया। वहीं, कराबाग की ओर से एल्विन जाफरगुलियेव ने गोल किया, जबकि गोलकीपर आरोन राम्सडेल ने पेनल्टी बचाकर टीम को राहत दी। मैच के बाद न्यूकैसल के मैनेजर एडी होवे ने कहा, इस स्तर पर कोई भी ड्रॉ आसान नहीं होता। हमने खासकर अवे मैच में शानदार प्रदर्शन किया और टीम ने दबाव को बखूबी संभाला।

सीनियर राष्ट्रीय पुरुष कबड्डी में हरियाणा जीता

वडोदरा (भाषा)। हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश और तमिलनाडु ने बुधवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय पुरुष कबड्डी चैंपियनशिप के दूसरे दिन बड़ी जीत दर्ज की। पूल ए में हरियाणा ने तेलंगाना को 49-18 से हराया और आंध्र प्रदेश ने तेलंगाना को 47-45 से हराया। पूल बी में मध्य प्रदेश ने गोवा पर 35-34 से करीबी जीत हासिल की। पूल सी में तमिलनाडु ने विदर्भ के खिलाफ 40-21 से जीत दर्ज की। पूल डी में उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को 70-33 से जीत हासिल की। पूल एफ में केरल ने छत्तीसगढ़ पर 45-30 से जीत हासिल की। पूल एच में दिल्ली ने त्रिपुरा पर 64-42 से शानदार जीत दर्ज की।

- पूल ए में हरियाणा ने तेलंगाना को 49-18 से हराया और आंध्र प्रदेश ने तेलंगाना को 47-45 से हराया।
- पूल बी में मध्य प्रदेश ने गोवा पर 35-34 से करीबी जीत हासिल की।
- पूल सी में तमिलनाडु ने विदर्भ के खिलाफ 40-21 से जीत दर्ज की।

एफआईएच प्रो लीग : टूटा भारत की हार का सिलसिला

पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने विश्व में तीसरे नंबर की टीम ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच प्रो लीग में लंबे समय से चले आ रहे हार के सिलसिले को खत्म कर दिया। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। इस जीत से भारत का प्रो लीग के अगले चरण से पहले मनोबल बढ़ेगा।

भारत ने हासिल किए दो अंक

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की पूरी कोशिश की लेकिन असफल रहीं और मैच शूटआउट में चला गया, जहां भारत ने जीत दर्ज करके दो अंक हासिल किए जबकि ऑस्ट्रेलिया को एक अंक मिला। भारत की तरफ से शूटआउट में लाकड़ा, मनिंदर सिंह और विष्णुकांत सिंह ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र गोल हेवर्ड ने किया। भारतीय गोलकीपर मोहित शशिकुमार होन्नेनहल्ली ने ऑस्ट्रेलिया के बाकी खिलाड़ियों के शॉट रोककर जीत में अहम भूमिका निभाई।

पहले 3 क्वार्टर में कांटे की टक्कर

पहले तीन क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के सामने हर तरह से कड़ी चुनौती पेश की। पहले तीन क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। ऑस्ट्रेलिया ने आखिर में 49वें मिनट में जेरेमी हेवर्ड के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की मदद से बढ़त हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया की यह खुशी हालांकि क्षणिक रही क्योंकि शिलानंद लाकड़ा (51वें मिनट) ने दो मिनट बाद ही एक शानदार मैदानी गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

रुसी ग्रैंडमास्टर क्रामनिक की विवादास्पद मुहिम के पक्षधर नहीं

चीटिंग पर हंगामा बेवजह, शतरंज उतना प्रभावित नहीं

एजेंसी ▶▶| प्राग

विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने साफ तौर पर कहा है कि शतरंज मे बेईमानी की समस्या उतनी बड़ी नहीं है जितनी उसे पेश किया जा रहा है। गुकेश आनलाइन खेल को प्रभावित करने वाले बेईमानी के खतरे के खिलाफ रूसी ग्रैंडमास्टर ब्लादीमिर क्रामनिक की विवादास्पद मुहिम के पक्षधर भी नहीं हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन क्रामनिक ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) पर मानहानि का मुकदमा दायर किया है चूंकि फिडे ने अमेरिका के दिवंगत ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोदित्स्की और चेक खिलाड़ी डेविड नवारा के खिलाफ धोखेबाजी के आरोपों के लिए उन्हें फटकारा था। नारोदित्स्की की असामयिक मौत काफी चर्चा में रही और उनका आखिरी वीडियो स्ट्रीम भी, जिसमें उन्होंने क्रामनिक के आरोपों के कारण मानसिक तनाव की बात की थी।

अनुचित खेल के खिलाफ

गुकेश ने कहा ,' मैं किसी भी तरह के अनुचित खेल के खिलाफ हूं । यह ऐसी समस्या है जो देखने में आई है। मैंने न तो कभी बेईमानी की है और उम्मीद करता हूं कि कोई ऐसा नहीं करता होगा।' उन्होंने कहा,' मुझे लगता है कि लोग इस समस्या को बढ़ा चढ़ाकर पेश कर रहे हैं, इतनी समस्या है नहीं। क्रामनिक के आरोपों की बात करें तो अधिकांश से मैं इत्तेफाक नहीं रखता। मुझे लगता है कि शतरंज जगत में और समरसता और शांति होनी चाहिए।'इससे पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन, फिडे अध्यक्ष अर्कादी डीवोरकोविच और भारत के अर्जुन एरिगेसी तथा निहाल सरीन ने भी क्रामनिक की आलोचना की थी क्योंकि वह अपने आरोपों के पक्ष में सबूत नहीं दे सके थे।

मैं क्रामनिक के साथ नहीं

गुकेश ने कहा,' क्रामनिक जो कर रहे हैं, मैं उसके साथ नहीं हूं। पिछले कुछ साल में बेईमानी को लेकर बहुत लोग अतिरंजित प्रतिक्रिया देते आए हैं। इस बीच सुपर टूर्नामेंट के पहले दौर में गुकेश का सामना अमेरिका के हैंस मोक नीमैन से होगा। भारत के अरविंद चिदंबरम की टक्कर उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से होगी ।

खबर संक्षेप

भारतीयों के लिए ब्रिटेन में ई वीजा अनिवार्य

लंदन। ब्रिटेन में बुधवार से लागू हुए नए नियमों के तहत एक डिजिटल पारगमन प्रणाली शुरू हो रही है, जिसमें भारतीय यात्रियों के लिए अनिवार्य ई-वीजा और बिना वीजा वाले आगंतुकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक यात्रा अनुमति (ईटीए) लेना शामिल है। इसके तहत नयी प्रक्रिया कागज आधारित वीजा 'स्टिकर' की जगह लेगी। हालांकि, नई प्रणाली में बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए आवेदन केंद्र पर व्यक्तिगत रूप से जाना आवश्यक होगा, इससे प्रक्रिया अवधि के दौरान पासपोर्ट दस्तावेज छोड़ कर जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

जांच के लिए श्रीलंका के पूर्व खुफिया प्रमुख अरेस्ट

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राज्य खुफिया सेवा प्रमुख सुरेश सैली को 2019 के ईस्टर बम धमाकों की जांच के सिलसिले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। सैली को पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने कोलंबो के उपनगर पेलियागोड़ा में उस समय हिरासत में लिया, जब वह एक गैर-सरकारी संगठन में काम करने जा रहे थे। उनकी गिरफ्तारी 2019 के ईस्टर संडे धमाकों से जुड़ी है। साल 2019 में ईस्टर पर कोलंबो के गिरजाघरों और पांच सितारा होटलों में हुए हमलों में 11 भारतीयों सहित 270 लोगों की मौत हुई थी।

ब्राजील में भयावह बाढ़ से 25 लोगों की मौत

जुइज डी फोरा। दक्षिण-पूर्व ब्राजील में आई भयंकर बाढ़ में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है और मिनास गैरेस राज्य में दर्जनों लोग लापता हैं। रियो डी जेनेरियो से लगभग 310 किलोमीटर उत्तर में जुइज डी फोरा और उबा शहरों में सोमवार को मूसलाधार बारिश शुरू हुई, जिससे लगभग 440 लोगों को अपने घर छोड़कर दूसरी जगहों पर जाना पड़ा। अधिकारियों ने लोगों को उन इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी है जहां भूस्खलन का खतरा हो सकता है। इस इलाके में और बारिश होने की आशंका है।

इजरायल में पीएम मोदी का भव्य स्वागत...9 साल बाद दूसरी यात्रा

एयरपोर्ट पर प्रोटोकॉल तोड़ नेतन्याहू ने लगाया गले, गार्ड ऑफ ऑनर दिया

नरेंद्र मोदी और बेंजामिन नेतन्याहू गले मिलते हुए

पीएम ने लिखा
मुझे उम्मीद है कि द्विपक्षीय चर्चाओं और भारत और इजरायल की दोस्ती को मजबूत करने के लिए बेहतर परिणाम निकलेंगे

पीएम मोदी, इजराइली पीएम नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर इजरायल पहुंच चुके हैं। एयरपोर्ट पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने उनका भव्य स्वागत किया। नेतन्याहू प्रोटोकॉल तोड़ते हुए अपने 'दोस्त मोदी' से गले मिले।

पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। 9 साल बाद उनकी दूसरी इजरायल यात्रा है। इजरायली पीएम के भव्य स्वागत को लेकर प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से किए गए स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि द्विपक्षीय चर्चाओं और भारत और इजरायल की दोस्ती को मजबूत करने के लिए बेहतर रिजल्ट निकलेंगे। प्रधानमंत्री बुधवार सुबह इजराइल के लिए रवाना हुए और करीब 4.30 बजे तेल अवीव पहुंचे।

नेतन्याहू ने दी प्रतिक्रिया - आपका स्वागत करना बड़े सम्मान की बात

पीएम मोदी के पोस्ट पर इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, इजरायल में आपका स्वागत करना बड़े सम्मान की बात है। आपका स्वागत है। एयरपोर्ट पर पीएम नेतन्याहू ने कहा कि हम दोनों के बीच व्यक्तिगत और दोनों देशों और हमारे लोगों के बीच एक शानदार दोस्ती रही है। आज सुबह, मेरी पत्नी सारा और मैंने एयरपोर्ट पर आपका स्वागत किया। जैसे ही आप सीढ़ियों से नीचे आए, हमने एक-दूसरे को गले लगा लिया। प्रधानमंत्री मोदी का गले लगना कुछ खास है। इसे मोदी हग कहा जाता है। यह दुनिया भर में मशहूर है। और जब आप किसी को करीब से सच में गले लगाते हैं, तो आप जानते हैं कि यह कोई दिखावा नहीं है। यह असल है।

पीएम मोदी को इजरायल का सर्वोच्च समान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' दिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत और इजरायल के बीच रणनीतिक संबंधों को सुदृढ़ करने में उनके असाधारण योगदान के लिए 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' से सम्मानित किया गया। भारतीय प्रधानमंत्री यह पदक पाने वाले पहले नेता हैं, जो इजराइली संसद 'नेसेट' का सर्वोच्च सम्मान है। नेसेट स्पीकर अमीर ओहाना ने इजरायली संसद में अपने संबोधन के बाद प्रधानमंत्री को यह पदक प्रदान किया। यह पदक भारत और इजरायल के बीच रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री के असाधारण योगदान के वास्ते प्रदान किया गया है। मोदी ऐसे वैश्विक नेता हैं, जिन्हें इजरायल और फिलिस्तीन दोनों से शीर्ष पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी को 2018 में ''ग्रैंड कॉलर आफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन' से सम्मानित किया गया, जो विदेशी नेताओं के लिए सर्वोच्च फिलिस्तीनी सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी की पिछले नौ साल में यह दूसरी इजरायल यात्रा है।

भारत-इजराइल के बीच बैठक

सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा की, समन्वित कार्रवाई पर दिया जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और इजराइल ने आतंकवाद और आतंकी संगठनों के साथ-साथ उनके प्रतिनिधियों, समर्थकों, प्रायोजकों, वित्तपोषकों और मददगारों से निपटने में सहयोग करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। नई दिल्ली में आयोजित भारत-इजराइल संयुक्त कार्यसमूह-जेडब्ल्यूजी की आतंकरोधी 10वीं बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने आतंकवाद के सभी प्रारूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा की।

इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए लगातार व्यापक और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में आतंकरोधी मामलों के संयुक्त सचिव डॉ. विनोद बहादे ने किया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय ढांचों के तहत प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान और सूचना विनिमय के माध्यम से सहयोग बढ़ाने के तौर-तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने पारस्परिक कानूनी सहायता सहित कानून प्रवर्तन और न्यायिक सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा की। आतंकरोधी संयुक्त कार्य-समूह की अगली बैठक इजराइल में आयोजित की जाएगी।

एआई के बढ़ते उपयोग पर जताई चिंता

इजराइली पक्ष का नेतृत्व वहां के विदेश मंत्रालय में सामरिक मामलों के ब्यूरो प्रमुख नादव एस्चर ने किया। उन्होंने दोनों देशों में हुए आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी और तत्काल कार्रवाई करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने आतंकवादियों की भर्ती, आतंकी उद्देश्यों के लिए प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग, आतंकवाद वित्तपोषण जैसी पारंपरिक और उभरती चुनौतियों की समीक्षा की तथा आतंकी गतिविधियों के लिए मानवरहित हवाई वाहनों, ड्रोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता-एआई के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई। दोनों पक्षों ने भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी की भावना और इसके व्यापक दायरे पर भी प्रकाश डाला।

'द यरूशलम पोस्ट' की सुर्खी: भारत-इजराइल रिश्तों में नया अध्याय

इजराइल दौरे के दौरान 'द यरूशलम पोस्ट' के फर्स्ट पेज में बुधवार के अंक में भारत और इजराइल के रिश्तों को एक नए दौर में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है। अखबार में 'दो प्राचीन राष्ट्रों ने एक नया अध्याय शुरू किया' शीर्षक के साथ पीएम नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे को ऐतिहासिक और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया गया है। इजराइल लंबे समय से भारत को एक महत्वपूर्ण मित्र के रूप में देखता रहा है।

कहा- मैंने कुछ गलत नहीं किया, न देखा

गेट्स ने फाउंडेशन के अधिकारियों से एपस्टीन से संबंधों को लेकर माफी मांगी

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने दोषी ठहराए जा चुके यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अपने संबंधों को लेकर गेट्स फाउंडेशन के कर्मचारियों से माफी मांगी है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्होंने एपस्टीन के अपराधों में भाग नहीं लिया। गेट्स ने एक बैठक में स्वीकार किया कि उनके दो रूसी महिलाओं के साथ संबंध थे, जिनका पता बाद में एपस्टीन को चला, लेकिन उनका एपस्टीन की पीड़ितों से कोई लेना-देना नहीं था। गेट्स ने कहा कि मैंने कुछ भी अवैध नहीं किया। मैंने कुछ भी अवैध नहीं देखा। उन्होंने कहा कि ये तस्वीरें उन दोनों की मुलाकात के बाद एपस्टीन के कहने पर उसकी सहयोगियों के साथ खिचवाई गयी थीं। गेट्स ने कहा कि स्पष्ट रूप से कहूं तो, मैंने कभी पीड़ितों, यानी उनके आसपास की महिलाओं के साथ समय नहीं बिताया। उन्होंने कहा कि एपस्टीन के साथ समय बिताना मेरी बड़ी गलती थी।

टेलीग्राम फाउंडर डुरोव ने किया खुलासा

रूस में उन पर लगे आतंकवाद के आरोपों की जांच शुरू, बैन किया जा सकता है एप

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

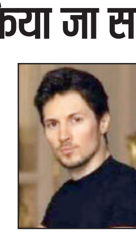

टेलीग्राम मैसेजिंग एप के फाउंडर पावेल डुरोव ने मंगलवार को बताया कि रूसी सरकार ने उनके खिलाफ आपराधिक जांच शुरू कर दी है। उन पर आतंकवाद में मदद करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। डुरोव का जन्म रूस में ही हुआ था और उन्होंने अपना करियर भी वहीं से शुरू किया था।

उन्होंने मॉस्को पर आरोप लगाया कि सरकार प्राइवेसी और बोलने की आजादी को दबाना चाहती है। डुरोव का कहना है कि रूसी नागरिकों की टेलीग्राम तक पहुंच रोकने के लिए सरकार बहाने बना रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, यह एक ऐसे देश का दुखद नजारा है जो अपने ही लोगों से डरता है।

बता दें, रूस की संचार संस्था 'रोसकोम्नाडजोर' ने टेलीग्राम पर रूसी कानूनों को न मानने का आरोप लगाते हुए एप को बैन करने की बात कही थी। इस फैसले से रूस में लोगों का गुस्सा भड़क गया है। हालांकि, रूसी अधिकारी इसे सुरक्षा के लिए खतरा बता रहे हैं।

बीते दिनों एक विमान में आई तकनीक खामी है इसकी वजह

वायुशक्ति युद्धाभ्यास में नहीं सुनाई देगी तेजस लड़ाकू विमान की गर्जना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

चीन और पाकिस्तान से मिलती कड़ी सुरक्षा चुनौती के दौर में शुक्रवार (27 फरवरी) को राजस्थान की पोखरण रेंज में भारतीय वायुसेना का एक बेहद आक्रामक और प्रचंड युद्धाभ्यास 'वायुशक्ति-2026' होगा। जिसमें देश का पहला स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस भाग नहीं लेगा। सूत्रों ने बताया कि इसके पीछे का कारण इसी फरवरी महीने के शुरुआती सप्ताह में बल के किसी एयरबेस पर ग्राउंड में तैनात एक तेजस विमान में आई मामूली तकनीकी समस्या है।

जिसकी वजह से अभी फिलहाल वायुसेना के जंगी बेड़े में शामिल तेजस विमानों की दो स्क्वाड्रन यानी कुल करीब 36 से 40 विमानों की चल रही जरूरी जांच (तकनीकी और मेंटेनेंस) की व्यापक प्रक्रिया है। पूर्व में एलसीए को वायुशक्ति युद्धाभ्यास में भाग लेना था। इस बार करीब दो से तीन तेजस विमान युद्धाभ्यास में उड़ान भरने वाले थे। लेकिन उक्त मामला सामने आने के बाद अब ऐसा संभव नहीं हो सकेगा।

■ जिसके चलते अभी तेजस विमान का समूचा बेड़ा जरूरी जांच प्रक्रिया से गुजर रहा है

एफडीआर में शामिल नहीं हुआ तेजस

सूत्रों ने कहा कि वायुशक्ति युद्धाभ्यास से पहले तेजस विमान को इससे जुड़ी हुई एक फुल ड्रेस रिहर्सल (एफडीआर) में भाग लेना था। लेकिन पिछले 24 फरवरी को हुई एफडीआर में भी विमान शामिल नहीं हुआ। जिसके बाद ये लगभग साफ हो गया था कि अब तेजस विमान युद्धाभ्यास वाले दिन भी आयोजन का हिस्सा नहीं बनेंगे। यहां बता दें कि तेजस विमानों की वायुसेना के पास जो अभी दो स्क्वाड्रन हैं। उनमें से एक देश की पश्चिमी-सीमा पर मौजूद किसी एयरबेस पर और दूसरी तमिलनाडु स्थित सुलूर एयरबेस पर तैनात की गई है।

दो बार दुर्घटना का शिकार हुआ तेजस

बताते चलें कि बीते कुछ सालों में दो बार तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। जिसमें पहली घटना वर्ष 2024 के मार्च महीने में जैसलमेर के पास भारत शक्ति युद्धाभ्यास के दौरान हुई थी। जिसकी वजह विमान का इंजन फेल होना था। लेकिन पायलट उसमें सुरक्षित था। दूसरी घटना पिछले साल नवंबर महीने में अंतरराष्ट्रीय दुबई एयरशो के दौरान हुई थी। जिसमें वायुसेना के एक वरिष्ठ पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल की दुखद मौत हो गई थी। इसके बाद अब ये तीसरा मामला सामने आया है, जिसमें ग्राउंड पर विमान में आई तकनीकी समस्या से तेजस विमान प्रभावित हुआ है। रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ और अधिक तेजस विमानों की खरीद के लिए पूर्व में दो समझौते किए हैं। जिनके जरिए वायुसेना को 180 तेजस मिलेंगे। हालांकि विभिन्न कारणों के चलते कंपनी द्वारा तेजस मार्क-1ए विमान की डिलीवरी में देरी बनी हुई है।

वायुशक्ति में दिखेगी ऑपरेशन सिंदूर की झलक

सूत्रों ने बताया कि वायुशक्ति युद्धाभ्यास में ऑपरेशन सिंदूर की झलक देखने को मिलेगी। साथ ही उसी परिदृश्य के आभासी माहौल को तैयार कर वायुसेना अपने तमाम युद्धक हथियारों का इस्तेमाल कर अपनी रणनीतिक क्षमता को मजबूत बनाएगी। उक्त अभियान में प्रयोग किए गए स्वदेशी हथियारों के अलावा लगभग हर प्रकार की सैन्य सामग्री का युद्धाभ्यास में इस्तेमाल किया जाएगा। इस बार वायुशक्ति में कुल करीब 128 विमान भाग लेंगे। जिनमें लड़ाकू विमानों की संख्या 75 से 77 के करीब होगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109